धनबाद
गुरूवार 11.12.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-286 पृष्ठ- 12
पौष कृष्ण पक्ष-7
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

देश के 70 शहरों में लागू कमिश्नरेट प्रणाली को समान अधिकार देने की तैयारी में केंद्र

अब पुलिस को आपात स्थिति में किसी दूसरी एजेंसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा

नई दिल्ली (ईएमएस): पुलिस कमिश्नरी प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार ने एक अनूठी पहल की है। सरकार द्वारा देश के ७० शहरों में लागू पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली को समान अधिकार देने की पहल शुरू की गई है।

इसका उद्देश्य है कि जहां-जहां पुलिस कमिश्नरी लागू है, वहां सभी के अधिकार समान हों। इसके लिए प्राथमिक तौर पर एक अध्ययन भी करवाया जा रहा है। इसके लिए नेशनल पुलिस एकेडमी (एनपीए) को नोडल एजेंसी बनाकर जिम्मेदारी सौंपी गई है। एनपीए ने इंदौर-भोपाल पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर अपने यहां एक नोडल अधिकारी नियुक्त कर जानकारी उपलब्ध करवाने को कहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एनपीए को कमिश्नरी सिस्टम की जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए राज्य में नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं। ये अधिकारी डीसीपी रैंक के हैं, जो मप्र में भोपाल और इंदौर के लिए कमिश्नरी सिस्टम को लेकर पुलिस को मिले पॉवर और कमजोरियों की जानकारी देकर एनपीए को अपडेट करेंगे।

यदि यह व्यवस्था लागू होती है तो पुलिस कमिश्नरी मजबूत होगी। भारत में सबसे पहले दिल्ली में कमिश्नरेट प्रणाली लागू हुई। दिल्ली कमिश्नर केंद्रीय गृह विभाग को रिपोर्ट करते हैं। बाकी शहरों के कमिश्नर संबंधित राज्यों की सरकार को रिपोर्ट करते हैं।

बता दें अभी तक दिल्ली-मुंबई कमिश्नरेट में कार्यकारी मजिस्ट्रेट की सभी शक्तियां कमिश्नरेट के पास हैं। जबकि जयपुर समेत अन्य शहरों में कुछ हिस्सा ही कमिश्नरेट को मिला है। वर्तमान में दिल्ली-मुंबई में सिनेमा लाइसेंस समेत सभी प्रकार के लाइसेंस देने का अधिकार पुलिस के पास है। जबकि बाकी शहरों में सरकार ने पुलिस को सीमित अधिकार दिए हैं। अब जल्द ही सभी जगह कमिश्नरेट प्रणाली को एक जैसी शक्तियां प्रदान की जाएंगी। इससे पुलिस को आपात स्थिति में किसी दूसरी एजेंसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। साथ ही आमजन को भी सुविधा होगी।

दीपावली त्यौहार यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल

पीएम मोदी ने कहा, इस खबर से हर भारतीय खुश

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत के दीपावली त्यौहार को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल कर लिया गया है। इस ऐतिहासिक फैसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुशी जताकर कहा कि दीपावली हमारे देश की संस्कृति और मूल्यों से गहराई से जुड़ा हुआ है। यूनेस्को ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन की इंटैन्जिबल कल्चरल हेरिटेज यानी अमूर्त विश्व धरोहर की सूची जारी की। इसमें घाना, जॉर्जिया, कांगो, इथियोपिया और मिस्र सहित कई देशों के सांस्कृतिक प्रतीक भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत और दुनियाभर में लोग इस खबर से बहुत खुश हैं। हमारे लिए दीपावली हमारी सभ्यता की आत्मा है। यह प्रकाश और धर्म का प्रतीक है। यूनेस्को की इस सूची में दीपावली के शामिल होने से यह त्यौहार विश्व स्तर पर और अधिक लोकप्रिय होगा। साथ ही कहा कि प्रभु श्री राम के आदर्श हमें सदैव मार्गदर्शन देते रहें।

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में संरक्षण से दीपावली जैसे त्यौहार को विश्वभर में पहचान और संरक्षण मिलेगा। इससे भारतीय सांस्कृतिक धरोहर और अधिक मजबूत होगी। साथ ही यह युवा पीढ़ी के बीच पारंपरिक उत्सवों की महत्ता समझने में मदद करेगा।

बात दें कि यह फैसला उस समय आया है, जब दिल्ली में यूनेस्को की इंटर-गवर्नमेंटल ▶▶ 8

झारखंड लोकभवन का नाम बिरसा भवन रखेगी सरकार

उप राजधानी दुमका स्थित लोकभवन का नाम सिदो-कान्हू के नाम पर रखा जायेगा

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा में बुधवार को उस समय जोरदार हलचल हुई जब संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने रांची स्थित राजभवन का नाम 'बिरसा भवन' और उपराजधानी दुमका के राजभवन का नाम 'सिदो-कान्हू भवन' करने का प्रस्ताव सदन के पटल पर रख दिया। मंत्री ने केंद्र द्वारा ३ दिसंबर को जारी अधिसूचना, जिसमें देशभर के राजभवनों का नाम बदलकर 'लोकभवन' करने का निर्देश दिया गया था, को सिरे से खारिज कर दिया।

राधाकृष्ण किशोर ने सदन को संबोधित करते हुए कहा, राजभवन राज्य सरकार की संपत्ति है। इसका निर्माण, रखरखाव और संचालन राज्य सरकार के पैसे से होता है। संविधान के अनुच्छेद-१५४ के तहत राज्य की कार्यकारी शक्ति गवर्नर में निहित होती है, इसलिए उनका कार्यालय भी राज्य कार्यालय है। राज्य सरकार को ही अपनी संपत्ति का नामकरण करने का पूर्ण अधिकार है।मंत्री ने स्पष्ट किया कि औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति की बात सही है, लेकिन नाम बदलते समय राज्य के महान स्वतंत्रता सेनानियों और आदिवासी नायकों को सम्मान देना भी जरूरी है। भगवान बिरसा मुंडा और सिदो-कान्हू ने इस धरती के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनके नाम पर राजभवन का नामकरण झारखंड की अस्मिता का सम्मान होगा।

ज्ञात हो कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ३ दिसंबर को देशभर के सभी राजभवनों का नाम बदलकर 'लोकभवन' और ▶▶ 8

सरेंडर नक्सलियों का केस वापस लेगी छत्तीसगढ़ सरकार

कैबिनेट सब कमेटी और जिला स्तरीय कमेटी बनाने का निर्णय

रायपुर (ईएमएस): छत्तीसगढ़ सरकार सरेंडर नक्सलियों का केस वापस लेगी। साय कैबिनेट की मीटिंग में बुधवार को मंजूरी मिली है। इसके लिए कैबिनेट सब कमेटी और जिला स्तरीय कमेटी बनाने का निर्णय लिया गया है। अच्छे व्यवहार और नक्सल हिंसा छोडऩे वाले लोगों को राहत दी जाएगी। इसके साथ ही कानूनों को और सरल बनाने के लिए जन विश्वास विधेयक-२०२५ के दूसरे संस्करण को भी मंजूरी मिली। इसके तहत ११ विभागों के १४ अधिनियमों के ११६ प्रावधानों में बदलाव करके छोटे उल्लंघनों पर प्रशासनिक सजा और तेज निपटारे की व्यवस्था की जाएगी।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देने के लिए इसे सरलीकरण किया जाएगा। साथ ही प्रथम अनुपूरक अनुमान २०२५-२६ के लिए छत्तीसगढ़ विनियोग विधेयक को भी स्वीकृति दी गई। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जहां जन विश्वास विधेयक का द्वितीय संस्करण लाया जा रहा है।

कैसे काम करेगी जिला-स्तरीय समिति

सरेंडर करने वाले नक्सलियों के खिलाफ केस वापस लेने की प्रक्रिया की देखरेख के लिए एक जिला-स्तरीय समिति बनाई जाएगी। यह समिति सरेंडर करने वाले नक्सली के खिलाफ आपराधिक मामलों को वापस लेने के संबंध में पुलिस मुख्यालय को एक रिपोर्ट सौंपेगी। पुलिस ▶▶ 8

तिरुपति मंदिर को किए 1 करोड़ दान

चेन्नई (ईएमएस): तमिलनाडु की महिला श्रद्धालु ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के वेंकटेश्वर प्रणदान ट्रस्ट को १ करोड़ रुपए का दान दिया है। यह ट्रस्ट उन गरीब मरीजों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराता है जो जानलेवा बीमारियों से पीड़ित है। इरोड की रहने वाली एम. सौम्या ने टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी च. वेंकैया चौधरी को यह डिमांड ड्राफ्ट सौंपा। टीटीडी की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार दान राशि मंगलवार को श्री वेंकटेश्वर प्रणदान ट्रस्ट को दी गई।

गढ़चिरौली में पुलिस बल को मिली बड़ी कामयाबी

82 लाख के इनामी 11 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

गढ़चिरौली (ईएमएस): सरकार द्वारा नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में महाराष्ट्र की गढ़चिरौली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इसके तहत गढ़चिरौली में बुधवार को ८२ लाख के इनामी ११ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। ये सभी नक्सली ने महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि शुक्ला के सामने आत्मसमर्पण किया है। इस दौरान वहां पर एडिशनल डीजी (स्पेशल ऑपरेशंस) चेहरिंग दोरजे, गढ़चिरौली रेंज के डीआईजी अंकित गोयल, एसपी नीलोत्पल और सीआरपीएफ के ऑपरेशंन डीआईजी भी मौजूद थे।

गढ़चिरौली पुलिस को मिली इस बड़ी ▶▶ 8

पीएम मोदी ईवीएम नहीं लोगों के दिलों को करते हैं हैक : कंगना रनौत

नई दिल्ली (ईएमएस): संसद के शीतकालीन सत्र के आठवें दिन लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में तीखी नोकझोंक देखने को मिली। जहां राज्यसभा में 'वंदे मातरम' को लेकर बहस छिड़ी रही, वहीं लोकसभा में चुनाव सुधार मुख्य मुद्दा बना रहा। इसी दौरान अभिनेत्री से भाजपा सांसद बनी कंगना रनौत ने कांग्रेस पर विपक्ष में रहते हुए लगातार नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला।

लोकसभा में अपनी टिप्पणी के दौरान कंगना रनौत ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईवीएम हैक नहीं करते, वे लोगों के दिलों को हैक करते हैं। यह प्रतिक्रिया उन्होंने उन विपक्षी आरोपों के जवाब में दी, जिनमें ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए जा रहे थे। कंगना ने सदन में उस 'अंतरराष्ट्रीय महिला' की तस्वीर दिखाने पर भी कांग्रेस पर हमला बोला, जिसका प्रयोग राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की आलोचना के दौरान किया था। ▶▶ 8

बीएचपी की अपील, आगामी जनगणना में सभी खुद को हिंदू के तौर पर दर्ज कराएं

हिंदू समाज को बांटने के प्रयासों को रोकना जरुरी

नई दिल्ली (ईएमएस): बीएचपी यानी विश्व हिंदू परिषद ने आगामी जनगणना में सभी से खुद को हिंदू के तौर पर दर्ज करने की अपील की है। बीएचपी ने कहा कि इसके जरिए हिंदू समाज में बंटवारे की कोशिश को रोकना है। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को बांटने की प्रयासों को रोककर एकजुट रहना है। उन्होंने कहा कि देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की पहचान के लिए मापदंड होना चाहिए।

बीएचपी अध्यक्ष अरुण कुमार ने जनगणना में सभी को हिंदू के तौर पर दर्ज करने की वजह बात दी है। उन्होंने कहा, कर्नाटक में लिंगायतों के कुछ वर्ग, आदिवासी इलाकों में सारणा और जाटवों के कुछ वर्ग और सामान्य में कुछ एससी एसटी में खुद को हिंदू पक्ष बताने के लिए अभियान चला रहे हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हिंदू समाज को बांटने वाले इसतरह के प्रयास असफल हों और हम एकजुट रहें। उन्होंने कहा कि धार्मिक अल्पसंख्यकों को तय करने के लिए जो ▶▶ 8

दिल्ली-एनसीआर की सुरक्षा के लिए तैनात होगा स्वदेशी डिफेंस सिस्टम

ड्रोन-फाइटर जेट के हमलों को नाकाम करेगा, अगस्त में सफल परीक्षण किया जा चुका

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत अब राजधानी दिल्ली-एनसीआर को मिसाइलों, ड्रोन और फाइटर जेट हमले जैसे खतरों से बचाने के लिए अपना खुद का मल्टी-लेयर्ड एयर डिफेंस सिस्टम लगाने जा रहा है। रक्षा मंत्रालय इस प्रोजेक्ट को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के अनुसार नया इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम पूरी तरह देश में बने हथियारों से तैयार होगा। इस सिस्टम का सबसे बड़ा हिस्सा डीआरडीओ की बनाई क्यूआरएसएएम मिसाइल और वीएसएचओआरएडीएस होगा।

इनके साथ कई तरह के सेंसर, रडार और एक आधुनिक कंट्रोल सिस्टम जोड़ा जाएगा, जिससे हर खतरे पर तुरंत नजर रखी जा सके।

ये पूरा सिस्टम भारतीय वायुसेना ऑपरेट करेगी। आईएडीडब्ल्यूएस का २३ अगस्त को सफल परीक्षण भी हो चुका है।

सुदर्शन चक्र मिशन का हिस्सा

आईएडीडब्ल्यूएस एक मल्टीलेयर एयर डिफेंस सिस्टम है, ये दुश्मन के हवाई हमले नाकाम करेगा। इसे सुदर्शन चक्र मिशन का एक हिस्सा माना जा रहा है। यह स्वॉर्म (एक साथ छोड़े गए कई ड्रोन्स) ड्रोन अटैक के खिलाफ रक्षा कवच बनेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने १५ अगस्त को लाल किले से दिए अपने भाषण में सुदर्शन चक्र मिशन की घोषणा की थी। इसके बाद २३ अगस्त को ओडिशा के तट पर आईएडीडब्ल्यूएस का सफल परीक्षण किया गया था।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इसकी जानकारी देते हुए ट्विटर पोस्ट में लिखा था- इस परीक्षण ने हमारे देश की मल्टी लेयर एयर डिफेंस कैपेबिलिटी बढ़ाई है। यह सिस्टम दुश्मन के हवाई खतरों के खिलाफ रीजनल डिफेंस को मजबूती देगा।

परिवार कल्याण दिवस
प्रत्येक माह की 11 तारीख
अवकाश की स्थिति में आगामी कार्य दिवस पर

जोड़ी जिम्मेदार
जो प्लान करे परिवार

''माँ बनने की उम्र वही,
जब तन और मन की तैयारी सही''

परिवार कल्याण हेतु निम्न पर विशेष ध्यान
- जटिल गर्भावस्था की प्रसूताएं
- तीन से अधिक बच्चों वाले योग्य दम्पत्ति
- नव विवाहित दम्पत्ति

विशेष गतिविधियाँ
- नई पहल किट का वितरण
- परिवार नियोजन के स्थाई एवं अस्थाई विधियों को अपनाने वाले दम्पत्तियों को प्रोत्साहन राशि
- पुरूष नसबंदी एवं महिला बंध्याकरण अपनाने वाले दम्पत्तियों को परिवार नियोजन बीमा योजना का लाभ

परिवार नियोजन की विधियाँ
स्थायी विधियाँ: पुरुष नसबंदी, महिला नसबंदी
अस्थायी विधियाँ: इंजेक्शन एम.पी.ए, आपातकालीन गर्भ निरोधक गोली, गर्भ निरोधक गोलियाँ, कॉपर आई.यू.सी.डी 375 आई.यू.सी.डी 380 A, कंडोम

104 चिकित्सा सलाह
फिक्स डे एप्रोच के तहत प्रत्येक सप्ताह के शुक्रवार को परिवार नियोजन की सेवाएं
108 24x7 एम्बुलेंस सेवा

अधिक जानकारी के लिए अपने निकटतम सरकारी स्वास्थ्य केन्द्र या जिला अस्पताल से सम्पर्क करें।
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड
स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार
स्वस्थ झारखण्ड सुखी झारखण्ड
PR 368060 (Health Med Edu and Family Welfare) 25-26

संपादकीय

जरा-सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है

पायलटों के साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने से विमानन कंपनी इंडिगो में उपजा उड़ान परिचालन का संकट इस फैसले को वापस लेने के बाद भी थमता नजर नहीं आया। शनिवार को कंपनी की साढ़े आठ सौ से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि शुक्रवार को देश भर के विभिन्न हवाईअड्डों से एक हजार से अधिक उड़ानें निरस्त कर दी गई थीं। इससे न केवल यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी हो रही है, बल्कि उन्हें दूसरी उड़ानों की यात्रा टिकट हासिल करने के लिए कई गुना अधिक दाम चुकता करने पड़ रहे हैं।

हालांकि, इस समस्या के निराकरण के लिए सरकार ने अब फिलहाल दूरी के आधार पर हवाई किराए की सीमा 7,500 रुपए से 18,000 रुपए तक सीमित कर दी है। मगर उड़ानों के परिचालन का संकट दूर करने के लिए पायलटों के साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने का जो फैसला वापस लिया गया है, क्या इस मसले की संवेदनशीलता को देखते हुए उस पर फिर से विचार किया जाएगा? यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि आखिर इंडिगो में ही यह संकट क्यों और कैसे पैदा हुआ।

दरअसल, पायलटों का संगठन लंबे समय से साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने की मांग कर रहा था। उनका कहना था कि लगातार काम के दबाव की वजह से उन्हें थकान समेत कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर नागर विमानन महानिदेशालय ने हाल में नई नियमावली जारी कर पायलटों के साप्ताहिक आराम की जरूरत के समय में बारह घंटे की बढ़ोतरी कर उसे अड़तालीस घंटे कर दिया था। इसके बाद इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने का सिलसिला शुरू हो गया। कंपनी का तर्क था कि नए नियमों के लागू होने से ज्यादा पायलट अवकाश पर हैं, जिससे उड़ानों का परिचालन बाधित हुआ है। मगर, इस बात पर गौर करना जरूरी है कि नए नियम सभी विमानन कंपनियों पर लागू थे! दूसरा, इस बात पर भी गहराई से विचार करने की जरूरत है कि उड़ान के दौरान पायलटों की संवेदनशीलता और सक्रियता बेहद महत्त्वपूर्ण होती है, जरा-सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ऐसे में उनके पूरी तरह स्वस्थ रहने के लिए उन्हें जरूरी आराम की सुविधा का पहलू भी अहम है। एक और समस्या है जो उड़ानों के संकट के बीच अक्सर हवाई यात्रियों को परेशानी और चिंता में डाल देती है, वह है किराए में अचानक बढ़ोतरी। यह इसलिए है, क्योंकि विमानन कंपनियों पर किराए की सीमा को लेकर कोई स्पष्ट नियम लागू नहीं है। इसी कारण शनिवार को स्पाइसजेट की कोलकाता-मुंबई की एक तरफ की यात्रा के लिए 'इकोनामी' श्रेणी के हवाई टिकट की कीमत नब्बे हजार रुपए तक पहुंच गई, जबकि एअर इंडिया की मुंबई-भुवनेश्वर उड़ान के लिए यात्रियों को चौरासी हजार रुपए तक में टिकट खरीदना पड़ा। इन खबरों के बाद सरकार ने फिलहाल दूरी के आधार पर हवाई किराए की सीमा तय कर दी है। मगर यह व्यवस्था तब तक रहेगी, जब तक उड़ानों का संकट दूर नहीं हो जाता है। सवाल है कि क्या इसके बाद विमानन कंपनियों की ओर से मनमाना किराया वसूलने का सिलसिला जारी रहेगा। ऐसे में जरूरी है कि सरकार की ओर से स्थायी तौर पर हवाई किराए की सीमा तय करने की पहल की जाए, ताकि कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लग सके और यात्रियों को बेवजह परेशानी एवं आर्थिक नुकसान न झेलना पड़े।

बिना रुकावट मिड डे मील उपलब्ध कराना किसकी जिम्मेदारी है?

सरकारी स्कूलों में बच्चों के पोषण का स्तर बेहतर करने और कक्षाओं में उनकी उपस्थिति बढ़ाने के मकसद से मध्याह्न भोजन की महत्वाकांक्षी योजना चलाई जा रही है। मगर हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में ऐसे स्कूल भी हैं, जहां के बच्चों को दोपहर का भोजन तो मिल रहा है, लेकिन वह सरकार की ओर से जारी धन के जरिए नहीं, बल्कि शिक्षकों के आपसी सहयोग या दुकानदारों से लिए गए उधार के सहारे। गौरतलब है कि कुल्लू जिले के आनी और निरमंड खंडों के दो सौ सतहत्तर स्कूलों के लिए पिछले तीन महीने से मध्याह्न भोजन का बजट जारी नहीं हुआ है। शिक्षकों को यह आशंका है कि अगर बच्चों को दोपहर का भोजन मुहैया न कराया जाए, तो उनके खिलाफ विभागीय या निलंबन की कार्रवाई हो सकती है। वहीं बच्चों के पोषण के स्तर में कमी को लेकर भी सवाल उठ सकता है। ऐसे में इस इलाके में स्कूली बच्चों को उनके भरोसे छोड़ने के बजाय शिक्षकों ने अपने बीच आर्थिक सहयोग या फिर आसपास की दुकानों से उधार लेकर मध्याह्न भोजन किसी तरह जारी रखा हुआ है। इसमें कोई दोराय नहीं कि सरकारी बजट की राशि जारी न होने के बावजूद जो शिक्षक आपसी आर्थिक सहयोग के जरिए स्कूल में बच्चों को भोजन मुहैया करा रहे हैं, वे संवेदनशील हैं और अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। सरकारी स्कूलों के बच्चे आमतौर पर कमजोर तबकों से आते हैं और उनका परिवार कई तरह के अभावों का सामना करता है। ऐसे में शिक्षकों ने बच्चों के मध्याह्न भोजन के लिए जिस स्तर पर सहयोग किया, वह मानवीय पहल, प्रशंसा और प्रेरणा का एक सकारात्मक संदर्भ है। निश्चित तौर पर शिक्षकों ने अपनी मानवीय भूमिका का निर्वाह किया। मगर सवाल है कि व्यवस्थागत रूप से मध्याह्न भोजन निर्बाध उपलब्ध कराना किसकी जिम्मेदारी है? राशि की कमी की वजह से बच्चों को दोपहर के भोजन में अड़चन आने की स्थिति में शिक्षकों के भीतर विभागीय कार्रवाई का डर क्यों बैठा? अगर सरकार के कामकाज का तरीका ऐसा है कि किसी जिले के दो खंडों के करीब पौने तीन सौ स्कूलों में मध्याह्न भोजन के लिए राशि जारी नहीं होती, तो इसके लिए कौन जवाबदेह है?

आज का कार्टून

हैदराबाद में डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर सड़क, नाम होगा डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू

समृद्ध देशों में दरकिनार होते प्रवासी...

तीन प्रकार के प्रवासी अमेरिका या समृद्ध देशों में पाए जाते हैं। भारतीय, चीनी और लैटिन अमेरिकी। गौरतलब है कि इन प्रवासी नागरिकों की श्रम शक्ति सस्ती है। आर्थिक विश्लेषक बताते हैं कि 15 अमेरिकी राज्यों की अर्थव्यवस्था अधिकतर इन्हीं श्रमिकों की दिन-रात की मेहनत पर निर्भर करती है। हालांकि इन राज्यों में अमीरी के साथ-साथ बंदूक संस्कृति भी पनप गई है। फिरौती मांगने का धंधा इन राज्यों में है ही। जहां 15 राज्य इन आप्रवासियों पर लगभग 40 फीसद तक निर्भर हैं। ये आप्रवासी बहुत ईमानदारी से और मेहनत करके जिंदगी जीते हैं। एक आंकड़े के मुताबिक अमेरिका में कुल अपराध दर के मुताबिक ये प्रवासी, स्थानीय नागरिकों की अपेक्षा अपराध में कम ही लिप्त पाए गए। अब ट्रंप ने इन्हीं प्रवासियों को रोकने के आदेश पर मंजूरी लेने की इच्छा जाहिर कर दी है।

सुरेश सेठ

भारत ही नहीं, बल्कि तीसरी दुनिया के देशों की श्रम शक्ति और युवा शक्ति समृद्ध देशों में किसी न किसी तरीके से प्रवेश कर रातों-रात अपनी आर्थिक स्थिति बदल लेना चाहती है। सवाल है कि पहली, दूसरी और तीसरी दुनिया का वर्गीकरण कैसे होता है? द्वितीय महायुद्ध के बाद से देखें, तो पहली दुनिया समृद्ध पश्चिमी या यूरोपीय देशों और अमेरिका की है।

दूसरी दुनिया रूस समर्थक देशों की और तीसरी दुनिया पश्चिमी देशों से आजाद हुए या अपनी गरीबी से जूझते देशों की है। आर्थिक विकास शास्त्र ने इसका वर्गीकरण विकासवादी व्यवस्था के रूप में किया है। यानी पहली दुनिया विकसित देशों की, दूसरी दुनिया विकासशील देशों की जिनमें भारत भी शामिल है और तीसरी दुनिया अविकसित देशों की है जिनमें गरीब देश शामिल हैं।

तीसरी दुनिया की युवा शक्ति पहली दुनिया या पश्चिमी देशों की ओर भागती है, क्योंकि जिस देश में वे रहते हैं, वहां उन्हें अपने सपने साकार होने की कोई संभावना नजर नहीं आती। धनी होने का सपना देखते हजारों नौजवान हर वर्ष इन देशों में जाकर काम करना चाहते हैं। अगर वैध तरीके से न जा सके, तो अवैध तरीके से या अपनी जान हथेली पर रख कर भी ये नौजवान समृद्ध देशों में प्रवेश करना चाहते हैं। जो रास्ते में मर-खप गए, उनका कोई अता-पता नहीं चलता। जो किसी तरह विदेश चले भी गए, तो वे वहां भी वे दोयम दर्जे की जिंदगी जीते हैं और किसी न किसी प्रकार अपने पांच साल पूरे कर ग्रीन कार्ड पाने की इच्छा रखते हैं।

जब से डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की सत्ता संभाली है, तब से न केवल अमेरिका, बल्कि उसके साथी अमीर देश कनाडा, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया आदि भी आप्रवासी नागरिकों को (खासतौर से उन उन्नीस देशों के नागरिकों, जिनके बारे में ट्रंप ने सूची जारी की है और यह कहा है कि उनके देश में गैर-कानूनी घटनाओं से लेकर हिंसक वारदात यही लोग करते हैं) अपनी सीमा से निष्कासित करने की कोशिश में लगे हैं। इन सभी देशों में भारतीयों की भी पर्याप्त संख्या है। उनको हथकड़ियों-बेड़ियों में वापस भेजा जा रहा है। इन लोगों का स्वागत करने के लिए अमेरिका तैयार नहीं, बल्कि ट्रंप देश से इनको बाहर करना चाहते हैं। ये यही भारतीय हैं जिनके कौशल और श्रम से अमेरिका का आधार बना है।

अभी वाइट हाउस में अफगानिस्तान के एक शरणार्थी द्वारा की गई गोलीबारी से एक नेशनल गार्ड की मौत हो गई। इस बात से खीझ कर ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में गरीब देशों के प्रवासियों का प्रवेश बंद है। वर्तमान आप्रवासियों में से अगर किसी से सुरक्षा को खतरा लगता है तो उसे भी तुरंत उसके देश भेज दिया जाएगा।

अमेरिका की देखादेखी कनाडा ने छात्र वीजा पर सख्ती कर दी है। अब वीजा रद्द करने की दर चूंकि 75 फीसद तक पहुंच गई है, इसलिए नया प्रवेश 40 फीसद तक गिर गया। आज यहां 70 फीसद वीजा आवेदन रद्द हो रहे हैं। वर्ष 2023 में यही दर 32 फीसद थी। ब्रिटेन गए छात्र अपने साथ पहले परिवार ला सकते थे, लेकिन 2025 से वीजा नवीनीकरण में सख्ती बरती जाने लगी। परिवार लाने पर रोक लग गई। इस तरह से कई भारतीय ब्रिटेन छोड़ने के लिए मजबूर हो गए।

आस्ट्रेलिया ने भी इस वर्ष से नई प्रवासन नीति लागू कर दी है जिसमें छात्र वीजा को कठिन बना दिया गया है। वर्ष 2024 में अगर यहां 96 हजार 490 प्रवासी भारतीय छात्र थे, तो इसी वर्ष पहले छह महीनों में यह संख्या कम होकर 87 हजार 600 हो गई। अब जब अपने हित साधने की यह नीति इन समृद्ध देशों ने लागू कर दी है, तो भारतीयों या अन्य 19 गरीब देशों के छात्रों के लिए समृद्ध देशों में प्रवेश बहुत कठिन हो गया है। अमेरिका ने तो और भी कई नियम बना दिए। ग्रीन कार्ड देने की अवधि बढ़ा दी और इसे आसानी से न लागू करने की नीति अपनाई। इस समय इसकी प्रतीक्षा सूची में लगभग दस लाख भारतीय हैं। मगर अमेरिका या अन्य समृद्ध देशों को यह नहीं भूलना चाहिए कि आज उनकी प्रगति और समृद्धि में इन्हीं प्रवासी नागरिकों का खून-पसीना लगा है।

एक राजनीतिक संदेश यूरोप, कनाडा और आस्ट्रेलिया सरकार को भी चला गया कि वे प्रवासियों को आने से रोकें। अगर यह श्रम शक्ति उत्पादन प्रक्रिया से बाहर हो जाती है, तो इन देशों की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ सकता है। अमेरिका आज 30 ट्रिलियन डालर की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति है, तो उसका 20 फीसद हिस्सा इन आप्रवासियों की मेहनत पर ही टिका है।

तीन प्रकार के प्रवासी अमेरिका या समृद्ध देशों में पाए जाते हैं। भारतीय, चीनी और लैटिन अमेरिकी। गौरतलब है कि इन प्रवासी नागरिकों की श्रम शक्ति सस्ती है। आर्थिक विश्लेषक बताते हैं कि 15 अमेरिकी राज्यों की अर्थव्यवस्था अधिकतर इन्हीं श्रमिकों की दिन-रात की मेहनत पर निर्भर करती है। हालांकि इन राज्यों में अमीरी के साथ-साथ बंदूक संस्कृति भी पनप गई है। फिरौती मांगने का धंधा इन राज्यों में है ही। जहां 15 राज्य इन आप्रवासियों पर लगभग 40 फीसद तक निर्भर हैं। ये आप्रवासी बहुत ईमानदारी से और मेहनत करके जिंदगी जीते हैं।

एक आंकड़े के मुताबिक अमेरिका में कुल अपराध दर के मुताबिक ये प्रवासी, स्थानीय नागरिकों की अपेक्षा अपराध में कम ही लिप्त पाए गए। अब ट्रंप ने इन्हीं प्रवासियों को रोकने के आदेश पर मंजूरी लेने की इच्छा जाहिर कर दी है।

हालांकि भारत की युवा शक्ति और अन्य उभरते देशों की नौजवान पीढ़ी विदेश को अपना एकमात्र मोक्ष द्वार नहीं मानती। तीसरी दुनिया के जिन देशों में जो 'जेन-जी' वाली पीढ़ी उभर कर आ गई है, वह अपने देश में ही यथोचित रोजगार और गरिमा से जीना चाहती है। वह इन समृद्ध देशों के रहम पर दोयम दर्जे की जिंदगी अपनाने के लिए इनका सहारा नहीं लेना चाहती।

दूसरी ओर यह भी एक सच है कि कुछ देशों में आतंकवादियों के अड्डे हैं और उनके लिए सरकारों का अप्रत्यक्ष सहयोग है, नहीं तो वहां छिपे आतंकी इतनी आसानी से भारत विरोधी गतिविधियां कैसे चलाते? इन देशों की अपनी समृद्धि भी हाड़तोड़ मेहनत करने वाले आप्रवासी नागरिकों की वजह से है, मगर आज कई बड़े देशों ने अपने यहां रह रहे प्रवासी नागरिकों का जीना मुश्किल कर दिया है। उन्हें हर दिन अपनी धरती से निष्कासित करने की धमकी देते हैं। जबकि उनके परिश्रम के बूते ही अमेरिका वर्षों से आर्थिक शक्ति के रूप में दुनिया के शीर्ष पर है।

अब भी अमेरिका यही कहता है कि वह तकनीकी पेशेवरों का अपने देश में स्वागत करेगा, लेकिन यह नहीं चाहता कि मेहनत-मजदूरी करने वाले लोग अमेरिका में आ जाएं और अपनी मेहनत और कम वेतन के बल पर अमेरिकी जनता की नौकरियों के लिए जारी होने वाला पैसा अपने भुगतान के रूप में हथिया लें। इस पूरे परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए भारत अब केवल आयात आधारित अर्थव्यवस्था न रहे, अपने पैरों पर और मजबूती से खड़ा हो जाए। स्वावलंबन की इस राह पर युवा पीढ़ी को नौकरियां दें।

'आप कोई निर्णय नहीं लेते' यह सच आपको असहज कर देगा

अगर किसी प्राणी ने घोर पाप किया, तो हमारी न्याय की तुला यह मानती है कि उसके पास धर्म का मार्ग चुनने का विकल्प था, लेकिन अगर उसके चित्त की गति, उसके पूर्व कर्मों की वासनाओं और उसके वर्तमान भौतिक तत्वों के मिश्रण से अपरिहार्य थी, तो हम उसे अपराधी कहकर कैसे दंडित करें? क्या वह केवल उस ब्रह्मांडीय नाटक का एक पात्र नहीं था, जिसने अपने विवश स्वभाव के कारण एक निश्चित भूमिका निभाई? यह चिंतन हमें दंड और पुरस्कार की सारी अवधारणाओं पर पुनः विचार करने पर बाध्य करता है। अगर नियतिवाद ही अंतिम सत्य है, तो हमारी क्षमता क्या है? क्या संसार के सारे प्रयास, तपस्या और साधनाएं निरर्थक हैं?

राजेंद्र मोहन शर्मा

हम मनुष्य, इस विशाल ब्रह्मांड रूपी रंगमंच पर स्वयं को कर्ता, 'निर्णायक' की उपाधि से विभूषित करते हैं। हमारी चेतना का दीपक जलता है और हम सोचते हैं कि यह प्रकाश हमारी अपनी इच्छाशक्ति का है, जिससे हम जीवन के मार्ग की हर पगडंडी को अपनी मर्जी से चुनते हैं, ठीक वैसे ही जैसे नर्तक अपनी हर मुद्रा का चयन करता है। पर क्या यह अहंकार नहीं? क्या यह 'मैं करता हूं' का भाव मात्र एक मोहक आवरण नहीं है, जिसके पीछे 'हो रहा है' का सनातन सत्य छिपा है? अगर हम आंखें मूंदकर विचार करें तो पाएंगे कि हमारा हर चुनाव, एक जटिल समीकरण का अपरिहार्य हल है, न कि कोई स्वतंत्र आविष्कार। जब हम कोई संकल्प लेते हैं, तो वह संकल्प कहां से फूटता है? क्या वह अनायास हमारी आत्मा से प्रस्फुटित होता है, या वह पूर्वजन्मों के संस्कारों का, बाल्यकाल की स्मृतियों का, और इस क्षण मस्तिष्क में चल रहे त्रिगुणात्मक स्पंदनों (सत्त्व, रजस, तमस) का अनिवार्य परिणाम है? यह हमारी जन्मकुंडली की तरह है। एक ऐसा सूत्रपात, जो उसी क्षण हो गया था, जब प्रकृति और पुरुष का संयोग हुआ। हमारे विचार उसी धारा के बुलबुले हैं, जिसे वंशानुक्रम, शिक्षा और परिवेश की शक्तियां अपनी दिशा देती हैं।

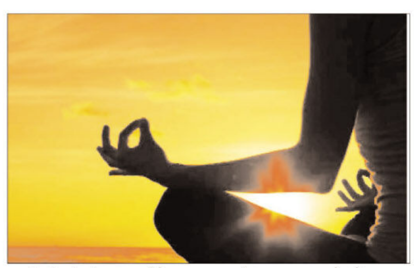

हम जिस 'स्वतंत्रता' का दावा करते हैं, वह उस नदी की धारा जैसी हो सकती है, जो पहाड़ की ढलानों, चट्टानों के विन्यास और वर्षा की मात्रा से पहले ही निश्चित हो चुकी है। वह नदी बहने के लिए स्वतंत्र है, पर क्या वह अपनी दिशा चुनने के लिए स्वतंत्र है? उसका वेग और उसका मार्ग पहले से ही काल के मानचित्र पर अंकित है। यह ज्ञान, हमारे 'स्व' के सिंहासन को हिला देता है और हमें आत्म-नियंत्रण के एक गहरे विरोधाभास में उलझा देता है। अगर हमारा 'निर्णय' केवल कर्मफल की एक अटूट शृंखला का हिस्सा है, जहां आज का विचार कल के अनुभव का फल है, और कल का अनुभव परसों के विचार को जन्म देगा, तो 'स्वाधीनता' कहां टिकती है? एक बात तो यह भी है कि स्वाधीनता की खोज हमने अपने भीतर कितनी की है, उसे पहचाना कितना है और उसे बरता कितना है। हम स्वयं को उस रथ के सारथी समझते हैं, जिसका नियंत्रण दरअसल रथ के अश्वों (इंद्रियों) और रास्ते (नियति) के हाथों में है। हमारी 'इच्छाशक्ति' उस मोहग्रस्त यात्री की तरह है, जो यह मान बैठा है कि वह पहियों को घुमा रहा है, जबकि रथ स्वतः ही अपने पूर्व-निर्धारित गंतव्य की ओर खिंचा जा रहा है। हमारी नैतिक जिम्मेदारी का भव्य भवन इसी भ्रम पर खड़ा है।

अगर किसी प्राणी ने घोर पाप किया, तो हमारी न्याय की तुला यह मानती है कि उसके पास धर्म का मार्ग चुनने का विकल्प था, लेकिन अगर उसके चित्त की गति, उसके पूर्व कर्मों की वासनाओं और उसके वर्तमान भौतिक तत्त्वों के मिश्रण से अपरिहार्य थी, तो हम उसे अपराधी कहकर कैसे दंडित करें? क्या वह केवल उस ब्रह्मांडीय नाटक का एक पात्र नहीं था, जिसने अपने विवश स्वभाव के कारण एक निश्चित भूमिका निभाई? यह चिंतन हमें दंड और पुरस्कार की सारी अवधारणाओं पर पुनः विचार करने पर बाध्य करता है। अगर नियतिवाद ही अंतिम सत्य है, तो हमारी क्षमता क्या है? क्या संसार के सारे प्रयास, तपस्या और साधनाएं निरर्थक हैं, क्योंकि परिणाम तो पहले से ही तय है? इस निराशा में भी, दर्शन का एक गुप्त मार्ग खुलता है। यह मार्ग हमें नियति के सम्मुख पूर्ण आत्मसमर्पण की ओर ले जाता है, जहां 'मैं' के बोझ से मुक्ति मिलती है और ईश्वर की लीला या कर्म के विधान की सर्वोपरिता स्वीकार होती है। मगर चेतना का एक कोना अब भी विद्रोह करता है। जब हम गहरे ध्यान में उतरते हैं, तो हमें लगता है कि हमारे भीतर एक अव्यक्त साक्षी है, जो प्रकृति के खेल को तटस्थ भाव से देख रहा है। यही वह शुद्ध बोध है, जो हमें माया के जंजाल से बाहर खींचने की क्षमता रखता है।

संभव है कि हमारी भौतिक क्रियाएं (कर्म) और विचार (मन) नियति के अधीन हों, पर उस क्षण जब हम जानते हैं कि हम नियति के अधीन हैं, वही बोध ही हमारी एकमात्र और सच्ची स्वतंत्रता है। यह बोध, कर्म की बेड़ियों को नहीं तोड़ता, बल्कि उन बेड़ियों के अस्तित्व को जानने की स्वतंत्रता देता है। इसलिए शायद कर्म (क्रिया) और विकल्प (चयन) का विरोधाभास नहीं है, बल्कि यह द्वैत है। हमारा शरीर और मन प्रकृति के नियमों से बंधा है, पर हमारी आत्मा (चेतना) उन बंधनों को जानने और स्वीकारने के लिए स्वतंत्र है।

यह 'ज्ञान' ही वह दुर्लभ प्रकाश है, जो हमें 'मैं करता हूं' के अहंकार से मुक्त करता है और 'सब होता है' के अनासक्त भाव की ओर ले जाता है। 'मैं' और 'सब' को पहचानने की शक्ति हमें अनासक्ति तक पहुंचाती है और उसके बाद फिर अनासक्ति ही हमें नियति के लिखे को जीते हुए भी उससे ऊपर उठने की शक्ति देती है। यह आखिर यही प्रश्न छोड़ जाता है कि क्या हम वह पात्र हैं, जो विवशता में अभिनय कर रहा है, या वह साक्षी, जो उस अभिनय को केवल देख रहा है और क्या यह देखना ही वास्तविक स्वाधीनता है, जिससे हमारे चित्त की विवशता समाप्त होती है और चेतना परम स्वाधीनता को प्राप्त करती है।

गैस उत्सर्जन पर कोयला भवन में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न

धनबाद/केन्दुआ (कासं) : कोयला भवन मुख्यालय में केंदुआडीह गैस उत्सर्जन की स्थिति पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। अध्यक्षता कोयला मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरीसहकोल इंडिया चेयरमैन, सनोज कुमार झा ने की। कार्यक्रम में सीएमडी बीसीसीएल, मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक (तकनीकी) कोल इंडिया, अच्युत घटक, उपायुक्त धनबाद, आदित्य रंजन, एसएसपी, प्रभात कुमार, ईडी (कोआर्डिनेशन) आलोक ललित कुमार, बीसीसीएल निदेशकगण, क्षेत्रीय महाप्रबंधक, मुख्यालय के महाप्रबंधकगण, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। सिम्फर, आईआईटीआईएसएम और पीएमआरसी सहित विभिन्न तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञ एवं सलाहकार भी इस समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

सनोज झा ने कहा कि केंदुआडीह क्षेत्र में जहरीली गैस उत्सर्जन की घटना के पश्चात बीसीसीएल ने राहत एवं बचाव के क्षेत्र में प्रशंसनीय कार्य किया है मेडिकल टास्क फ़ोर्स टीम के गठन सहित अस्थायी राहत शिविर की व्यवस्था, त्वरित चिकित्सीय सहायता हेतु मेडिकल हेल्थ कैम्प, चिकित्सीय संसाधनों में बढ़ोतरी इत्यादि कई प्रभावी कदम उठाये गए है, लेकिन, स्थिति की भयावहता को देखते हुए इस क्षेत्र को जल्द से जल्द खाली करना ही एकमात्र दीर्घकालीन एवं स्थायी उपाय है। इसके लिए बीसीसीएल, जेआरडीए सहित सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए पीड़ित परिवारों के करमाटांड एवं बेलगाड़िया में पुनर्वास के प्रयास करते रहना चाहिए।

सीएमडी मनोज अग्रवाल कहा कि केंदुआडीह क्षेत्र में कई स्थानों पर गैस उत्सर्जन की मात्रा अत्यधिक खतरनाक स्तर पर पाई गई है, जिससे यह क्षेत्र रहने योग्य नहीं माना जा सकता है। केंदुआडीह में हाल के दिनों में जो स्थिति बनी है, वह किसी आपदा से कम नहीं है। वर्तमान में जो उपाय किए जा रहे हैं, वे केवल अल्पकालिक समाधान हैं, जबकि दीर्घकालीन रूप से इस क्षेत्र को पूरी तरह खाली करना ही एकमात्र सुरक्षित विकल्प है, जिसपर सभी को समन्वय के साथ कार्य करना चाहिए।

बैठक में उपस्थित तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञों ने केंदुआडीह क्षेत्र में अपने चल रहे विश्लेषणात्मक अध्ययनों की प्रस्तुति दी। विशेषज्ञों ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कहा कि यह क्षेत्र वर्तमान में पूर्णतया असुरक्षित है और भविष्य में यहां की स्थिति और अधिक खतरनाक तथा विस्फोटक रूप ले सकती है। उन्होंने गैस उत्सर्जन, तापमान वृद्धि और सबसाइडेंस प्रवृत्तियों के वैज्ञानिक विवरण साझा किए प्रभावित परिवारों हेतु तुरंत एवं पूर्ण निकासी को आवश्यक कदम बताया।

इससे पूर्व धनबाद आगमन पर सुबह सनोज झा ने गैस प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। बीसीसीएल अधिकारियों की टीम के साथ उन्होंने राहत और बचाव कार्यों की प्रगति का विस्तृत जायज़ा लिया और आवश्यक निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित सिम्फर, आईआईटीआईएसएम, पीएमआरसी, डीजीएमएस और अन्य तकनीकी विशेषज्ञों से चर्चा कर गैस उत्सर्जन के प्रभावों और संभावित खतरों की वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त की।

इसके बाद उन्होंने गोपालीचक स्थित बीसीसीएल के राहत शिविर का भी भ्रमण किया और पीड़ित परिवारों के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं भोजन, आवास, चिकित्सीय सहायता इत्यादि का निरीक्षण किया, मेडिकल टीम एवं चिकित्सकों से बात की।

श्री झा ने कुस्तौर क्षेत्रीय अस्पताल का भी दौरा किया और महिला वार्ड में भर्ती एक मरीज से मिलकर उनके उपचार और उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गैस रिसाव राहत शिविर में बढ़ाई गई सुविधा

पुटकी (ससे) : केंदुआडीह गैस रिसाव को देखते हुए हिंदी भवन के पास बने राहत शिविर में व्यवस्थाएं बढ़ा दी गई हैं। अब

शिविर में ७०० लोगों के ठहरने, भोजन और स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध करवाया गया है। शिविर में डॉक्टरों की टीम लगातार जांच में जुटे हुए हैं। ३७ की जांच की गई।

कुस्तौर रीजनल अस्पताल में डॉक्टर डॉ. पूनम द्विवेदी , डॉ. वंदना कुमारी, डॉ. मोनी दीपिका, डॉ. मोहिन्दर मंडल, डॉ. शशि कुमार रवि तैनात हैं। वही हिंदी भवन हत शिविर में मौजूद डॉक्टर डॉ. सुजीत कुमार, डॉ. ठाकुर मुनि, डॉ. दुशरा, डॉ. विवेक कुमार, डॉ. बी. खजूर अपनी सेवा दे रहे हैं।

राहत शिविर कैम्प बीसीसीएल के अधीन आउटसोर्सिंग कंपनी इंल्दीप कंपनी के द्वारा संचालित किया जा रहा है। इसमें रहने खाने की व्यवस्था की गई है। बीसीसीएल के द्वारा दिन में स्वास्थ सेवा के लिए लगभग आधा दर्जन डॉक्टर एवं २४ घंटा एम्बुलेंस सेवा संचालित होती है। शिविर का सफल संचालन इंल्दीप आउटसोर्सिंग कंपनी के निर्देशक जितेन्द्र सिंह, आशुतोष पारिक, के नेतृत्व में किया जा रहा है। वही कंपनी के मैनेजर बी के सिंह शिविर का सभी व्यवस्था अपने देखरेख में संचालित करवा रहे हैं। निरीक्षण कर रहे अधिकारियों ने शिविर में उपलब्ध व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए आउटसोर्सिंग कंपनी प्रबंधन का प्रशंसा किये।

सर्वधर्म सामूहिक विवाह में 18 जनवरी को 101 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे

धनबाद (कासं) : हीरापुर स्थित वेडिंग बेल्स मैरिज हॉल में सर्वधर्म सामूहिक विवाह समिति की बैठक समिति के चेयरमैन मनजीत सिंह की अध्यक्षता में की गई। समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया की प्रत्येक वर्ष की भांति लगातार १२ वें वर्ष भी १८ जनवरी को गल्फ ग्राउण्ड धनबाद में १०१ जोडे का विवाह सभी धर्म से जुड़े लड़के व लड़कियों कि की जा रही है। यह विवाह बिल्कुल निःशुल्क की जाती है। आगे बताया की अभी तक लगभग ५० शादी के फार्म जोड़ों के द्वारा ली जा चुकी है। बैठक में शादी की तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक मे निर्णय लिया गया की प्रत्येक जोडे को आवश्यकतानुसार घर बसाने के लिए सामाग्री समिति की ओर से दी जाएगी। बारात एवं सारात के लिए लगभग १० हजार लोगों की खाने की व्यवस्था की जा रही है। समिति के उपाध्यक्ष द्वारिका प्रसाद तिवारी ने बताया की यह कार्यक्रम १८ जनवरी को सुबह १० बजे से शुरू होगा और शाम ५ बजे विदाई समारोह की जायेगी। समिति के दिलीप सिंह ने बताया १२वां सर्व धर्म सामूहिक विवाह बहुत भव्य और ऐतिहासिक होगा इसके साक्षी लाखों लोग बनेंगे। महिला विंग की जया सिंह ने बताया शादी के पूर्व हर रस्म को पूरी कर सभी दुल्हन को तैयार कर मंच तक व्यवस्थित ढंग से मंच तक पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। रजिस्ट्रेशन फार्म बेकारबांध स्थित पंडित डेकोरेटर, चिरागोड़ा स्थित होटल उड लैण्ड के समीप और मनईटांड स्थित ब्यूटी डेकोरेटर में निःशुल्क दी जा रही है। बैठक में भरतजी भगत, दिलीप कुमार सिंह, तारक नाथ दास,नीरज कुमार शाहा संजय कुमार तिवारी,रंजन श्रीवास्तव, समीरन सरकार, गुड्डू साव, नवीन कुमार, संगीता जायसवाल, सरिता सिंह, प्रिया सिंह अर्चना, पुष्पा आदि मौजूद हुए।

विस में विधायक राज ने भटिंडा फॉल के सौंदर्यीकरण व सशक्तिकरण का मुद्दा उठाया

धनबाद/रांची (कासं) : झारखंड विधानसभा के सत्र में पार्टी के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने अपने क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जोरदार ढंग से अपनी बात रखते हुए सरकार का ध्यान आकृष्ट किया।

विधायक श्री सिन्हा ने सभी महत्वपूर्ण संशोधनों में स्थानीय विधायकों को शामिल किए जाने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र की वास्तविक स्थिति और आवश्यकताओं की जानकारी स्थानीय विधायक को सबसे अधिक होती है, इसलिए विकास संबंधित संशोधनों में विधायकों की सहभागिता को सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

सदन में अपनी बात रखते हुए श्री सिन्हा ने धनबाद के प्रख्यात प्राकृतिक पर्यटन स्थल भटिंडा फॉल के अविलंब सौंदर्यीकरण की मांग की। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके व्यवस्थित विकास से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा राज्य सरकार को भी राजस्व में बढ़ोतरी होगी।

उन्होंने विशेष रूप से भटिंडा फॉल एवं आसपास के गांवों के पारंपरिक गोताखोरों के लिए विशेष प्रशिक्षण, आधुनिक संसाधनों की आपूर्ति, और सुरक्षा उपकरणों से लैस किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

विधायक ने सदन को बताया कि धनबाद जिले में कहीं भीचाहे मैथन डैम में डूबने की घटनाएं हों या अन्य स्थलहर जगह भटिंडा क्षेत्र के गोताखोरों की ही सेवा ली जाती है, इससे उनकी दक्षता और महत्व स्वयं स्पष्ट होता है।

श्री सिन्हा ने यह भी कहा कि धनबाद जिला प्राकृतिक सौंदर्य एवं ओपन माइंस जैसे दुर्लभ संसाधनों से भरपूर है। यदि यहां एडवेंचर स्पोर्ट्स को बढ़ावा दिया जाए और इन पारंपरिक गोताखोरों की सेवाओं का उपयोग किया जाए, तो यह क्षेत्र पर्यटन का बड़ा केंद्र बन सकता है और राज्य को अतिरिक्त राजस्व भी प्राप्त होगा।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भटिंडा फॉल के विकास और गोताखोरों के सशक्तिकरण का मुद्दा वह पहले भी सदन में उठा चुके हैं और सरकार से जोरदार मांग किया कि इस दिशा में त्वरित एवं ठोस कदम उठाए जाएं।

कार व हाइवा के बीच टक्कर, कोई हताहत नहीं

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद थाना क्षेत्र अन्तर्गत हटिया मोड़ गोलाई के समीप शाम को बलेनो कार और हाइवा में आमने सामने से टक्कर हुआ। गनिमत रही की कोई हताहत नहीं हुआ। सूत्रों के अनुसार शाम हटिया मोड़ गोलाई पर करकेन्द की ओर से तेज गति से आ रही हाइवा संख्या जेएच ०२ एवी ७७६० ने सिजुआ की ओर से आ रही बलेनो कार जेएच ०९ बीबी ५६६३ को सामने से टक्कर मार दिया। कार सवार दाम्पति जिसमें एक छोटा बच्चा भी था, बोकारो जा रहे थे, बालबाल बच गये। हाइवा चालक काली पद गोराई मौके से हाइवा को लेकर भागने लगा, जिसे गश्ती दल पीछा कर पकड़ा। हाइवा और बोलने को जप्त कर थाना लाया गया। हाइवा चालक को गिरफ्तार किया गया है।

जलपूर्ति योजना का मामला सदन में उठाया विधायक रागिनी ने

धनबाद/रांची (कासं) : झरिया विधायक रागिनी सिंह ने शीतकालीन सत्र के दौरान झरिया विधानसभा में हर घर जल योजना को धरातल पर कार्य न किए जाने को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में करोड़ों रुपये की लागत से शुरू की गई हर घर जल योजना आज तक अधूरी है।

क्षेत्र की जनता आज भी पानी जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित है। आखिर कार्य अब तक

पूरा क्यों नहीं हो पाया और इस योजना का फंड कहां गया? विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए उन्होंने डीएमएफटी फंड से राशि उपलब्ध कराकर इस योजना को धरातल पर लाने का हर संभव प्रयास किया, ताकि लोगों को शीघ्र पानी की सुविधा मिल सके। फिर भी कार्य में हो रही लगातार देरी चिंताजनक है और कई गंभीर प्रश्न खड़ा करती है। उन्होंने कहा कि जनता के अधिकार और पारदर्शिता की मांग को लेकर लगातार आवाज़ उठाती रही है और आगे भी उठाती रहेंगी और झरिया की जनता को उनका हक दिलाना ही उनकी पहली प्राथमिकता है।

अवकाश प्राप्त प्रधानाध्यापक को दी गयी विदाई

गोविंदपुर (ससे) : प्रखंड संसाधन केंद्र में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी विनोद कुमार पांडेय की अध्यक्षता में अवकाश प्राप्त प्रधानाध्यापक ललित कुमार मिश्रा की विदाई दी गई। करीब ३७ वर्षों की सेवा के बाद उन्होंने ३० नवंबर को अवकाश ग्रहण किया था। बीईईओ सहदेव महतो ने कहा कि श्री मिश्रा ने शैक्षिक और गैर शैक्षणिक सभी विधाओं में अनेक शिक्षकों को पारंगत किया। समर्पित भाव से शिक्षा सेवा में लग रहे। उनकी कमी खलेगी। मौके पर बीपीओ दीपक कुमार दा एवं प्रमोद कुमार, प्रभाष कुमार रजक, सुरेश महतो, रूपा चक्रवर्ती, सरफराज, किशोर कुणाल समेत सभी बीआरपी, सीआरपी मौजूद थे।

मंडल कारा में मानवाधिकार दिवस पर जागरूकता शिविर आयोजित

धनबाद (कासं) : विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर मंडल कारा धनबाद में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के निर्देश पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो एलएडीसीएस के चीफ कुमार विमलेन्दु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कन्हैयालाल ठाकुर, डालसा सहायक सौरभ सरकार, जेलर दिनेश वर्मा, अधिकार मित्र राजेश सिंह उपस्थित रहे। शिविर का उद्देश्य बंदियों को उनके मौलिक अधिकारों, विधिक सहायता, निःशुल्क कानूनी सेवाओं तथा सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों की जानकारी देना था।

न्यायाधीश ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को, चाहे वह कारा में ही क्यों न हो, संविधान द्वारा प्रदत्त मानवाधिकार और सम्मान का अधिकार प्राप्त है। उन्होंने बंदियों को संविधान के अनुच्छेद २१, त्वरित न्याय, निःशुल्क विधिक सहायता तथा हिरासत में गरिमापूर्ण व्यवहार से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। साथ ही जेल में चल रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं-जैसे कानूनी सहायता क्लिनिक, लोक अदालत, पैरवी सहायता एवं परामर्श सेवाओंकी उपयोगिता समझाई।

एलएडीसीएस धनबाद की टीम ने बंदियों की समस्याएं सुनीं और समाधान हेतु आवश्यक पहल का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी बंदियों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और विधिक सहायता सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

तिब्बती समुदाय ने सफाईकर्मियों के बीच बांटे 800 कंबल

धनबाद (कासं) : तिब्बती समुदाय ने पार्क मार्केट हीरापुर स्थित तिब्बती वूलन मार्केट में विश्व शांति दिवस और विश्व मानवाधिकार दिवस का संयुक्त आयोजन किया। यह कार्यक्रम १४वें दलाई लामा को ३६ वर्ष पूर्व मिले नोबेल शांति पुरस्कार की तिथि को स्मरण करते हुए आयोजित किया गया। इस दौरान दलाई लामा के ९० वर्ष पूरे होने पर उनकी दीर्घायु, विश्व शांति और वैश्विक सद्भाव के लिए विशेष प्रार्थना की गई।

मार्केट के सदस्य शेवांग ने बताया कि यह दिन तिब्बती समुदाय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस वर्ष को करुणा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। जिसका उद्देश्य मानवता, भाईचारे और शांतिपूर्ण सहअस्तित्व को आगे बढ़ाना है।

कार्यक्रम के दौरान धनबाद नगर निगम के सफाई कर्मियों के बीच ८०० कंबल का वितरण किया गया। इस अवसर पर नगर आयुक्त रविराज शर्मा समेत नगर निगम के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। तिब्बती समुदाय के सदस्यों ने बताया कि जरूरतमंदों की सहायता करना इस दिवस का मूल संदेश है, जो करुणा और मानवाधिकारों की रक्षा की भावना को मजबूत करता है।

डीसी व एसएसपी ने पुलिस केंद्र में आधुनिक परिवहन शेड का किया उद्घाटन

धनबाद (कासं) : सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और पुलिस बल को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में धनबाद जिला ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पुलिस केंद्र धनबाद में नव निर्मित परिवहन शेड का भव्य उद्घाटन उपायुक्त आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर कई पुलिस पदाधिकारी, जवान और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

नए परिवहन शेड के निर्माण के बाद पुलिस केंद्र में मौजूद लगभग ५० से अधिक छोटी-बड़ी गाड़ियों को अब सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से पार्क किया जा सकेगा। शेड के नीचे पुलिस लाइन की बस, वाटर कैनन, बज्र वाहन, रक्षक वाहन, जीप और अन्य छोटे वाहनों का सुरक्षित पड़ाव बनेगा, जिससे किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में वाहनों का त्वरित उपयोग संभव हो सकेगा।

उद्घाटन समारोह में उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि पुलिस बल दिनरात कड़ी परिस्थितियों में काम करता है। ऐसे में उनकी बुनियादी जरूरतों और सुविधाओं को पूरा करना जिला प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल को हर आवश्यक संसाधन प्रदान करने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

डीसी ने बताया कि जिले के पुराने और जर्जर थाना व ओपी भवनों का सर्वे कर लिया गया है। उनकी मरम्मत और पुनर्निर्माण का कार्य सीएसआर फंड से शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। बरवाअड्डा थाना को मुख्य सड़क से जोड़ने वाली सड़क के निर्माण को भी मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही इस सड़क का निर्माण पूरा होने के बाद स्थानीय नागरिकों एवं पुलिस बल का आवागमन अधिक सुविधाजनक हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि डिजिटल पुलिसिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी थाना और ओपी को अतिरिक्त कंप्यूटर, प्रिंटर और अन्य आवश्यक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही, पुलिस कर्मियों को तकनीकी रूप से और अधिक सक्षम बनाने के लिए आईआईटी- आईएसएम के सहयोग से एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किया जाएगा। यह प्रशिक्षण पुलिस बल को आधुनिक तकनीकों और नई विधियों से लैस करेगा।

कार्यक्रम के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि परिवहन शेड केवल वाहन पार्किंग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह कई महत्वपूर्ण अवसरों पर अत्यंत उपयोगी साबित होगा। चुनावों के दौरान सुरक्षा बलों के अस्थायी आवासन, विधिव्यवस्था नियंत्रण के लिए विशेष तैनाती, बल संचयन और विभिन्न प्रशासनिक कार्यक्रमों में भी इस शेड का उपयोग किया जा सकेगा।

एसएसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि शेड के पीछे आधुनिक शौचालय और स्नानघर का निर्माण तेजी से किया जा रहा है, जिससे पुलिस बल को और बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। पुलिस केंद्र में २२५ बेड क्षमता वाले बड़े बैरक का निर्माण कार्य भी जारी है, जिसमें जवानों के आराम और रहने की बेहतरीन व्यवस्था होगी। इसके अलावा परिसर में बहुउद्देश्य हॉल, नाला निर्माण, जल निकासी व्यवस्था और अन्य सिविल कार्य भी तीव्र गति से किए जा रहे हैं।

एसएसपी ने बताया कि हाल ही में धनबाद पुलिस को १५० नई पेट्रोलिंग बाइक उपलब्ध कराई गई हैं। ये बाइक थाना क्षेत्रों में गश्ती को गति देने और अपराध नियंत्रण में सहायक साबित हो रही है। आने वाले समय में कुछ और आधुनिक वाहन धनबाद को मिलने वाले हैं, जिनका वितरण विभिन्न थाना, ओपी और पुलिस कार्यालयों में किया जाएगा।

कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को संबोधित करते हुए एसएसपी ने कहा कि पुलिस बल की आवश्यकताओं और सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जवान पुलिस विभाग की रीढ़ हैं और उनके कल्याण को सर्वोपरि रखा जा रहा है। उन्होंने जवानों को निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारीपूर्वक कानूनव्यवस्था के संधारण, अपराध नियंत्रण और जनसेवा से जुड़े कार्यों में निरंतर योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान डीसी आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, एसडीएम राजेश कुमार, डीएसपी धीरेन्द्र नारायण बंका, सुमित कुमार, नैशाद आलम, शंकर कामती, अरविन्द सिंह, संजीव कुमार, परिचारी प्रवर अवधेश कुमार, विनोद कुजूर समेत पुलिस विभाग के अन्य पदाधिकारी, जवान व पुलिस मेन्स एसोसिएशन के पदाधिकारीगण मौजूद थे।

कर्मी संवेदनशील होकर दायित्वों का निर्वहन करें : उपायुक्त

बोकारो (ससे): समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति कार्य की समीक्षा किया। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, सहायक निदेशक श्री पियूष आदि उपस्थित थे।

समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने कहा कि सभी सीडीपीओ - एलएस एवं अन्य कर्मी संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा योजनाओं की प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा सुनिश्चित करें, ताकि प्रदर्शन में सुधार आएं। उन्होंने इस दिशा में तुरंत पहल करने को कहा। विभाग के कार्यों में संतोषजनक प्रदर्शन नहीं होने पर नाराजगी जताई।

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना राज्य सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, जिसका लक्ष्य किशोरियों को शिक्षा एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। समीक्षा क्रम में पाया कि जिले के सभी परियोजना में लगभग १७,८३५ आवेदन सत्यापन के लिए लंबित है। इस पर निर्देश दिया कि सभी लंबित आवेदनों को आगामी २० दिसंबर तक हर हाल में निष्पादन किया जाए। इस कार्य में बीईईओ - बीआरपी - सीआरपी आदि को लगाने को कहा। वहीं, सभी स्वीकृत लाभुकों को समयबद्ध रूप से राशि का भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने बैठक में उपस्यथित उप विकास आयुक्त को प्रत्येक १५ दिनों में समीक्षा का निर्देश दिया। वहीं, सीडीपीओ को भी प्रखंड स्तर पर आवेदनों का नियमित समीक्षा करने को कहा, ताकि किसी भी पात्र किशोरी का आवेदन लंबित नहीं रहे।

उपायुक्त ने कहा कि जिले के लगभग १३२९ आंगनबाड़ी केंद्र अभी भी बिजली आपूर्ति से वंचित हैं, जिसके कारण बच्चों को दी जाने वाली पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा सेवाओं में बाधा आती है।

उन्होंने निर्देश दिया कि केंद्रों को उपलब्ध रख रखाव मद की राशि का उपयोग कर सभी ऐसे केंद्र बिजली कनेक्शन लेना सुनिश्चित करें। वहीं, वैसे केंद्र जिन्होंने अब तक बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन नहीं किया है, उन्हें आवेदन करने का निर्देश दिया।

बैठक में उपस्थित चास एवं बेरमो के कार्यपालक अभियंता को निर्देशित किया कि वे परियोजनावार बिजली कनेक्शन के लिए शिविर आयोजित करें।

जिले के जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों का शिक्षा विभाग से समन्वय कर सर्वे कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। कहा कि जिन केंद्रों की स्थिति उपयोग योग्य नहीं रह गई है, उन्हें निकट स्थित सरकारी स्कूलों के साथ को-लोकेट कर दिया जाए, ताकि बच्चों को सुरक्षित और बेहतर वातावरण में पोषण, प्री-स्कूल शिक्षा निरंतर मिलती रहें। सभी संबंधित को यह कार्य १५ दिसंबर तक हर हाल में पूरा करने को कहा। जानकारी हो कि जिले में कुल ९४४ जर्जर आंगनबाड़ी केंद्र चिन्हित हैं, जिसमें ४१३ सर्वे कर स्कूल को-लोकेशन हो गया है, शेष ५३१ किया जाना है।

उपायुक्त ने कहा कि आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं पर्यवेक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे केंद्रों का नियमित व ससमय संचालन सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी भी तरह की कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे कर्मियों को चिन्हित कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

पोषण ट्रैकर एप पर लाभुकों के डाटा की नियमित अपडेटिंग जरूरी है। डाटा एंट्री में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मियों से स्पष्टीकरण प्राप्त किया जाएगा। गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं बच्चों से संबंधित सूचनाओं में शत-प्रतिशत सही सुनिश्चित की जाए। डाटा स्थिति के आकलन के लिए महत्वपूर्ण आधार है।

समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि डीएसडब्ल्यूओ, सीडीपीओ एवं एलएस नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण करें। अपना - अपना टूर प्रोग्राम बनाएं और जिला को प्रतिवेदित करें। आंगनबाड़ी केंद्रों की गतिविधियों का निरीक्षण करते हुए जिला को रिपोर्ट करें। किसी भी प्रकार की कमी या अनियमितता मिलने पर सुधारात्मक कदम तुरंत उठाए जाएं।

उपायुक्त ने कहा कि आइसीडीएस का उद्देश्य सिर्फ योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं बल्कि मातृ एवं शिशु पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा की बेहतरी है, इसलिए फील्ड स्तर पर मजबूत उपस्थिति आवश्यक है। हमें इसके मूल उद्देश्य को पूरा करना है।

आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं की दक्षता में वृद्धि हेतु उपायुक्त ने कहा कि सभी सेविकाओं एवं सहायिकाओं को नियमित प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। एप संचालन - लाग इन - लाग आउट के संबंध में जरूरी बातें बताएं। उन्होंने समन्वयक पोषण ट्रैकर/सैम को भी इस बाबत जरूरी दिशा - निर्देश दिया।

वहीं, बच्चों के आधार निर्माण, आपार आइडी निर्माण और आधार सीडिंग को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए डीपीएम यूआइडी को कैलेंडर जारी करने का निर्देश दिया।

समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण वाटिका तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही, निरीक्षण क्रम में एलएस, सीडीपीओ आदि को सेल्फी लेकर विभाग के अधिकारिका वाट्सएप समूह में साझा करने का निर्देश दिया। इसके अलावा उपायुक्त ने सैम-मैम, समर एप, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, एफआरएस - ईकेवाईसी, पीएमएमवीवाई आदि की प्रगति का समीक्षा कर जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

4 से हैप्पी स्ट्रीट का शुभारम्भ

बोकारो (ससे): विगत वर्ष की भांति,इस वर्ष भी बोकारो स्टील प्लांट के तत्वावधान में हैप्पी स्ट्रीट का आयोजन किया जा रहा है। इसका उदघाटन १४ दिसंबर को सुबह ७:३० बजे किया जाएगा, जिसमें बीएसएल के वरीय अधिकारियों सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे. कार्यक्रम के आयोजन हेतु बीएसएल द्वारा आवश्यक तैयारियाँ आरंभ की जा चुकी हैं.

एक्टिव बोकारो, हेल्दी बोकारो के थीम को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बोकारो के विभिन्न विद्यालय, शिक्षण संस्थान, बोकारो महिला समिति, संगीत कला अकादमी, सीआईएसएफ, रोटरी क्लब, लायंस क्लब, रोटरी क्लब ऑफ मिड टाउन कपल्स, पोस्टल फिलाटेली ग्रुप, एक्ससर्विसमैन एसोसिएशन तथा अन्य सामाजिक संस्थाएँ भाग लेंगी. इसके अतिरिक्त, समस्त नगरवासी भी इस आयोजन में शामिल हो सकेंगे। हैप्पी स्ट्रीट का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है.

इस अवसर पर सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों से जुड़े विशेषज्ञ अपने प्रदर्शन के माध्यम से लोगों को स्वस्थ, सक्रियऔर खुशहाल जीवन जीने के लिए प्रेरित करेंगे. कार्यक्रम के संचालन हेतु हैप्पी स्ट्रीट बोकारो मॉल मोड़ से गांधी चौक तक की दोनों लेन को सुबह ७:०० बजे से १०:०० बजे तक आने वाले कुछ रविवार को यातायात हेतु अस्थायी रूप से बंद किया जाएगा. हैप्पी स्ट्रीट के अंतर्गत बोकारोवासी एक्टिव बोकारो, हेल्दी बोकारो के संदेश को आत्मसात करते हुए विभिन्न मनोरंजक एवं स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों का आनंद उठा सकेंगे.

उपायुक्त ने विभिन्न पेंशन योजनाओं की समीक्षा की

बोकारो (ससे): समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा ने सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं की प्रगति एवं भुगतान स्थिति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन सहित अन्य लाभुकों को दी जाने वाली मासिक पेंशन राशि के अद्यतन भुगतान की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

उपायुक्त ने विशेष रूप से झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि नवंबर माह की सम्मान राशि का भुगतान अविलंब सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी पात्र लाभुक को भुगतान में विलंब नहीं हो। उन्होंने कहा कि पेंशन योजनाएं सामाजिक सुरक्षा की महत्वपूर्ण कड़ी हैं, अतः लाभुकों को समय पर राशि मिलना अनिवार्य है। सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा श्री पियूष ने बाताया कि एक दिन पूर्व ही आवंटन प्राप्त हुआ है। भुगतान को लेकर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बैठक के दौरान जिला बाल संरक्षण इकाई के कार्यों की भी समीक्षा की गई।

बीएसएल में नई श्रम संहिताओं पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट के यातायात विभाग में नई श्रम संहिताओं के संबंध में जागरूकता हेतु एक विशेष कार्यक्रम काआयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्रम प्रवर्तन अधिकारी श्री भरत प्रसाद ने श्रमिकोंके साथ संवाद स्थापित किया तथा नई श्रम संहिताओं से जुड़े प्रमुख प्रावधानों, कल्याणकारी लाभों और सामाजिक सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी साझा की. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक(यातायात) श्री मनोज कुमार झ्यांकी, महाप्रबंधक (यातायात) श्री राजेश कुमार, वरीय प्रबंधक (यातायात) ओम प्रकाश, वरीय प्रबंधक (यातायात) शैलेन्द्र कुमार, कनीय प्रबंधक (यातायात) कपूर रंजन सहित विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में संविदा कर्मी उपस्थित थे.

श्रम प्रवर्तन अधिकारी श्री प्रसाद ने बताया कि नई श्रम संहिताएँ सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन की गारंटी सुनिश्चित करती हैं तथा समय पर और पारदर्शी वेतन भुगतान की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाती हैं. इसके अतिरिक्त, वेतन सुरक्षा, निर्धारित कार्य घंटे, वार्षिक अवकाश, एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित प्रावधानों को भी इन संहिताओं में मजबूत किया गया है. सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, कार्यस्थल पर आधुनिक सुरक्षा मानकों के अनुरूप सुरक्षा समितियों के गठन और ईएसआईसी कवरेज के विस्तार का प्रावधान भी सुनिश्चित किया गया है. कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम श्रम सुधारों के उद्देश्यों को श्रमिकों तक प्रभावी रूप से पहुँचाने में सहायक हैं तथा श्रमिक कल्याण और उनके संरक्षण की दिशा में एक सार्थक कदम हैं.

एमडीएम का चावल बिना वजन देने पर विरोध

डुमरी (ससे): एमडीएम चावल कम मिलने और बिना वजन किये चावल वितरण करने को लेकर बुधवार को आये विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों ने पुराना प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित एमडीएम चावल स्टॉक स्थल में विरोध किया।साथ ही इसकी शिकायत शिक्षकों ने क्षेत्र के जिप सदस्या सदस्या कुमारी से की।

शिकायत पाकर जिप सदस्या ने स्टॉक स्थल आकर शिक्षकों की बातों को जाना।तत्पश्चात उन्होंने प्रभारी एमओ एवं एजीएम को स्थल पर बुलाया और शिक्षकों की समस्याओं से अवगत कराया।शिक्षकों ने बताया कि उन्हें बिना वजन ही अनाज दे दिया जाता है नतीजतन बोरे में चावल कम रहता है।इसलिए हम सभी को वजन करके ही अनाज दिया जाये।शिक्षकों ने बताया कि अनाज को विद्यालय ले जाने में लगभग हजार रुपये खर्च होता है जबकि विभाग करीब पांच सौ रूपये ही देता है।शेष राशि शिक्षकों को अपने वेतन से लगाना पड़ता है।

प्रभारी एमओ विकास कुमार ने एजीएम सतीश मुर्मू को निर्देश दिया कि विद्यालयों में एमडीएम चावल को वजन करके दिया जाये।उसके बाद शिक्षक शांत हुए। चक्रबराई यूएमएस के प्रभारी बिनोद राम ने बताया कि एक हजार रूपया अनाज ले जाने में गाड़ी भाड़ा लग जाता है और विभाग चार सौ नवासी रूपया देती है जिससे वाहन बाकी पेमेंट अपने वेतन से देना पड़ता है।मध्य विद्यालय नगरी के शिक्षक ने अपनी दर्द बयां करते हुए कहा की घर से पैसा लगाकर समाग्री दस किलोमीटर दूर ले जाना पड़ता है।

मांझी बाबा के बिना संथाल गांव की परिकल्पना हो ही नहीं सकती है : उपायुक्त

बोकारो (ससे): राज्य सरकार के संकल्प संख्या ४६५४ २२.११.२०१८ के आलोक में बोकारो जिले के मानकी, मुंडा, ग्राम प्रधान, डाकुवा आदि के लिए जिला द्वारा पूर्व में अंचल अधिकारियों से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर पांरपरिक स्वशासन व्यवस्था से संबंधित प्रतिवेदन के अनुसार सम्मान राशि विषयक प्रतिवेदन शून्य प्रतिवेदित किया जाता रहा है।

उपायुक्त के द्वारा आज विशेष रूप से की गई समीक्षा बैठक में यह बताया गया कि जिले में संथाल आदिवासियों के लगभग १२५ गांव में संथाल जन जाति के लोग निवास करते हैं। इन प्रत्येक गांव में पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत है और प्रत्येक पंचायत में एक मुखिया है। साथ ही, उपायुक्त ने कहा कि संथाल पारंपरिक गांव में एक मांझी बाबा होते हैं, जो गांव के सामाजिक - सांस्कृतिक जीवन - धार्मिक कृतियों का निष्पादन और सामुदायिक अनुशासन को बढ़ावा देते हैं अथवा संरक्षण करते हैं।

मांझी बाबा के नेतृत्व में प्रत्येक गांव में एक जोग मांझी भी होते हैं, जो घर - घर जाकर किसी भी प्रकार की सामाजिक - सांस्कृतिक जीवन - धार्मिक कृतियों का निष्पादन और सामुदायिक अनुशासन की सूचना देते हैं। प्रत्येक गांव में एक नायके भी हुआ करते हैं, जो पूजा - पाठ - धार्मिक कृतियों का निष्पादन करते हैं। गांव में एक भगलोन होते हैं, जो प्रवक्ता के रूप में सामाजिक - सांस्कृतिक जीवन - धार्मिक कृतियों का निष्पादन और सामुदायिक अनुशासन से संबंधित निर्णयों से सभी को अवगत कराते है। उपायुक्त अजय नाथ झा ने बताया कि मांझी बाबा के बिना किसी भी संथाल गांव की परिकल्पना हो ही नहीं सकती है।

उपायुक्त के द्वारा यह भी बताया गया कि जिले के ललपनिया के विभिन्न संथाल गांव में फेनीराम सोरेन, मंझला मुर्मू, सुंदर लाल मरांडी, मटुक कुमार हांसदा, बाबुचंद मांझी आदि लोग मांझी बाबा के रूप में कार्य कर रहे हैं। बैठक में उपायुक्त ने कल्याण विभाग के वरीय प्रभारी पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी आदि को निर्देश दिया कि जिले के संथाल गांव का सर्वे कराकर संबंधित गांव के मांझी बाबा, जोग मांझी, भगलोन, गुड़ैत आदि को चिन्हित कर प्रतिवेदन जिला को समर्पित करें। साथ ही, अपर समाहर्ता को यह भी निर्देश दिया कि सर्वे प्रतिवेदन प्राप्त करने के उपरांत जो पूर्व में शून्य प्रतिवेदन भेजा गया था, उसे संशोधित कर यथाशीघ्र राज्य सरकार को भेजना सुनिश्चित करें।

किसान जागृत होकर योजनाओं का लाभ लें : उपायुक्त

गिरिडीह (ससे): अनुमंडल कृषि प्रक्षेत्र, पचंबा, गिरिडीह में जिला स्तरीय रबी कार्यशाला २०२५ का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रुप में उपायुक्त -सह-जिला दण्डाधिकारी, गिरिडीह के साथ साथ कृषि संबद्ध विभाग के पदाधिकारी एवं प्रगतिशील कृषकों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान उपायुक्त द्वारा उपस्थित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों एवं प्रखण्ड स्तरीय प्रसार कर्मियों एवं प्रगतिशील किसानों को मार्गदर्शन दिया गया।

बताया गया कि कार्यशाला में जो अलग अलग विभाग के पदाधिकारियों द्वारा योजनाओं का विस्तृत जानकारी दी जा रही है उसका किसान जागृत होकर लाभ लें। पुराने समय में सिंचाई व्यवस्था के बारे में उसके बाद बोरिंग, बुंद बूँद सिंचाई कर किसान तकनीकी अपनाकर कैसे आगे बढ़े, की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त उपायुक्त द्वारा मत्स्य विभाग द्वारा संचालित वेद व्यास योजना के बारे में, सहकारिता विभाग द्वारा बिरसा फसल बीमा योजना के वारे में भी बताया गया।

किसान केसीसी का लाभ लें एवं निर्धारित समय पर जमा करें जिससे उनको और अधिक राशि मिल सकेगी, अन्यथा व्याज अधिक भरना पड़ता है। इस वर्ष मौसम अच्छे नहीं रहने के कारण कुछ जगहों पर फसल की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। जिसका फसल कटनी प्रतिवेदन अच्छे से कराने का निदेश दिए।

उपस्थित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए रबी कार्यशाला की रुप रेखा पर प्रकाश डालते हुए जिला कृषि पदाधिकारी, आशुतोष कुमार द्वारा कृषि विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी गई।

बताया गया कि वर्ष २०२५ में रबी मौसम में गेहूँ १४००० हे०, सरसो / राई २७००० हे०, मक्का ५०० हैं, चना १५००० हे०, मसूर २२०० हे० आच्छादन का लक्ष्य है। विभाग द्वारा बिरसा बीज उत्पादन, विनिमय वितरण की योजना अन्तर्गत ५० प्रतिशत अनुदान पर जिला के विभिन्न लैम्प्स/पैक्स द्वारा गेहूँ ५९३५.२० क्वी.. चना १०२ क्वी, एवं सरसों ९४ क्वी. वितरण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त शतप्रतिशत अनुदान पर बिरसा फसल विस्तार योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत चना, मसूर, नेशनल मिशन ऑन इडियल ऑयल-ऑयल सीड के तहत् सरसों बीज का वितरण ऑन लाईन ओटीपी के माध्यम से ब्लॉक चेन टेक्नोलोजी एवं कृषि मेपर ऐप के माध्यम से किया जा रहा है। इस वर्ष गिरिडीह जिला में भी रबी २०२५ से सभी प्रखण्डों में डिजिटल कॉप सर्वे का कार्य भी किया जाना है। जिसके लिए जिला स्तर एवं प्रखण्ड स्तर का दल के साथ साथ सुपरवाईजर एवं सर्वेयर का गठन किया गया है। इसके लिए दो सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं दो प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी को प्रशिक्षित किया गया है। किसान समृद्धि योजना के तहत् जिला में ४१० इकाई लक्ष्य के अनुसार लगाने का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए योग्य इच्छुक किसानों से ऑनलाईन आवेदन कराने की बात कही गई।

जिला सहकारिता पदाधिकारी, गिरिडीह द्वारा बताया गया कि १५ दिसंबर २०२५ से गिरिडीह जिला में ५८ केन्द्रों पर धान अधिप्राप्ति किया जायेगा जिसके लिये २४५०/- प्रति क्वींटल निर्धारित है। किसान धान बेचने हेतु अपना निबंधन कराएँ। इसके साथ साथ इनके द्वारा बाताया गया कि रबी मौसम में फसलों का बीमा कराया जा रहा है। मात्र एक रुपये टोकन मनी के साथ किसान प्रकृतिक आपदा से फसल नुकसान का लाभहेतु अपना फसल का बीमा अवश्य कराएँ।

जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, सहायक मिट्टी रसायनज्ञ, कनीय पौधा संरक्षण पदाधिकारी द्वारा विभागीय संचालित योजनाओं को विस्तार पूर्वक बताया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञ द्वारा रबी मौसम में फसलों में लगने वाले कीट/व्याधि से नुकसान एवं नियंत्रण की जानकारी विस्तार पूर्वक दी गई।

मंच संचालन श्री रमेश कुमार, प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक, गिरिडीह द्वारा किया गया। कार्यकम में सभी प्रखण्ड के प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक, जनसेवक, किसान मित्र एवं प्रगतिशील किसान विभागीय कर्मचारी सहित १५० प्रतिभागी भाग लिए।

उपायुक्त से गरीबों के बीच कंबल वितरण की मांग

डुमरी (ससे): ट्विटर एक्टीविस्ट सुनील महतो ने उपायुक्त गिरिडीह को एक पत्र ईमेल कर जिले में ठंड के मद्देनज़र जरूरतमंदों के लिए कंबल वितरण एवं अलाव की व्यवस्था कराने का आग्रह किया है।अपने ईमेल में लिखा है कि बढ़ती ठंड के कारण गरीब, मजदूर,बुज़ुर्ग एवं बेघर लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।संध्या बाद के तापमान में गिरावट के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है,विशेषकर वे लोग जिनके पास पर्याप्त गर्म कपड़े या आश्रय नहीं है।

इसलिए आग्रह है कि प्रखंड स्तर पर जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण की व्यवस्था की जाए।साथ ही भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, बस स्टैंड,रेलवे स्टेशन एवं प्रमुख चौराहों पर अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

जिला प्रशासन ने गरीब एवं बेसहारा लोगों के लिए अलाव की व्यवस्था

बोकारो (ससे): बढ़ते ठंड को देखते हुए बोकारो जिला प्रशासन ने पूरे जिले में अलाव जलाने की व्यवस्था की है, ताकि जरूरतमंद लोगों को ठंड से राहत मिल सके। जिला प्रशासन ने गरीब, बेसहारा एवं रात में काम करने वाले लोगों के लिए* यह व्यवस्था की है। इस संदर्भ में उपायुक्त अजय नाथ झा ने सभी जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को निर्देश जारी किया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि ठंड से परेशानी न हो, इसे सुनिश्चित करें।शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रमुख चौक-चौराहों के साथ-साथ प्रखंड मुख्यालय, पंचायत भवन, हाट-बाजार और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अलाव की व्यवस्था की गई है। लकड़ी और कोयला की आपूर्ति भी सुनिश्चित की गई है, ताकि अलाव की व्यवस्था निर्वाध रूप से हो सके। उपायुक्त अजय नाथ झा ने संवेदनशीलता के साथ अपने क्षेत्र में विशेष निगरानी रखने का निर्देश अधिकारियों को दिया है ताकि ठंड से किसी भी आम जनता को परेशानी ना हो।

उपायुक्त ने जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी का किया बैठक

बोकारो (ससे): उपायुक्त ने झारनेट की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के लिए एनआइसी कार्यालय भवन में आवश्यक तकनीकी सुविधाएं शीघ्र स्थापित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने हेतु उपायुक्त कार्यालय में अत्याधुनिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम की स्थापना का निर्देश दिया। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने विभिन्न विभागों में ई-गवर्नेंस से संबंधित कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और आगामी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया। बैठक में अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, सहायक निदेशक पियूष, जिला योजना पदाधिकारी राज शर्मा, डीपीओ यूआइडी शैलेन्द्र मिश्रा आदि उपस्थित थे।

12 को रक्त दान शिविर का आयोजन

डुमरी (ससे): स्वास्थ्य विभाग द्वारा १२ दिसंबर को प्रखंड सह अंचल कार्यालय प्रांगण में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है।इस संबंध में रेफरल अस्पताल डुमरी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा राजेश कुमार महतो ने बताया कि रक्त दान महादान है।किसी के रक्त दान से किसी को जीवनदान मिल सकता है।कहा कि कोई भी स्वस्थ व्यस्क व्यक्ति रक्त दान कर सकता है। रक्त दान से व्यक्ति को कोई नुकसान या कमजोरी नहीं आती है। रक्त दान से संबंधित लोगों में जो कुछ भी अंधविश्वास या भ्रांतियां है,वह निराधार और तथ्यहीन है।रक्त दान के बाद शरीर में स्फूर्ति और ताजगी बनी रहती है।उन्होंने आम जनों से रक्त दान अवश्य करने की अपील की है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

धनबाद पुलिस की मासिक अपराध समीक्षा बैठक सम्पन्न

धनबाद (कासं) : समाहरणालय परिसर में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार की अध्यक्षता में विगत माह से संबंधित मासिक अपराध समीक्षा बैठक का आयोजन समाहरणालय स्थित पुलिस मुख्यालय में किया गया। बैठक में एसएसपी के साथ ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, जिले के सभी डीएसपी, एसडीपीओ, थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी एवं विभिन्न शाखाओं के प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान एसएसपी ने विगत माह में पुलिस द्वारा किए गए कार्यों, अभियानों, अपराध नियंत्रण की स्थिति तथा भविष्य की रणनीति पर बिंदुवार समीक्षा की।

बैठक के दौरान प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, नवम्बर माह में पूरे जिले में कुल ४१३ कांड दर्ज हुए, जबकि ६०३ मामलों का निष्पादन किया गया। इसके परिणामस्वरूप लंबित कांडों की संख्या ४३०० से घटकर २२२० रह गई है। एसएसपी ने निर्देश दिया कि दिसंबर माह के अंत तक लंबित मामलों की संख्या को २००० से नीचे लाने का लक्ष्य हासिल किया जाए। कुर्कीबारंट समन के निष्पादन में भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई।

विगत माह में बाइक चोरी की घटना में भी भारी कमी आई है और कई चोरी गई बाइक को बरामद करने में भी संतोषजनक सफलता हासिल हुई है। अक्टूबर माह में गृह भेदन की २५ वारदात घटित हुई थी जिसके मुकाबले विगत नवम्बर में मात्र ११ कांड दर्ज हुए है।

अपराध एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सभी थाना क्षेत्रों में सघन वाहन जांच, होटलों व लॉजों की औचक सुरक्षा जांच और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस गश्त का निर्देश दिया गया। बाजारों, मॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर भी सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है।

पिछले माह कृषि बाजार के व्यापारी से हुए लूटकांड को लेकर एसएसपी ने बताया कि कांड के अनुसन्धान में पुलिस को अहम जानकारी मिली है जिसके आलोक में अनुसन्धान तीव्रगति से जारी है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए अभियान को और तेज किया जाएगा। एसएसपी ने निर्देश दिया कि सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के पालन के उद्देश्य से अभियान को शहरी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि बाइक सवार दोनों व्यक्तियों का हेलमेट पहनना अनिवार्य होगा। साथ ही, फैंसी नंबर प्लेट, ब्लिंकर लाइट, मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेस या पुलिस लिखी गाड़ियों, काला शीशा, ट्रिपल राइड जैसे उल्लंघनों पर सख्त से कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य जुर्माना वसूलना नही बल्कि लोगों को सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित कराना है।

एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि पुलिस की सक्रियता से विगत नवम्बर माह में कोई बड़ी आपराधिक घटना नहीं हुई। उन्होंने कहा कि संगठित अपराध के विरुद्ध धनबाद पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है और आगे भी यह सख्ती जारी रहेगी।

समीक्षा बैठक के दौरान अपेक्षा के अनुरूप कार्य नही करने वाले कुछ प्रभारी को सख्त चेतावनी दी गई है। कार्य में गति व सुधार नही होने पर सम्बन्धित पदाधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि थाने में आने वाले फरियादियों की शिकायत को गंभीरता से लें और विधि अनुसार तत्काल कार्रवाई करें। थाना परिसर को साफसुथरा एवं व्यवस्थित रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। एसएसपी ने नशे के अवैध कारोबार, जुआ और लॉटरी गतिविधियों पर विशेष अभियान चलाने और सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस गश्त के दौरान सतत् निगरानी रखने का निर्देश दिया।

केंद्रीय महिला वैश्य समिति की बैठक संपन्न

पुटकी (ससे) : केंद्रीय माहुरी वैश्य महिला समिति की प्रथम कार्यकारिणी समिति की बैठक करकेंद बाज़ार स्थित माहुरी अतिथि भवन में सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता महिला मंडल की अध्यक्ष स्मिता गुप्ता एवं मंच संचालन सचिव रुचिता गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में कुल देवी मां मथुरासिनी माता के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। बैठक में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने, अंतरजातीय विवाह पर नियंत्रण करने, बेटियों की शिक्षा पर जोर देने और परिवार में एकता बनाए रखने पर विस्तृत चर्चा की गई।

समाज को आगे बढ़ाने एवं प्रतिभावान, विशेष स्थान प्राप्त करने वाली महिलाओं एवं बच्चियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर केंद्रीय अध्यक्ष राजेश गुप्ता, महिला समिति की अध्यक्ष प्रतिमा देवी, सचिन संगीता सेठ, उपसचिव प्रीति गुप्ता, राखी भदानी उप संगठन मंत्री कतरास उपस्थित थी। मौके पर केंदुआ करकेंद मंडल के अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता, सचिव विजय कुमार, पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर गुप्ता, दुर्गापुर से आए हुए केंद्रीय समिति के कानूनी सलाहकार एवं पश्चिम बंगाल प्रभारी शंकर प्रसाद गुप्ता, केंदुआ करकेंद माहुरी वैश्य महिला समिति की अध्यक्ष स्मिता सेठ, सचिव रुचिता गुप्ता, चंचल गुप्ता, मीडिया प्रभारी रश्मि गुप्ता, राजकुमारी देवी, प्रभा गुप्ता, रजनी तरवे, बबीता गुप्ता, ममता गुप्ता, नीलम गुप्ता, जय गुप्ता, रविकांत गुप्ता, शैलेंद्र गुप्ता, नयन तरवे, विजय कांधवे आदि उपस्थित थे।

डीएवी सिन्दरी में मानवाधिकार दिवस मनाया गया

बलियापुर (ससे) : डीएवी पब्लिक स्कूल सिंदरी, धनबाद में विश्व मानव अधिकार दिवस बड़े ही गरिमामय ढंग से मनाया गया। कार्यक्रम में छात्रों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए मानव अधिकारों के महत्व पर प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं।

इस अवसर पर बच्चों एक लघु नाटिका प्रस्तुत किया। इन बच्चों में अभिनव घोष, श्रेयश पांडेय, शेख अज़लान, आनंद गोपाल द्विवेदी, अदिति कुमारी, उर्वी सोरेन, ओमकार मुखर्जी, सार्थक राज, छात्रों द्वारा प्रेरक भाषण, जिनमें मानव अधिकारों के विविध पहलुओं पर प्रभावी विचार रखे गए। 'ह्यूमन राइट्स' पर आधारित एक लघु नाटिका, जिसने दर्शकों को जागरूक किया और सामाजिक सरोकारों का संदेश दिया। कार्यक्रम का सफल आयोजन रूपा कुमारी सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य अशोक कुमार सिंह ने कहा कि मानव अधिकार हर व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता और समानता की नींव हैं। विद्यार्थियों में बचपन से ही इन मूल्यों का विकास होना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान विक्रमादित्य अचार्जी, कक्षा १०वीं की शाल्वी और श्यामली सिंह तथा कक्षा ९वीं के शुभम कुमार अचारजी और प्रियांशु अचारजी ने विश्व मानव अधिकार दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। इस आयोजन को सफल बनाने में मुकेश कुमार तिवारी, ब्रिजकिशोर द्विवेदी और कालीचरण बनर्जी का विशेष सहयोग रहा।

डीएवी बनियाहीर में राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया गया

जोड़ापोखर (ससे) : डीएवी बनियाहीर के प्रांगण में राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों को मानव अधिकारों की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर विद्यालय के छात्रछात्राओं के द्वारा विभिन्न प्रकार के चित्र बनाकर मानव के मूलभूत अधिकारों की जानकारी दी गई। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक देवेंद्र कुमार पाणिनि ने उपस्थित छात्रछात्राओं और उपस्थित शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार भारत सरकार की ऐसी संस्था है जो मनुष्यों के हर प्रकार की मूलभूत अधिकारों को संरक्षण प्रदान करती है। जब किसी व्यक्ति के मूल अधिकारों का हनन होता है तो ये आयोग उसके संरक्षण के लिए खड़ा होता है। उन्होंने अपने संबोधन में यह भी कहा कि संविधान में प्रदत अपने अधिकार की जानकारी सभी को होनी चाहिए।

तिब्बती समुदाय ने मनाया विश्व शांति दिवस

धनबाद (कासं) : चिल्ड्रन पार्क न्यू स्टेशन कॉलोनी पुराना बाजार स्थित तिब्बती रिफ्यूजी वूलन मार्केट में तिब्बती समुदाय द्वारा विशेष रूप से १४ वें दलाई लामा के नोबेल पुरस्कार प्राप्त होने के उपलक्ष में विश्व मानवाधिकार दिवस मनाया गया। मार्केट के प्रधान ओलो ने बताया कि यह दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी तारीख को परमपावन दलाई लामा को विश्व शांति के लिए प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। तिब्बती महिला करुणा ने बताया कि इस वर्ष तिब्बती समुदाय ने इस दिवस को करुणा वर्ष के रूप में मनाते हुए शांतिपूर्ण सहअस्तित्व और मानवता के भाव को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान तिब्बती समुदाय ने परमपावन दलाई लामा की दीर्घायु, विश्व में शांति और सद्भाव कायम रहने की कामना के साथ विशेष पूजाअर्चना की।

विश्व मानव अधिकार दिवस पर करुणा और सेवा की भावना को प्रोत्साहित करते हुए जिले के विभिन्न क्षेत्रों में ज़रूरतमंदों के बीच कंबल, उपहार एवं आवश्यक वस्तुओं का वितरण भी किया गया। तिब्बती समुदाय के सदस्यों ने बताया कि यह दिन न केवल सम्मान का प्रतीक है बल्कि वैश्विक शांति और भाईचारे का संदेश भी देता है।

धनबाद के तिब्बतियन रिफ्यूजी वुलेन मार्केट में आयोजित यह कार्यक्रम स्थानीय लोगों ने भी देखा और समुदाय की सांस्कृतिक परंपराओं को करीब से समझा।पूरे विश्व में तिब्बती समुदाय हर वर्ष इस दिन को मानवता, करुणा और शांति के संदेश के साथ मनाता है।

बीआईटी सिन्दरी की टीम ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन में प्रथम स्थान प्राप्त किया

सिंदरी (ससे) : बी.आई.टी. सिंदरी की टीम रॉबस्ट सॉल्यूशन्स ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एस.आई.एच.) फ़ाइनल २०२५ में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम ने जयपुर में आयोजित छत्तीस घंटे के हैकाथॉन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए १ लाख ५० हज़ार रुपये का पुरस्कार जीता। टीम ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित 'ड्रॉपआउट पूर्वानुमान एवं परामर्श प्रणाली' विकसित की, जो विद्यार्थियों के जोखिम स्तर का आकलन कर उन्हें हरा, नारंगी और लाल श्रेणी में वर्गीकृत करती है तथा उच्च जोखिम वाले विद्यार्थियों को स्वचालित परामर्श सुविधा प्रदान करती है। टीम का नेतृत्व आकाश वर्मा ने किया, तथा प्रवीण चौरसिया, नीरज प्रजापति, प्रिंस कुमार, दिव्या राज और रिमिशा कुमारी इसके सदस्य रहे। संस्थान के निदेशक तथा अन्य संकाय सदस्यों ने टीम को बधाई देते हुए इसे बी.आई.टी. सिंदरी की नवाचार संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

वाहन की चपेट में आकर एक की मौत

धनबाद (कासं): बरवाअड्डा किसान चौक के समीप तेज रफ्तार वाहन के धक्के से एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान झरिया निवासी सुरेश महतो (४५) के रूप में हुई। वह फल विक्रेता था। घटना उस समय हुई जब वह किसान चौक के पास सड़क पार कर रहा था। वाहन की चपेट में आकर वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार सुरेश महतो बरवाअड्डा स्थित कृषि बाजार समिति में फल खरीदने गए थे। रोज की तरह वह घर से फल लाने निकले थे। वह अपने परिवार के साथ ससुराल में रहते थे और ठेला लगाकर अलगअलग इलाकों में फल बेचकर परिवार का भरणपोषण करते थे। हादसे के बाद वहां लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही बरवाअड्डा थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल सुरेश महतो को एसएनएमएमसीएच, धनबाद पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। वहां मौत की खबर मिलते ही चीखपुकार मच गई। परिजनों का रोसेकर बुरा हाल है। पूरे परिवार में मातम छा गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि किसान चौक के समीप तेज रफ्तार वाहनों के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से चौक के पास जल्द सुरक्षा उपाय करने की मांग की है।

प्लास्टर का टुकड़ा गिरने से छात्र घायल

गोविंदपुर (ससे) : आदर्श मध्य विद्यालय गोविंदपुर के वर्ग ३ के छात्र बापी दत्ता छत के प्लास्टर का एक टुकड़ा गिरने से घायल हो गया। उसका इलाज स्थानीय नर्सिंग होम में कराया गया। बताया जाता है कि बापी दत्ता पुराना भवन के हॉल में गया था। हॉल का सीलिंग काफी जर्जर स्थिति में आ गया है। वेंटिलेटर में घोंसला में बैठे एक कबूतर के उड़ने से प्लास्टर का एक छोटा टुकड़ा उसके नाक पर आ गिरा। इससे वह लहुलुहान हो गया। उसके परिजनों ने उसे तुरंत एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया। जहां इलाज के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। इस संबंध में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मुस्तकीम अंसारी ने बताया कि विद्यालय का पुराना भवन काफी जर्जर हो गया है। उन्होंने इसके मरम्मत के लिए विभाग को कई बार पत्राचार किया, परंतु आज तक इसकी मरम्मत नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में पुराने भवन में बच्चों को नहीं पढ़ाया जाता है। नया भवन में बने क्लास रूम में उनकी पढ़ाई कराई जाती है। विदित हो आदर्श मध्य विद्यालय का पुराना भवन का निर्माण १९५५ में कराया गया है। इन दिनों वह काफी जर्जर हो चुका है। जगह-जगह छत से प्लास्टर टूट के गिरते रहते हैं। इसे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका का बनी रहती है।

मारपीट कर युवक का बाइक छीना

धनसार (ससे) : धनसार नई दिल्ली के पास दो युवकों ने विनय चौहान के साथ मारपीट कर मोटरसाइकिल छीन लिया। विनय लोयाबाद का रहनेवाला है। विनय का कहना है कि शक्ति मंदिर के पास एक प्राइवेट कंपनी में काम करता हूं। काम करके वापस अपने घर लोयाबाद जा रहा था। तभी धनसर नई दिल्ली के पास दो युवक मोटरसाइकिल से आ रहे थे और मेरी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी पूछने पर वे लोग मेरे साथ मारपीट कर मोटरसाइकिल छीन लिया। मारपीट करने वाला राहुल सिंह नामक युवक जो झरिया थाना क्षेत्र ऐना का रहने वाला है। मारपीट के दौरान विनय का सर फट गया जहां इलाज के लिए धनसार पुलिस ने धनबाद पीएमसीएच भेज दिया। विनय धंनसार थाना में इन दोनों युवकों के खिलाफ मारपीट कर बाइक छिनने का शिकायत किया है। धनसार पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मवेशी लदा कार जब्त, तीन आरोपी फरार

धनबाद (कासं) : धनबाद में अहले सुबह एक संदिग्ध स्विफ्ट डिज़ायर कार को लेकर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार धनसार की ओर से झरिया रोड की तरफ आ रही कार काफी तेज रफ्तार व लापरवाही से चलाई जा रही थी। वाहन की संदिग्ध चाल देखकर बैंक मोड़ पुलिस ने कार को रुकने का संकेत दिया, लेकिन चालक ने पुलिस की अनदेखी करते हुए वाहन को और तेज कर दिया।

पुलिस द्वारा पीछा किए जाने के दौरान चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया और कार श्रीराम प्लाज़ा के पास डिवाइडर से जा टकराई। हादसे के तुरंत बाद कार में सवार तीन युवक मौके पर कार छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन तीनों के बारे में कोई सुराग नहीं मिल पाया। वाहन की तलाशी लेने पर पुलिस टीम हैरान रह गई। कार के भीतर एक गाय और दो बछड़े लदे हुए मिले। पुलिस को आशंका है कि पशुओं को अवैध रूप से कहीं ले जाया जा रहा था। पुलिस ने पशुओं और वाहन को कैंजे में लेकर बैंक मोड़ थाना लाया। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि वाहन व गौ वंश घटनास्थल से मिले जिसे जब्त कर लिया गया और फरार लोगों की तलाशी जारी है।

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के संकल्प के साथ झामुमो की बैठक सम्पन्न

धनबाद (कासं) : झारखंड मुक्ति मोर्चा धनबाद महानगर समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक परिषदन भवन, धनबाद में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष मंटू चौहान ने की तथा संचालन महानगर सचिव रामू मंडल द्वारा किया गया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक सुदृढ़ एवं सक्रिय बनाना था। इस विषय पर गहन मंथन करते हुए विभिन्न रणनीतियों पर सहमति बनी। बैठक में जिला समिति के पदाधिकारियों एवं झामुमो केंद्रीय समिति के सदस्यों ने भी भाग लिया और संगठन विस्तार पर सारगर्भित सुझाव दिए। बैठक में यह संकल्प लिया गया कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की जनकल्याणकारी योजनाओं और अधिकारआधारित पहलों को हर घर तक पहुँचाया जाएगा। किसी भी गरीब, श्रमिक, महिला, किसान, युवा या बुजुर्ग को योजनाओं का लाभ लेने में अगर कोई बाधा आती है, तो संगठन स्तर पर तत्परता से सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि झारखंड सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुँचे।

सभी सदस्यों ने कहा कि झामुमो केवल राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि जनता की उम्मीदों, सपनों और संघर्ष की आवाज़ है। जनता के सवालों और अधिकारों के लिए संघर्ष ही पार्टी की असली पहचान है।

संगठन विस्तार की भावी रणनीति पर विस्तृत रूपरेखा बनाते हुए यह निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में वार्ड एवं बूथ इकाइयों को और सक्रिय किया जाएगा तथा जमीनी स्तर पर जनसम्पर्क अभियान संचालित किया जाएगा। अंत में केंद्रीय सदस्य सह मीडिया पैनलिस्ट डॉ नीलम मिश्रा ने ने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर जनता के साथ खड़े रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम मुख्य रूप से उपस्थित केंद्रीय सदस्य सह मीडिया पैनलिस्ट डॉव नीलम मिश्रा, केंद्रीय सदस्य जग्गू महतो, जिला कमिटी के पदाधिकारी अजय रवानी, तपन तिवारी राज आनंद सिंह, हरीश सिंह, समीर रवानी, पूर्व महानगर अध्यक्ष देबू महतो, महानगर से उपाध्यक्ष राजू प्रमाणिक, नईम अंसारी, वकील दास, मदन राम, टिंकू सरकार, शोषण चौधरी, सुधीर यादव, जितेंद्र पासवान, कुणाल कुमार, कालों साव, राकेश शर्मा, राकेश वल्लभ सहाय, सद्दाम हुसैन, मंसूर आलम, अमित महतो, कलाम अंसारी, ऋतिक राणा, राहुल हालदार, संजय, विनय वर्मा संग अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डैफोडिल्स एकाडेमी ने किया कंबल वितरण

पुटकी (ससे) : करकेंद बाजार स्थित डैफोडिल्स एकाडेमी के प्राचार्य तापस बनर्जी ने करकेंद, गाधी ग्राम में कंबल वितरण किए। अत्यधिक ठंड में कंबल पाकर सभी दिव्यांग लोग खुशी से झूम उठे। इस अवसर पर ५० कंबल वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामीण एकता मंच के अध्यक्ष रंजीत सिंह उर्फ बबलू सिंह, उपाध्यक्ष अनिल सिंह उपस्थित थे। रंजीत सिंह ने डैफोडिल्स एकाडेमी प्रबंधन एवं प्राचार्य तापस बनर्जी का भुरिभुरि प्रशंसा करते हुए कहा कि डैफोडिल्स एकाडेमी क्षेत्र का एक उत्कृष्ट विद्यालय है। विद्यालय प्राचार्य तापस बनर्जी ने सामाजिक कार्य मे हमेशा बढ चढ़कर हिस्सा लेते है। उन्होनें बताया कि इस कप-कपाती ठंड में असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण करना एक नेक काम है। इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षकशिक्षिका उपस्थित थे एवं सभी ने अपने हाथों से दिव्यांग लोगों को कंबल प्रदान किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय शिक्षकशिक्षिकाओं में अनिल सिंह, चंदन पासवान, जयंत घटक, संजय दत्ता, देवाशीष मुखर्जी, झूमा दत्ता, कविता, कुलजीत, सुमन, स्वाशत रंजन कर, उषा, शिल्पा, करूना, डोली, स्वाती, चेरी, इकबाल, महक, मुनमुन बनमाली, शलोनी, कौशल झा, देवश्री, एस सिन्हा, अंकुर आदि का सराहनीय योगदान रह।

एसआईआर फॉर्म फाड़ दिया, भाई-बहन के खिलाफ मामला दर्ज

लखनऊ,(ईएमएस) : पुलिस ने एक व्यक्ति और उसकी बहन के खिलाफ एसआईआर फॉर्म को कथित तौर पर क्षतिग्रस्त करने और एक बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) पर हमला करने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, मनीष और उसकी बहन प्रीति ने बीएलओ से संपर्क किया था। प्रीति का नाम मतदाता सूची से कथित तौर पर काटे जाने को लेकर प्रीति ने विमलेश कुमारी से प्रश्न किया।

झारखण्ड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार
बोकारो प्रक्षेत्र, बियाडा भवन, बालीडीह, बी0एस0सिटी0–14
Email.mdbiadabokaro@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सर्वश्री शाही इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं0– I/A-71, रकवा–1.00 एकड़, बोकारो औ0 क्षेत्र, बी0एस0सिटी– 14, के साझेदार श्री मुन्ना प्रसाद के किसी अन्य व्यवसाय में व्यस्त रहने के कारण इकाई से मुक्त होना चाहते हैं। इकाई को सूचारू रूप से चलाने हेतु श्री भास्कर कुमार शाही को 51 प्रतिशत, कृष्ण कुमार को 09 प्रतिशत एवं मुक्ता कुमारी को 40 प्रतिशत साझेदारी में परिवर्तन करने का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है।

अतः उपर्युक्त प्रस्ताव पर किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि से 10 दिनों के अन्दर अपना लिखित आपत्ति दर्ज करें अन्यथा निर्धारित समय अवधि समाप्ति के उपरांत प्रस्ताव पर अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी ।

क्षेत्रीय उप निदेशक,
जियाडा, बोकारो प्रक्षेत्र।

PR 368226 Industries(25-26)D

झारखण्ड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार
बोकारो प्रक्षेत्र, बियाडा भवन, बालीडीह, बी०एस०सिटी०–14
Email.mdbiadabokaro@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सर्वश्री अनाहिता इंटरप्राईजेज, प्लॉट नं0– II/C-77 & 78, रकवा–0.54 एकड़, बोकारो औ0 क्षेत्र, बी0एस0सिटी– 14, के सत्वाधिकारी श्रीमती सोनझरिया देवी, पति श्री तपेश्वर चौधरी के अस्वस्थ रहने के कारण इकाई को सूचारू रूप से नहीं चलाने के कारण, इकाई को सूचारू रूप से चलाने हेतु श्री दिवाकर कुमार को 51 प्रतिशत एवं श्री भास्कर कुमार शाही को 49 प्रतिशत, साझेदारी में परिवर्तन करने का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है।

अतः उपर्युक्त प्रस्ताव पर किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रका न की तिथि से 10 दिनों के अन्दर अपना लिखित आपत्ति दर्ज करें अन्यथा निर्धारित समय अवधि समाप्ति के उपरांत प्रस्ताव पर अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी ।

क्षेत्रीय उप निदेशक,
जियाडा, बोकारो प्रक्षेत्र।

PR.NO.368222 Industries(25-26):D

झारखण्ड सरकार
उद्योग विभाग
जिला उद्योग केन्द्र, धनबाद
(कैम्प कार्यालय, बोकारो)

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रबंधक निदेशक, जिडको, राँची के आदेशानुसार RAMP योजनान्तर्गत एम0एस0एम0ई0 इकाइयों को बढ़ावा देने के उद्वेश्य से जिला उद्योग केन्द्र, कैम्प कार्यालय, बोकारो के तत्वावधान में **दिनांक 12.12.2025 को अपराह्न 12.00 बजे से चेम्बर ऑफ कॉमर्स कार्यालय, जैनामोड़, बोकारो** में एक दिवसीय उद्यम पंजीकरण सह जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाना है। उक्त शिविर में जिला के उद्यमी/व्यवसायी अपना उद्यम पंजीकरण कर सकेंगे।

अतः बोकारो जिले के सभी उद्यमी/व्यवसायी उक्त निर्धारित तिथि को आयोजित जागरूकता शिविर में अपने उद्यम/इकाई के निबंधन हेतु आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैक पास–बुक एवं आधार लिंक मोबाईल के साथ भाग लेंगे।

विशेष जानकारी हेतु श्री विकास प्रकाश, ई0ओ0डी0बी0 प्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, कैम्प कार्यालय, बोकारो (मो0 सं0– 7004730486) से सम्पर्क किया जा सकता है।

कार्यक्रम विवरणी
1. **आयोजन की तिथि** : 12.12.2025
2. **समयः** 12.00 बजे अपराह्न
3. **आयोजन स्थलः** चेम्बर ऑफ कॉमर्स कार्यालय, जैनामोड़, बोकारो

निवेदक
महाप्रबन्धक,
जिला उद्योग केन्द्र, कैम्प कार्यालय,
बोकारो।

PR 368157 (Industries) 25-26 (D)

झारखण्ड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार
बोकारो प्रक्षेत्र, बियाडा भवन, बालीडीह, बी0एस0सिटी0-14
Email.mdbiadabokaro@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सर्वश्री सर्वोदय इन्टरप्राईजेज, प्लॉट नं0– III/B-3A(P), रकवा–0.47 एकड़, बोकारो औ0 क्षेत्र, बी0एस0सिटी– 14, के स्वत्वाधिकारी श्री प्रभंजन कुमार सिंहा के द्वारा प्राप्त पत्र के आलोक में अपने इकाई का नाम सर्वश्री सर्वोदय इन्टरप्राईजेज से सर्वश्री सर्वोदय कंस्ट्रक्शन के नाम से परिवर्तन करने का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है।

अतः उपर्युक्त प्रस्ताव पर किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के अन्दर अपना लिखित आपत्ति दर्ज करें अन्यथा निर्धारित समय अवधि समाप्ति के उपरांत प्रस्ताव पर अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी ।

क्षेत्रीय उप निदेशक,
जियाडा, बोकारो प्रक्षेत्र

PR 368185 Industries (25-26)_D

कार्यालय :– उपाधीक्षक सदर अस्पताल,धनबाद
कोर्ट मोड़ धनबाद–826001, ई–मेल sadarhospitalnewdhanbad@gmail.com

निविदा सं0 **02/ SH** दिनांक– **09.12.2025**

ई–अति अल्प कालिन निविदा आमंत्रण

सदर अस्पताल धनबाद में औषधि/ Consumable/Equipment इत्यादि के क्रय निर्माता कम्पनी/प्राधिकृत विक्रेता/एजेन्सी इत् यादि से तकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड से निविदा आमंत्रित किया जाता है। उक्त निविदा दस्तावेज को Website – www.jharkhandtenders.gov.in के माध्यम से दिनांक 23.12.2025 तक जमा किया जा सकता है।

Sl. No.	Particular	Details
a.	Name of the work	Supply of medicines, consumables & equipment
b.	Availability of RFP document at	Digital Copy www.jharkhandtenders.gov.in portal
c.	Date of Issue of RFP	10/12/2025
d	Date of Pre Bid Meeting	15/12/25 at 12.00 noon
e.	Last Date for submission of Proposal	23/12/2025 at 05.00 PM
f.	Date of opening of Technical Proposal	24/12/2025 at 11.00 AM
g.	Date of opening of Financial Proposal	AFTER FINALIZING TECHNICAL PROPOSAL
h.	Address at which the tenders are to be submitted:	Office of the Sadar Hospital , Dhanbad, Jharkhand (Hard copy to be submitted by post)
i	Mode of submission	Online

उपाधीक्षक,
सदर अस्पताल, धनबाद

PR 368224 (District)25-26*D

जिला परिषद कार्यालय, बोकारो

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–02/2025-26

विज्ञापन दाता का नाम :- उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, बोकारो।
निविदा दस्तावेज बिक्री की तिथि :- दिनांक 17.12.2025 को 10:30 बजे पूर्वा0 से 5:00 बजे अप0 तक जिला परिशद कार्यालय, बोकारो के विभागीय वेबसाइट (www.zilaparishadbokaro.com) के माध्यम से निविदा दस्तावेज प्राप्त करेंगे।
निविदा प्राप्ति की तिथि/स्थान :-दिनांक 17.12.2025 को 10:30 बजे पूर्वा0 से दिनांक 18.12.2025 को 3:00 बजे अप0 तक/जिला परिषद कार्यालय, बोकारो के विभागीय वेबसाइट (www.zilaparishadbokaro.com) के माध्यम से निविदा दस्तावेज समर्पित करेंगे।
निविदा खोलने की तिथि/स्थान :-दिनांक 20.12.2025 को 3:30 बजे अप0/जिला परिषद कार्यालय, बोकारो।

मद का नाम :– जिला योजना मद

निविदा

क्र0 स0	ग्रुप संख्या	प्रखंड	योजना का नाम	प्रा0 राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्णता की अवधि
1.	1	गोमिया	होसिर पूर्वी ब्राहमन टोला पी0एच0ई0डी0 के सामने महिलाओं के लिए शौचालय सहित स्नानगृह का निर्माण।	846800.00	प्राक्कलित राशि का 2 प्रतिशत	1250.00	45 दिन
2.	2	गोमिया	तुलबुल पंचायत के बरवाडीह में पारसनाथ टुडू के घर से तालाब तक 100 फीट गार्डवाल का निर्माण एवं तुलबुल पंचायत के बरवाडीह पारसनाथ टुडू के घर से गुणाराम के खेत तक लगभग 200 फीट पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	1065000.00	प्राक्कलित राशि का 2 प्रतिशत	5000.00	45 दिन
3.	3	गोमिया	तुलबुल पंचायत मलंग टोला हनुमान मंदिर से छोटी साव के घर तक 700 फीट पी0सी0सी0 पथ का निर्माण।	2497000.00	प्राक्कलित राशि का 2 प्रतिशत	5000.00	45 दिन
	मद का नामः– जिला परिषद् मद						
4.	4	चास	जिला परिषद्, बोकारो के अधीनस्थ पुस्तकालय भवन के छत का मरम्मति कार्य।	594400.00	प्राक्कलित राशि का 2 प्रतिशत	1250.00	30 दिन
5.	5	चास	जिला परिषद्, बोकारो के उपरी तल में अवस्थित सभा कक्ष का उन्नयन कार्य।	950000.00	प्राक्कलित राशि का 2 प्रतिशत	1250.00	30 दिन

नोट :– 1. संवेदक को निबंधन प्रमाण पत्र संबंधी दस्तावेज एवं परिमाण विपत्र मूल्य की राशि जिला परिशद् के विभागीय वेबसाईट www.zilaparishadbokaro.com के माध्यम ऑनलाईन भुगतान करने के उपरांत परिमाण विपत्र (बी0ओ0क्यू0) एवं निविदा संबंधी दस्तावेज डाउनलोड होगा।
2. निविदा की सभी भार्त जिला परिशद, कार्यालय बोकारो के सूचना पट्ट एवं विभागीय Website-www.zilaparishadbokaro.com पर देखा जा सकता है।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी
जिला परिषद, बोकारो।

PR.NO.368203 Panchayati Raj(25-26):D

बिहार के कई जिलों में बुलडोजर एक्शन तेज

पटना (एजेंसी): बिहार के अलग-अलग जिलों में प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान को तेज कर दिया है. बाजारों, मुख्य सड़कों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में फैले अवैध निर्माण को हटाने के लिए अधिकारी खुद फील्ड में उतर रहे हैं. कई जगहों पर चेतावनी के बावजूद सुधार नहीं होने पर जेसीबी मशीन लगाकर दुकानों और अस्थायी ठेलों को हटाया गया. अलग-अलग जिलों से मिली जानकारी के आधार पर यह संकलित रिपोर्ट पेश है.

जमुई जिले के बरहट प्रखंड के गुगुलडीह बाजार में देर शाम प्रशासनिक टीम अचानक पहुंच गई. अंचल अधिकारी मयंक कुमार और बरहट थाना प्रभारी संजीव कुमार ने सड़क किनारे बने अस्थायी और स्थायी अतिक्रमण का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान दुकानदारों और ठेला चालकों को साफ कहा गया कि वे सड़क पर कब्जा हटाने में देरी न करें. अधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि लोग खुद अतिक्रमण नहीं हटाते, तो प्रशासन जेसीबी चलाकर कार्रवाई करेगा. थाना प्रभारी ने बताया कि सड़क किनारे अतिक्रमण के कारण जाम लगता है और दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए अब किसी तरह की ढिलाई नहीं दी जाएगी. अधिकारियों ने कहा कि उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि व्यवस्था को बेहतर बनाना है.

गोपालगंज शहर में नगर परिषद लगातार अभियान चला रहा है. थाना रोड, पोस्ट ऑफिस रोड, अम्बेडकर चौक और आसपास की सड़कों से अतिक्रमण हटाया गया. बुधवार को पोस्ट ऑफिस चौक से मौनिया चौक होते हुए थाना चौक तक बुलडोजर चलाया गया. कार्यपालक पदाधिकारी अजय कुमार खुद मौके पर मौजूद रहे. उन्होंने बताया कि जाम से राहत दिलाने के लिए पहले नोटिस दिया गया था, फिर माइकिंग की गई. जो लोग फिर भी नहीं माने, उनके सामान जब्त किए गए और जुर्माना भी लगाया जा रहा है. उन्होंने लोगों से शहर को जाम-मुक्त बनाने में सहयोग की अपील की.

बगहा में अतिक्रमण हटाने के सरकारी अभियान के खिलाफ भाकपा माले ने विरोध मार्च निकाला. प्रदर्शन बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा से शुरू हुआ और अंचल कार्यालय, प्रखंड कार्यालय तथा छक-७२७ होते हुए फिर प्रतिमा स्थल पर समाप्त हुआ. पार्टी नेताओं ने कहा कि कई गांवों में गरीब परिवार दशकों से बसें हैं, लेकिन उन्हें अब तक आवास के लिए जमीन का पट्टा नहीं मिला. उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि बिना विकल्प दिए गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है. माले नेताओं ने कहा कि यह कार्रवाई गरीबों के सम्मान और जीवन पर सीधा असर डाल रही है और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए.

सीतामढ़ी शहर में प्रशासन ने फिर सख्त रुख अपनाया. गौशाला चौक में सड़क पर बढ़ाए गए निर्माण को हटाया गया. अंचलाधिकारी डौली झा के नेतृत्व में टीम ने अवैध कब्जों को खाली कराया. जिला प्रशासन का कहना है कि यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और शहर को जाम से मुक्त रखने के लिए यह कार्रवाई जरूरी थी. इस अभियान के दौरानस्थानीय अतिक्रमणकारियों में हड़कंप की स्थिति देखी गई.

सारण जिले के छपरा शहर में भी लगातार बुलडोजर अभियान जारी है. नगर निगम की टीम ने मालखाना चौक, नई बाजार और बहुरिया कोठी इलाके में सड़कों और नाले के ऊपर बने कब्जों को हटाया. सीटी मैनेजर अरविंद कुमार ने बताया कि शहर को व्यवस्थित करने और सड़क की चौड़ाई बहाल करने के लिए यह कार्रवाई जारी रहेगी. जिन दुकानदारों ने चेतावनी के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया, उनके ढांचे बुलडोजर से तोड़े गए.

पटना सिटी के चौक थाना क्षेत्र में शिकारपुर नाला स्थित सब्जी मंडी में कई दिनों से फैले अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया गया. अंचलाधिकारी चंदन कुमार और नगर निगम टीम ने सड़क पर किए गए ठेलों और दुकानों को हटाया. कई अवैध ठेलों को मौके से जब्त भी किया गया. अधिकारी ने कहा कि सड़क पर कब्जा करने वालों को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी अभियान जारी रहेगा.

जमुई जिले के झाझा में नगर परिषद ने सुबह ही बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया. सड़क किनारे अवैध तरीके से बढ़ाए गए वरामदे, शेड और अस्थायी दुकानों को जेसीबी से हटाया गया. स्वच्छता पदाधिकारी मोनिका सिंह ने बताया कि बार-बार चेतावनी के बावजूद सुधार नहीं होने पर यह कार्रवाई करनी पड़ी. अचानक शुरू हुई कार्रवाई से दुकानदारों में हड़कंप मचा. कई लोग तेजी से सामान हटाने लगे, जबकि कुछ ने मोहलत मांगी. परिषद ने साफ किया कि शहर को व्यवस्थित रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे.

आरजेडी में शर्मनाक हार पर अभी तक चल रहा मंथन

पटना (एजेंसी): बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद राष्ट्रीय जनता दल में मंथन का दौर अभी तक जारी है. हार के कारणों को ढूंढने के लिए पार्टी में लगातार बैठकें हो रही हैं. इन बैठकों के बाद पार्टी अब बागियों पर कड़ी कार्रवाई करने के मूड में है. राजद के सूत्रों के मुताबिक, राजद अध्यक्ष लालू यादव अब इस मामले को संभाल रहे हैं और उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल से ऐसे नेताओं की लिस्ट मांगी है, जो चुनाव के दौरान पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे. जानकारी के अनुसार तेजस्वी यादव के विदेश दौरे से वापस आते ही उन सभी नेताओं पर एक्शन लिया जाएगा.

समीक्षा बैठक के अंतिम दिन पटना प्रमंडल के जिला अध्यक्ष, प्रधान महासचिव, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद एवं पार्टी के पदाधिकारियो का जुटान हुआ. बैठक में कार्यकर्ताओं ने जोरदार तरीके से यह मामला उठाया कि तेजस्वी यादव को अपने घर का दरवाजा कार्यकर्ताओं के लिए खोल देना चाहिए और उनकी बातों को सुनकर समझकर संगठन का काम करना चाहिए. सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में पार्टी नेताओं ने माना कि तेजस्वी यादव को अब चध समीकरण से बाहर निकलकर सभी वर्गों को अपने साथ जोड़ना होगा. कुछ नेताओं ने टिकट बंटवारे पर भी सवाल उठाए.

बता दें कि इस बार सत्ता उनके करीब होगी, लेकिन नतीजों ने सभी समीकरण बिगाड़ दिए. पार्टी को २५ सीटों पर ही सिमटना पड़ा, जबकि २०२० में उसके पास ७५ सीटें थीं. लगातार बैठकों में नेता यह मान रहे हैं कि यह हार सिर्फ आंकड़ों की नहीं बल्कि रणनीति, संगठन और नेतृत्व में हुई बड़ी चूक का नतीजा है.

रेल ट्रैफिक रोके बिना बड़े पैमाने पर स्टेशनों का री-डेवलपमेंट : केंद्रीय रेल मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी): दुनिया के सबसे बिज़ी रेल नेटवर्क में से एक भारतीय रेल को चलाने की बड़ी ऑपरेशनल चुनौतियों के बावजूद इंडियन रेलवे का स्टेशन री-डेवलपमेंट मिशन देश के इतिहास में पहले कभी नहीं देखे गए स्केल पर आगे बढ़ रहा है। जैसा कि रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने ज़ोर दिया है, कई देश बड़े स्टेशनों के रिकंस्ट्रक्शन के कार्यों के दौरान ३-४ साल के लिए रेल ट्रैफिक रोक देते हैं। लेकिन भारत में, जहाँ रोज़ लाखों पैसेंजर आते-जाते हैं, स्टेशनों को बंद करना कोई ऑप्शन नहीं है। इन मुश्किलों के बावजूद, स्टेशन रीडेवलपमेंट तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, जिसमें सेफ्टी पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है और रेल ऑपरेशन बिना किसी रुकावट के चलता रहे, यह सुनिश्चित किया जा रहा है।

मंत्री ने यह भी कहा कि आज़ादी के बाद पहली बार, भारत अपने स्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर में इतना बड़ा बदलाव देख रहा है, जो देश के लिए बिल्कुल नया अनुभव है। इन कामों के लिए बहुत अच्छी प्लानिंग, तालमेल और इंजीनियरिंग की सटीकता की ज़रूरत होती है, और ये सभी काम रोज़ाना ट्रेन की आवाजाही से समझौता किए बिना किए जा रहे हैं।

यह कमिटमेंट अमृत भारत स्टेशन स्कीम में सबसे ज़्यादा दिखता है, जिसके तहत ₹६०,००० करोड़ से ज़्यादा के निवेश से १,३०० से ज़्यादा स्टेशनों को भविष्य के स्टैंडर्ड के हिसाब से अपग्रेड किया जा रहा है। पहले ही, १६० स्टेशनों को रीडेवलप किया जा चुका है। मॉडर्न इंजीनियरिंग सॉल्यूशन से लेकर बेहतर पैसेंजर सुविधाओं तक, हर प्रोजेक्ट को धीरे-धीरे और बहुत सोच-समझकर प्लान किया जा रहा है ताकि स्टेशन देश की लाइफलाइन की सेवा करते हुए वर्ल्ड-क्लास ट्रांज़िट हब बन सकें।

इस साल की शुरुआत में, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के बीकानेर से १०३ अमृत भारत स्टेशनों के एक और बैच के रीडेवलपमेंट कार्यों की शुरुआत की, जो देश भर में मॉडर्नाइज़ेशन ड्राइव में एक बड़ा मील का पत्थर है। ये स्टेशन, बेहतर बाहरी हिस्से, बड़े सर्कुलेशन एरिया, सस्टेनेबल बिल्डिंग फीचर्स और आसान मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन के साथ डिज़ाइन किए गए हैं, जो भारत के मॉडर्न, कुशल और पैसेंजर-फ्रेंडली रेल यात्रा के विज़न को दिखाते हैं।

अमृत भारत स्टेशन स्कीम भारत की रिकॉर्ड स्पीड से मुश्किल इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड करने की क्षमता का एक मज़बूत सबूत है-साथ ही हर दिन ट्रेनें चलती रहती हैं, पैसेंजर चलते रहते हैं और सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता होती है।

ई–प्रोक्योरमेंट सेल
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड, राँची

ई–प्रोक्योरमेंट अतिअल्पकालीन निविदा (द्वितीय आमंत्रण)
PR No- 366698

ई–टेन्डर रेफरेन्स नं०– **27/2025-26** दिनांकः– **10-12-2025**

Sl	Name of the work	Name of Group	Block	Estimated Cost (in Lac)	Earnest Money (Rs.)	Cost of Tender Paper (Rs.)	Time of Completion
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Drinking Water facilities in Anganbari Centre under D.W.& S Division, **NO.-2, GIRIDIH** for the year 2025-26.(Deposit fund)	GIR-3	BIRNI	6.84453	15000/-	1250/-	45 Days
2		GIR-5	BAGODAR	8.50381	17500/-	1250/-	45 Days
3	Date & Time of Publication of Tender on Website.			12-12-2025 at 5:00 PM			
4	Last Date & Time for Receipt of Bid. (Online)			18-12-2025 up to 5:00 PM			
5	Cost of tender Paper and Earnest Money Deposit on submission of bids (if applicable) as per mentioned in Annexure- 1 vide letter No- 120 dt 03.10.2023 by Secretary, Department of InfoGIRation Technology and e-Governance Government of Jharkhand.			18-12-2025 up to 5:00 PM			
6	Date & Time of Opening of Tender			19-12-2025 up to 5:00 PM			
7	Name & Address of Office inviting tender			Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division No.-2, Giridih			
8	Contact No. of Procurement Office			7544099310			
9	Helpline No. of e-procurement cell			0651-248045			

Note:-
- **No claim shall be entertained because of disputation of internet service being used by the bidders. Bidders are advice to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snags.**
- **Further details can be seen on website** Http://jharkhandtenders.gov.in
- **Estimated Cost may be increase or decrease.**

(Er. Avik Ambala)
Executive Engineer,
Drinking Water & Sanitation Division No-2,Giridih

PR 368180 (Drinking Water and Sanitation)25-26*D

गुलशन ग्रोवर ने डॉयलाग से लोगों को खूब गुदगुदाया

अलीगंज,(ईएमएस): बॉलीवुड के विलेन का किरदार निभाने वाले गुलशन ग्रोवर के डायलॉग ने एक व्यवसायिक कार्यक्रम में धूम मचा दी। उन्होंने एक से बढ़कर एक डायलाग अपने चिर-परिचित अंदाज में सुनाए। इस दौरान उनके साथ सेल्फी लेने वालों की होड़ लगी रही। सम्मान समारोह गुलशन ग्रोवर की उपस्थिति आकर्षण का केंद्र बनी रही। इस दौरान कपिल शर्मा के शो में मिमीक्री करने वाले बीआईपी गुप्ता ने कई फिल्मी कलाकारों और राजनीतिक दलों की आवाज सुनाकर दर्शकों को खूब गुदगुदाया।

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
जिला नियोजनालय गिरिडीह

भर्त्ती कैम्प–2025
रिक्ति सूचना

राज्य के बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से **जिला नियोजनालय, गिरिडीह** के द्वारा, **श्रम कल्याण केन्द्र, अरगाघाट रोड, गिरिडीह** में एक दिवसीय भर्त्ती कैम्प का आयोजन **दिनांक 13.12.2025** को पूर्वाहन 10:00 बजे से अपराहन् 4:00 बजे तक आयोजित किया जा रहा है।
भर्त्ती कैम्प में निम्नांकित रिक्तियों के साथ विभिन्न प्रतिष्ठानों ने सम्मिलित होने की सहमति व्यक्त की है :–

Stall No	Name of Employer	Name of the post	Number of vacancy	Qualification Required: Essential*	Qualification Required: Desirable	Experience if any	Age (min-max)	Salary	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	SHIV TEXTILES, (Giridih)	Computer Billing Staff	04	12th Pass	-	2 Years	Above 25 yrs	**Rs. 13,000/-**	Giridih posting
		Data Feeder	04	12th Pass	-	2 Years	Above 25 yrs	**Rs. 13,000/-**	
		Sales Man	02	12th Pass	-	5 Years	Above 25 yrs	**Rs. 13,000/-**	
		H.R	01	Graduation	-	5 Years	Above 30 yrs	**Rs. 15,000/-**	
2	KALYAN GURUKUL (PRERHA FOUNDATION), (Giridih)	Boom Lift Operator	50	10th Pass	-	Fresher	18-32	**Rs. 18,000-21,000/-**	Pan India posting (Placement After Training)
		Plumber	50	Below10th Pass	-	Fresher	18-32	**Rs. 19,000-20,000/-**	Pan India posting (Placement After Training)
		Electrician & Plumber	100	10th Pass	-	Fresher	18-35	**Rs. 30,000-40,000/-**	Dubai posting (Placement After Training)
		CNC Operator	50	10th Pass	-	Fresher	18-28	**Rs. 18,000-20,000/-**	Pan India posting (Placement After Training)
3	EDUVATANGE PVT LTD, (Delhi) (Hiring for the Company) i Western Refrigeration Pvt Ltd, (Gujrat)	Apprenticeship	300	12th /ITI	-	Fresher	18-35	**Rs. 19,600/-**	Plus Other Incentives

भर्त्ती कैम्प में भाग लेने के इच्छुक अभ्यर्थी को झारखण्ड के किसी भी नियोजनालय में निबंधित होना अनिवार्य है। यदि वे पूर्व में निबंधित नहीं है तो भर्त्ती कैम्प से पूर्व अपना निबंधन अपने स्थानीय नियोजनालय या **https://jharniyojan.jharkhand.gov.in** के माध्यम से करा सकते हैं। अभ्यर्थी सभी प्रमाण पत्रों (शैक्षणिक प्रमाण –पत्र, आधार कार्ड आवासीय प्रमाण पत्र, कार्ड अनुभव प्रमाण–पत्र आदि) बायोडाटा नियोजनालय निबंधन कार्ड एवं 04 फोटो के साथ **दिनांक–13.12.2025 को पूर्वाहन 10:00 बजे से अपराहन् 04:00 बजे** तक **जिला नियोजनालय, श्रम कल्याण केन्द्र, अरगाघाट रोड, गिरिडीह** में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। रिक्ति निजी क्षेत्र से संबंधित है, इसलिए रिक्ति की शर्तों के लिए सीधे नियोजक उत्तरदायी हैं। विभाग एवं नियोजनालय मात्र सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य कर रहे हैं। भर्त्ती कैम्प में भाग लेने के लिए किसी भी प्रकार का भत्ता देय नहीं होगा।

ह0/–
जिला नियोजन पदाधिकारी,गिरिडीह

PR 368192 Labour Employment and Traning(25-26).D

सीएम ने अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने का दिया निर्देश

पटना (एजेंसी): मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार चुनाव से पहले प्रगति यात्रा निकाली थी, जिसमें उन्होंने जनता से कुछ वादे किए थे. अब सत्ता में वापसी के बाद सीएम नीतीश अपने वादों को पूरा करने के जुटे हैं. इसी कड़ी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार (१० दिसंबर) उच्चस्तरीय समीक्षा की. जिसमें सीएम ने अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने का दिया निर्देश. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज एक अणे मार्ग स्थित ''संकल्प'' में प्रगति यात्रा के दौरान घोषित विकास योजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा की और अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया. समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने बताया कि प्रगति यात्रा के दौरान सीएम नीतीश की ओर से २२ विभागों से संबंधित कई योजनाओं को स्वीकृति दी गई थी.

इन विभागों की ओर से ४२८ योजनाओं की स्वीकृति दे दी गयी है, जबकि २ योजनाएं तकनीकी रूप से अनुपयुक्त पाई गई हैं. ये योजनाएं जल संसाधन विभाग से संबंधित हैं. वहीं २१ योजनाओं का काम पूरा हो चुका है. शेष योजनाओं पर काम तेजी से चल रहा है और उसे ससमय पूरा कर लिया जाएगा. समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष २०२४ के दिसंबर एवं २०२५ के जनवरी-फरवरी महीने में मैंने प्रगति यात्रा के दौरान सभी जिलों में जाकर विकास कार्यों को देखा था. यात्रा के दौरान जो लोगों का फीडबैक मिला और जमीनी स्तर पर मुझे जो कमी दिखी उसे पूरा करने के लिए ४३० नई योजनाओं की स्वीकृति दी गई, जिस पर ५० हजार करोड़ रूपये खर्च किये जायेंगे. उन्होंने कहा कि सभी ३८ जिलों से संबंधित इन योजनाओं की लगातार समीक्षा करते रहें और कार्यों को तेजी से पूरा करने का प्रयास करें. सीएम ने कहा कि सभी विभाग लंबित योजनाओं को जल्दी से जल्दी पूरा करें.

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार लगातार प्रयत्नशील हैं. राज्य के सभी क्षेत्रों और सभी वर्गों के विकास के लिए योजनाबद्ध ढंग से काम किया जा रहा है. लोगों के उत्थान के लिए जो योजनायें बनायी गयी हैं उस पर पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करें. हम सभी चाहते हैं कि बिहार देश के ०५ अग्रणी विकसित राज्यों में शामिल हो. बैठक में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह, सभी संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव/ प्रधान सचिव/सचिव, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी डॉ० गोपाल सिंह एवं मुख्यमंत्री के सचिव डॉ० चन्द्रशेखर सिंह उपस्थित हुए.

जदयू नेता की गोली मारकर हत्या

पटना,(ईएमएस): बिहार के बेगूसराय से बड़ी वारदात सामने आई है, जहां जदयू नेता नीलेश कुमार (३७) की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या की। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश हथियार लहराते हुए फरार हुए्। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार,घटना जिले के पीरनगर गांव की है। बताया जा रहा है कि घर से कुछ दूरी पर बने अपने मवेशी बथान में सो रहे नीलेश पर अचानक ६ से अधिक बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली की आवाज सुनकर परिजन और ग्रामीण दौड़े, तब तक हथियारबंद बदमाश फरार हो चुके थे।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है और एफएसएल की टीम सबूत इकट्ठा कर रही है। मृतक के पिता रामबली महतो ने बताया कि नीलेश पहले जदयू के पंचायत अध्यक्ष थे और हाल ही में विधानसभा चुनावों में भी सक्रिय रहे थे। उन्होंने बताया कि पहले गांव के ही बृजेश कुमार के साथ जमीन विवाद था।

विपक्ष लगातार ईवीएम पर सवाल उठा रहा जबकि चुनाव आयोग एक कदम और आगे निकला

पटना (एजेंसी): बिहार चुनाव में मिली करारी हार का ठीकरा महागठबंधन के नेता ईवीएम पर फोड़ रहे हैं. तेजस्वी यादव के बाद अब राजद प्रवक्ता शक्ति यादव ने भी ईवीएम को दोषी ठहराया है. उन्होंने ईवीएम से चुनाव कराने को लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हुए कहा कि जब विकसित देशों में बैलेट पेपर से चुनाव हो रहे हैं, तो भारत में ईवीएम से चुनाव कराने की जरूरत क्या है? राजद नेता ने कहा कि जो जनादेश छक्ऊ को मिला है, वह किसी से पच नहीं रहा है. लोग यह मानने को तैयार नहीं हैं कि कैसे एनडीए को यह जनादेश मिल सकता है. विपक्ष जहां अभी तक एतच् पर सवाल उठा रहा है, वहीं चुनाव आयोग अब एक और कदम आगे बढ़ रहा है. इलेक्शन कमीशन इस बार बिहार पंचायत चुनाव भी एतच् से कराने का ऐलान किया है.

जानकारी के मुताबिक, चुनाव आयोग ने पहली बार त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में वोटिंग के लिए एतच् का इस्तेमाल करने का निर्णय लिया है. सूत्रों के मुताबिक, इस बार चुनाव में मल्टी-पोस्ट एतच् लगेगी, यानी कंट्रोल यूनिट (उण) एक होगी, लेकिन छह अलग-अलग बैलेट यूनिट (इरश्रश्रें णपळीं) होंगी. मतदाताओं को मुखिया, सरपंच, पंच, वार्ड सदस्य, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद के लिए छह अलग मशीनों में वोट डालने होंगे. इसे इलेक्शन कमीशन का बड़ा कदम माना जा रहा है, लेकिन आने वाले दिनों में इस पर भी सियासत देखने को मिल सकती है.

उधर दूसरी ओर चुनाव सुधार के मुद्दे पर संसद में बहस का दौर जारी है. इस दौरान विपक्षी सदस्य एक सुर में चुनाव आयोग और एतच् पर सवाल उठा रहे हैं. तो सत्तापक्ष की ओर से माकूल जवाब दिए जा रहे हैं. मंगलवार को इस मुद्दे पर काफी तीखी बहस देखने को मिली. लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर से बीजेपी पर कथित 'वोट चोरी' का आरोप लगाया. राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ये सुधार नहीं चाहती, लेकिन हम हर हाल में बदलाव लाएंगे.

वहीं अखिलेश यादव समेत कई अन्य विपक्ष सांसदों ने डखठ और एतच् पर सवाल उठाए. अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब तक १० इङ्ज इस प्रक्रिया में अपनी जान गंवा चुके हैं. उन्होंने मृतक बीएलओ के परिवार को १ करोड़ रुपये और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है.

नेशनल चैंपियनशिप में शामिल होने के लिए सारिका को खरीदना पड़ी पांच गुना महंगी टिकट

अलीगढ़(ईएमएस): इंडिगो की अधिकांश उड़ानों के रद्द होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसका असर अन्य एयरलाइनों के किरायों पर भी पड़ा है, जो अचानक कई गुना बढ़ गए हैं। इसी स्थिति का सबसे बड़ा खामियाजा अलीगढ़ की राष्ट्रीय रोलर हॉकी खिलाड़ी सारिका शर्मा को उठाना पड़ा। विशाखापत्तनम में होने वाली ६३वीं नेशनल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में शामिल होने के लिए उन्हें सामान्य से पाँच गुना अधिक किराया देकर टिकट बुक करानी पड़ी।

अलीगढ़ के फायर ब्रिगेड कॉलोनी में रहने वाली और एएमयू की छात्रा सारिका का चयन इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए हुआ था। उन्हें ९ दिसंबर को रिपोर्ट करना था, इसलिए ८ दिसंबर की रात तक विशाखापत्तनम पहुँचना अनिवार्य था। इसी तैयारी में परिवार ने पहले से ही ६ दिसंबर की दिल्ली-विशाखापत्तनम फ्लाइट की टिकट बुक कर ली थी, जिसकी कीमत करीब साढ़े तीन हजार रुपये थी।

लेकिन एयरपोर्ट पहुँचने पर पता चला कि फ्लाइट रद्द हो चुकी है। मजबूर होकर ७ दिसंबर के लिए नई टिकट बुक की गई, जिसकी कीमत १८ हजार रुपये थी, पर यह फ्लाइट भी कैंसिल हो गई। लगातार दो उड़ानों के रद्द होने से सारिका की उम्मीदें टूटने लगीं। उन्हें लगने लगा कि शायद अब वह नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा ही नहीं ले पाएंगी।

आखिरकार तीसरी बार ८ दिसंबर के लिए टिकट बुक की गई, जिसकी कीमत ३० हजार रुपये रही। यह राशि पहले टिकट की तुलना में लगभग पाँच गुना अधिक थी। इतनी महंगी टिकट लेने के बाद भी जब सारिका सोमवार सुबह एयरपोर्ट पहुँचीं, तो उन्हें निराशा हुई क्योंकि उनकी फ्लाइट डिस्प्ले बोर्ड पर दिख नहीं रही थी। एयरपोर्ट पर कई उड़ानें रद्द हो रही थीं, जिससे उनके मन में फिर से आशंका पैदा हुई कि शायद प्रतिस्पर्धा में शामिल होने का मौका हाथ से निकल न जाए। लेकिन दोपहर १२:३० बजे उनकी फ्लाइट डिस्प्ले पर दिखाई दी और सारिका की उम्मीदें लौट आईं। उन्होंने निर्धारित समय पर विशाखापत्तनम के लिए उड़ान भरी और चैंपियनशिप में शामिल होने का अवसर बचा लिया। सारिका का रोलर हॉकी में शानदार रिकॉर्ड रहा है। वह जूनियर और सब जूनियर कैटेगरी में चार बार राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुकी हैं। इसके अलावा वह उत्तर प्रदेश टीम की कप्तान और उप कप्तान भी रह चुकी हैं। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सीनियर सेकेंडरी गर्ल्स स्कूल से १२वीं की शिक्षा पूरी की है।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार ब्रेज़ा की दूसरी कार से टक्कर, 5 की मौत

बाराबंकी (ईएमएस): यूपी के बाराबंकी जिले में बुधवार को सुबेहा थाना इलाके में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गयी। यहाँ कुड़वां गांव के निकट ५१.६ किलोमीटर पर तेज रफ्तार से आ रही ब्रेज़ा कार ने पहले से खड़ी वैगनआर में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों गाड़ियां आग की लपटों में घिर गईं।

घटनाक्रम के अनुसार लखनऊ की ओर जा रही ब्रेज़ा कार अचानक खड़ी वैगनआर से जा टकराई्। टक्कर इतनी भयंकर थी कि वैगनआर में तुरंत आग लग गई और कुछ ही पलों में दोनों गाड़ियां धू-धू कर जलने लगीं्। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और यूपीडा के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य में जुट गए्। बताया जा रहा है कि ब्रेज़ा में सवार चार लोगों में तीन महिलाएं और एक लड़की थी। इनमें से तीन सुरक्षित हैं, लेकिन एक लड़की की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं वैगनआर में तीन बच्चे, एक महिला और एक पुरुष सवार थे।

12 से शुरू होने जा रहा राजस्व महा-अभियान : डिप्टी सीएम

पटना (एजेंसी): बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बुधवार को पुराना सचिवालय स्थित राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि १२ दिसंबर से राजस्व महा-अभियान की शुरुआत की जाएगी. उन्होंने कहा कि इस अभियान को 'भूमि सुधार जनकल्याण संवाद' नाम दिया गया है. ३१ दिसंबर तक सभी ४६ लाख आवेदनों की अपलोडिंग का लक्ष्य रखा गया है और अगले १०० दिनों में हर जिले में रैयतों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा. अपने कार्यालय कक्ष में विभाग के प्रधान सचिव सीके अनिल और सचिव जय कुमार सिंह की उपस्थिति में डिप्टी सीएम ने कहा कि विभाग की प्राथमिकता दाखिल खारिज और परिमार्जन को लेकर आ रही समस्या को दूर करना है, क्योंकि सबसे ज्यादा लोग इसी बात से परेशान हैं.

डिप्टी सीएम ने बताया कि राजस्व महा-अभियान का मुख्य उद्देश्य राज्य की जमाबंदी को अपडेट करना है. इस अभियान के दौरान उत्तराधिकार नामांतरण, बंटवारा नामांतरण, डिजिटाइज्ड जमाबंदी में त्रुटि सुधार एवं छूटी हुई जमाबंदी को ऑनलाइन करने के लिए आवेदन लिए गए थे. इस दौरान सभी रैयतों तक उनकी जमाबंदी की प्रति घर-घर पहुंचाई गई. अभियान के दौरान पंचायत स्तर पर लगाए गए शिविरों में ४६ लाख आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से १५ लाख आवेदनों की अपलोडिंग अब तक पूरी की जा चुकी है. शेष आवेदनों को ३१ दिसंबर तक अपलोड करने का कार्य तेजी से जारी है.

उन्होंने कहा कि जनवरी से मार्च के बीच पंचायत स्तर पर ही फिर से शिविर लगाकर सभी आवेदनों का निष्पादन किया जाएगा. डिप्टी सीएम ने ने बताया कि रैयतों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए नई सरकार की 'नई पहल' के तहत भूमि सुधार जनकल्याण संवाद कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है. १२ दिसंबर को पटना से इसकी शुरुआत होगी. यह संवाद कार्यक्रम अगले १०० दिनों में राज्य के सभी जिलों में आयोजित किया जाएगा. संवाद के दौरान विभाग के सभी संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे.

कार्यक्रम के क्रम में १५ दिसंबर को लखीसराय के टाउन हॉल में भूमि सुधार जनकल्याण संवाद का आयोजन किया जाएगा. शेष जिलों का कार्यक्रम निर्धारित करने का काम भी चल रहा है.

दुल्हन ने लगाया दूल्हे पर शारीरिक अक्षमता का आरोप, मांगी तलाक

गोरखपुर,(ईएमएस): यूपी के गोरखपुर में एक दुल्हन ने शादी के दूसरे ही दिन अपने पति पर शारीरिक अक्षमता का आरोप लगाया। दुल्हन ने अब तलाक की मांग की है। मामला तब सुर्खियों में आया जब दुल्हन के पिता ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि दूल्हा शारीरिक रूप से सक्षम नहीं है और धोखा देकर यह शादी की गई है।

पुलिस के मुताबिक दोनों परिवारों को बुलाकर पंचायत कराई गई लेकिन उसके बावजूद भी कोई समाधान नहीं निकला। दूल्हा बीटेक पास है और किसी प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है। उसकी शादी बेलीपार क्षेत्र की रहने वाली युवती से धूमधाम से हुई थी। सुहागरात के बाद पत्नी ने अपने पति पर शारीरिक रूप से अक्षम होने का आरोप लगाते हुए तलाक मांगा, जिसके बाद दोनों परिवारों के बीच तनाव बढ़ गया।

मेडिकल छात्रों को अब डीएनबी के लिए नहीं जाना पड़ेगा बाहर

पटना (एजेंसी): पटना के राजेंद्र नगर नेत्रालय में अगले सत्र से ऑप्थैल्मोलॉजी विषय में डीएनबी कोर्स शुरू करने की तैयारी पूरी हो गई है. अस्पताल प्रशासन ने बताया कि सत्र २०२६-२७ से यह कोर्स उपलब्ध होगा. अब राज्य के एमबीबीएस छात्रों को इस विशेष प्रशिक्षण के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा. यह सुविधा मिलने से नेत्र चिकित्सा में करियर बनाने वाले छात्रों को बड़ा लाभ होगा.

डीएनबी कोर्स शुरू करने के लिए अस्पताल में एडवांस ऑडिटोरियम और आधुनिक क्लासरूम बनाए गए हैं. स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने जुलाई में इन दोनों सुविधाओं का उद्घाटन किया था. अस्पताल का लक्ष्य है कि छात्रों को थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल प्रशिक्षण भी मजबूत तरीके से उपलब्ध कराया जाए.

अस्पताल में ऑप्टोमेट्री कोर्स पहले से ही चल रहा है. छात्र नियमित क्लास और प्रैक्टिकल अभ्यास के जरिए नेत्र चिकित्सा से जुड़ी तकनीकों को सीख रहे हैं. डीएनबी कोर्स की मंजूरी के लिए बीएचयू और अन्य प्रमुख संस्थानों से आए विशेषज्ञों ने निरीक्षण किया और औपचारिक स्वीकृति प्रदान की.

राजेंद्र नगर नेत्रालय ने पिछले एक वर्ष में ८० हजार से अधिक नेत्र ऑपरेशन किए हैं. बड़ी संख्या में मरीज यहां आधुनिक सुविधाओं और बेहतर इलाज के लिए आते हैं. कई मरीजों ने अस्पताल की सेवाओं की सराहना की और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद दिया.

बढ़ सकती है एसआईआर की अवधि

लखनऊ(ईएमएस): उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए और समय मिलना लगभग तय है। बीएलओ की ओर से करीब १७.७ प्रतिशत (पौने तीन करोड़) मतदाताओं के गणना फॉर्म इक्ठा न हो पाने की रिपोर्ट दी गई है। उच्चपदस्थ सूत्रों के अनुसार, इसे देखते हुए प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा है, जिसमें एसआईआर के लिए और समय देने का अनुरोध करने का फैसला किया है। नया फैसला कभी भी आ सकता है। इससे पहले ३० नवंबर को गणना फॉर्म भरने की तिथि ४ दिसंबर से बढ़ाकर ११ दिसंबर की गई थी। प्रदेश में १५.४४ करोड़ से ज्यादा मतदाता हैं्। चुनाव आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का काम ९७.३ प्रतिशत पूरा हो चुका है।

प्रदेश में ८० प्रतिशत गणना फॉर्म वापस आ चुके हैं, जबकि १७.७ प्रतिशत फॉर्म जमा हो पाने की स्थिति में ही नहीं हैं्। यह आंकड़ा बड़ा है। इसलिए यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध किया है कि वे इन फॉर्मों को संग्रहित करवाने में मदद करें्। सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया कि चेक कराएं कि क्या वाकई इन फॉर्मों के वापस आ पाने की स्थिति नहीं है।

बस और ट्रक में भिडंत, 4 की मौत

फतेहपुर(ईएमएस): खाटूश्याम जा रही तीर्थयात्रियों से भरी बस एक ट्रक से जा भिड़ी। इस हादसे में बस चालक समेत तीन लोगों की मौत हुई है जबकि २८ लोग घायल हैं जिसमें से ७ की हालत गंभीर है। राजस्थान के फतेहपुर शेखावाटी में मंगलवार देर रात जयपुर-बीकानेर नेशनल हाइवे पर हुए इस दर्दनाक सड़क हादसा हुआ्। यहां एक स्लीपर बस और ट्रक के बीच भीषण भिड़ंत हो गई जिसमें बस ड्राइवर समेत ४ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और २८ यात्री घायल हो गए्। घायलों में ७ लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा रात करीब १०:४० बजे फतेहपुर के पास हुआ्। जानकारी के अनुसार स्लीपर बस बीकानेर की ओर से जयपुर जा रही थी जबकि ट्रक झुंझुनू से बीकानेर की ओर जा रहा था। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह से चकनाचूर हो गया। कई यात्री अपनी सीटों में ही फंस गए्।

बस में सवार एक यात्री शीला बेन जिन्हें नाक में फ्रैक्चर हुआ है ने बताया कि वे खाटूश्यामजी जा रहे थे। उन्होंने कहा, ज़्यादातर सवारी सो चुकी थी। मैं अपने बेटे के साथ थी तभी अचानक एक ज़ोर का झटका लगा। दुर्घटना में घायल हुए अन्य १३ यात्रियों का इलाज फतेहपुर के स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई्। हाइवे से गुज़र रहे अन्य वाहनों के रुकने के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। बस में फंसे यात्रियों को निकालने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। घायलों को तुरंत फतेहपुर और सीकर के अस्पतालों में पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों की कई टीमें इलाज में जुटी हैं्। हादसे में जान गंवाने वालों में बस ड्राइवर कमलेश और एक यात्री मयंक शामिल है्।

दो नए और आधुनिक वाटर स्प्रिंकलर खरीदेगा

गोरखपुर,(ईएमएस): सीएम योगी के गृह शहर गोरखपुर में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए नगर निगम ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाने वाला है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत निगम करीब डेढ़ करोड़ की लागत से दो नए और आधुनिक वाटर स्प्रिंकलर खरीदने वाला है। इन स्प्रिंकलरों की फुहार से शहर के वायु प्रदूषण पर नियंत्रण रखेगा। इसके अलावा चौराहों पर प्रदूषण नियंत्रण संबंधी उपकरण भी लगाने की तैयारी है। गोरखपुर नगर निगम के पास वर्तमान में चार वाटर स्प्रिंकलर मशीनें मौजूद हैं, लेकिन शहर के आकार और ट्रैफिक की बढ़ती गतिविधियों को देखकर धूल प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए संख्या कम है।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा के लिए निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (विधुत/परिचालन), पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु सक्षम संविदाकारों से ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैं: **ई–निविदा संख्या:** GEM/2025/B/6976331, dated 08/12/2025, (1) **कार्य का नाम, स्थान एवं समापन की अवधि :** धनबाद मंडल के विभिन्न क्रू लॉबी में स्थापित (CMS) क्रू प्रबंधन प्रणाली उपकरणों के 02 वर्ष (24 माह) हेतु (AMC) वार्षिक अनुरंक्षण अनुबंध हेतु।, (2) **कार्य के लिए प्राक्कलित राशि:** रु. 21,86,720.00, (3) **अग्रधन राशि :** रु. 44,000.00, (4) **ई–निविदा बंद होने और खुलने की तिथि एवं समय:** ई–निविदा का बंद होना : 29.12. 2025 को 18:00 बजे ई–निविदा का खुलना : 29.12. 2025 को 18:30 बजे, (5) **वेबसाईट का विवरण:** वेबसाईट: http://gem.gov.in विशेष: ई–निविदा के तहत किसी भी प्रकार के मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नही किये जाएंगे।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/परि०)
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/1428/डीएचएन/ईएलईसीटी/टी/25–26/28

पूर्व मध्य रेल

खुली निविदा

बैच संख्या–10/2025 , दिनांक : 08/12/2025

आईआरईपीएस www.ireps.gov.in के वेब पोर्टल "पार्टिसिपेशन इन थ्रू" सामग्री की आपूर्ति के लिए ई–निविदा सूचना। निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा बंद करने का समय 14.00 बजे है :– (1) निविदा सं ० : 30255248, **सामग्री का संक्षिप्त विवरण :** रूफ मौटेड एयर कंडिशनिंग सिस्टम विदाउट "ट्रौ " टू स्पेक्न नंबर. आरडिएस ओ/2007/ईल/स्पेक्न/0055, रिवियु 2 ऑर लेटैस्ट. (01 सेट = 02 नंबर्स) ईच सेट। कनसिसटिंग ऑफ 02 यूनिट्स ऑफ कैब एसी., **मात्रा:** 160 सेट्स, **निविदा जारी करने की तिथि एवं समय :** 06 दिसम्बर 2025 10:43 बजे, **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** 08 जनवरी 2026 14:00 बजे, प्रतिभागियों को अपना प्रस्ताव समापन तिथि और समय से पहले आईआरईपीएस–www.ireps.gov.in के वेब पोर्टल के माध्यम से केवल ऑन–लाइन जमा करना होगा।। उपरोक्त पोर्टल पर निविदा सूचना में प्रेषिती के संबंध में अन्य विवरण और भंडार का विस्तृत विवरण निविदा दस्तावेज में उपलब्ध है।

सहायक सामग्री प्रबंधक (क. च. स्टॉक)
ने. सु. च. बोस. जं० गोमोह, पूर्व मध्य रेल

पीआर/1426/जीएमओ.सीएसडी/एसटीआरई/टी/25–26/28

महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करके बुरे फंसे संत अनिरुद्धाचार्य

मथुरा (ईएमएस): वृंदावन के प्रसिद्ध संत और कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करके मुश्किलों में फंस गए हैं। उन्होंने प्रवचन के दौरान कहा था, महिलाएं २५ वर्ष की उम्र में चार जगह मुंह मार लेती हैं। इसलिए उनकी शादी १४ वर्ष की आयु में हो जानी चाहिए्। इस बयान को लेकर अखिल भारतीय हिंदू महासभा आगरा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने कोर्ट में शिकायत की थी। मथुरा सीजेएम कोर्ट ने परिवाद यानी शिकायत दर्ज करते हुए मामले में सुनवाई के लिए एक जनवरी २०२६ की तारीख तय की है।

अखिल भारतीय हिंदू महासभा आगरा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने मथुरा में मीडिया से बात की। भारतीय हिंदू महासभा आगरा जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने संत अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ न्यायालय में लिखित प्रार्थना पत्र दिया था। उसमें कहा गया था कि कथा प्रवचन के दौरान अनिरुद्धाचार्य महिलाओं पर विवादित टिप्पणी करते हैं जो गलत है। संत ने एक प्रवचन के दौरान कहा था, महिलाएं २५ वर्ष की उम्र में चार जगह मुंह मार लेती हैं। इसलिए उनकी शादी १४ वर्ष की आयु में हो जानी चाहिए्। विवादित बयान के बाद जनपद न्यायालय सीजेएम कोर्ट ने मामला संज्ञान में लिया और १ जनवरी को इस मामले में सुनवाई होगी।

वृंदावन के प्रसिद्ध संत अनिरुद्धाचार्य के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब इंस्टाग्राम फेसबुक पर लाखों फॉलोअर हैं्। अनिरुद्धाचार्य की कथा सुनने के लिए भक्तों का तांता लगा रहता है। वृंदावन परिक्रमा मार्ग पर उनका गौरी गोपाल के नाम से आश्रम बना हुआ है। कुछ महीने पहले वृंदावन में कथा प्रवचन के दौरान शिष्यों ने पूछा लड़कियों की शादी कब हो जानी चाहिए्। इस पर संत ने जवाब दिया कि लड़कियों की शादी १४ वर्ष की अवस्था में हो जानी चाहिए्। क्योंकि, २५ वर्ष की आयु होते-होते लड़कियां कई जगह मुंह मार लेती हैं जो गलत है।

अधिवक्ता मनीष गुप्ता ने बताया मीरा राठौर के द्वारा सीजेएम कोर्ट में एक लिखित शिकायत की गई थी, उसका कोर्ट ने संज्ञान लिया है। कोर्ट ने वाद को पंजीकृत कर लिया है। अब अगली सुनवाई एक जनवरी २०२६ को होगी। इस दिन शिकायतकर्ता मीरा राठौर अपने बयान दर्ज कराएंगी। मीरा राठौर ने कहा ऐसे संतो को जेल भेज देना चाहिए्। महिलाओं के खिलाफ अनिरुद्धाचार्य विवादित टिप्पणी करते रहते हैं जो गलत है। मुझे नहीं लगता कि वह असली साधु संत हैं्। साधु संतों की यह भाषा नहीं होती है। अगर यही बात कोई मौलाना मौलवी कहता तो उसके मकान-मस्जिद पर बुलडोजर चल जाता। अनिरुद्धाचार्य के खिलाफ पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया तो मुझे न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। न्यायालय में जीत हुई्। हम मांग करते हैं मुकदमा दर्ज करके तत्काल अनिरुद्धाचार्य को जेल भेजना चाहिए्।

झारखंड में नल-जल योजना का कार्य प्रभावित

रांची (एजेंसी): केंद्र सरकार की ओर से पर्याप्त राशि समय पर नहीं मिलने से कई जिलों में परियोजनाएं अधूरी पड़ी हैं। झारखंड में इस वजह से ही नल-जल योजना का कार्य प्रभावित हो रहा है। ये बातें बुधवार को राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने विधानसभा में प्रश्नों का जवाब देने के दौरान कही। उन्होंने कहा कि राज्यभर में इस योजना के तहत ९७,५३५ परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। अबतक ५६,३८६ पूरी हो चुकी हैं। बाकी योजनाएं निर्माणाधीन हैं और संसाधनों की कमी की वजह से देरी हो रही है।

विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि केंद्र से अपेक्षित धन उपलब्ध नहीं होने के बावजूद राज्य सरकार अपने हिस्से की १२३१ करोड़ रुपये की राशि से परियोजनाओं को गति देने का प्रयास कर रही है।

इससे पहले जेएमएम विधायक हेमलाल मुर्मू ने संथाल परगना क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति योजनाओं की खराब स्थिति पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में योजनाएं चालू होते हुए भी लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। अधूरे कार्यों के बावजूद काम करने वाली एजेंसियों को भुगतान कर दिया गया है। साथ ही पूछा कि लिट्टिपाड़ा और डिप्टी पाड़ा प्रखंडों में गंगा नदी से जलापूर्ति की कोई योजना लागू की जा रही है या नहीं। इस पर मंत्री ने जवाब दिया कि गंगा नदी से प्रस्तावित जलापूर्ति योजनाओं की सूची वे संबंधित विधायक को उपलब्ध करा देंगे। हेमलाल मुर्मू ने आगे बताया कि इन दोनों प्रखंडों में ४० प्रतिशत से अधिक कार्य अधूरे पड़े हैं। मंत्री ने स्वीकार किया कि धन की कमी के कारण काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

बार काउंसिल चुनाव में महिलाओं को 30 फीसदी आरक्षण

रांची (एजेंसी): झारखंड स्टेट बार काउंसिल के आगामी चुनावों में अब महिला अधिवक्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित हो गई है।

झारखंड हाईकोर्ट ने मौजूदा सदस्यों की सेवा अवधि बढ़ाने की याचिका को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट के ४ दिसंबर के ऐतिहासिक आदेश पर तुरंत अमल का रास्ता साफ कर दिया। इसके साथ ही राज्य बार काउंसिल की २५ निर्वाचित सीटों में कम से कम ७ से ८ सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने देश की सभी राज्य बार काउंसिलों में महिलाओं के लिए न्यूनतम ३० प्रतिशत आरक्षण लागू करने का सख्त निर्देश दिया था। जहां महिला वोटरों की संख्या कम है, वहां २० प्रतिशत सीटें प्रत्यक्ष चुनाव से और १० प्रतिशत को-ऑप्शन से भरी जाएंगी। झारखंड में भी यही फॉर्मूला लागू होगा।

गौरतलब है कि मौजूदा झारखंड स्टेट बार काउंसिल में एक भी महिला सदस्य नहीं है।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के सामने सेवा विस्तार का कोई कानूनी आधार नहीं बचता। जस्टिस एसएन प्रसाद की बेंच ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि अब चुनाव प्रक्रिया में देरी का कोई औचित्य नहीं है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने सभी राज्य परिषदों को १५ दिसंबर तक नई व्यवस्था के अनुसार चुनाव कार्यक्रम घोषित करने का अल्टीमेटम दिया है। सूत्रों की मानें तो झारखंड में जनवरी अंत या फरवरी के पहले सप्ताह तक मतदान हो सकता है।

महिला अधिवक्ताओं में फैसले के बाद खुशी की लहर है। दूसरी ओर, मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल पहले ही खत्म हो चुका है और हाईकोर्ट के ताजा फैसले ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। अब नए सिरे से चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है, जिसमें महिला उम्मीदवार पहली बार बड़े पैमाने पर मैदान में उतरेंगी।

'अबुआ आवास योजना' के लाभुकों को दो किस्तों में मिलेगी राशि

रांची (एजेंसी): विधानसभा का शीतकालीन सत्र चल रहा है। जिसमें मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बताया कि झारखंड सरकार 'अबुआ आवास योजना' के तहत लाभुकों को दो किस्तों में राशि देने पर विचार कर रही है। राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के विधायक शत्रुघ्न महतो के अल्पसूचित प्रश्न का जवाब दिया।

विधानसभा में विधायक शत्रुघ्न महतो ने बताया कि हजारों लाभुकों को योजना की पहली किस्त मिल गई है, लेकिन दूसरी किस्त जारी नहीं होने से आवास निर्माण नहीं हो पा रहा है। इस वजह से लोग ठंड में खुले में रात बिताने को मजबूर हैं।

ग्रामीण विकास मंत्री ने बताया कि विधानसभा चुनाव के बाद केंद्र सरकार से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक बार फंड मिला था, लेकिन उसके बाद धनराशि नहीं मिली। इसी वजह से राज्य सरकार अबुआ आवास की दूसरी किस्त जारी करने में सक्षम नहीं है।

पूर्वी सिंहभूम को छात्रवृत्ति मद में प्री-मैट्रिक के लिए मिले 20 करोड़

जमशेदपुर (एजेंसी): झारखंड सरकार ने पूर्वी सिंहभूम जिले को प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति (२०२५-२६) के वितरण के लिए २० करोड़ रुपये का फंड दे दिया है। यह रकम जिले के कल्याण विभाग के खाते में आ गई है। इस रकम से जिले में कक्षा एक से आठ तक के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी जाएगी। जबकि, कक्षा नौ और कक्षा १० के छात्रों के लिए भी छात्रवृत्ति का फंड जल्द आने वाला है।

बताया जा रहा है कि छात्रवृत्ति के लिए छात्रों की तरफ से आवेदन करने का सिलसिला चल रहा है। जल्द ही जिला स्तर पर डीसी की अध्यक्षता में एक मीटिंग होगी और इसके बाद आवेदनों को स्वीकृति प्रदान करने के बाद कक्षा एक से आठ तक के सभी स्टूडेंट्स के खाते में छात्रवृत्ति की रकम भेज दी जाएगी।

गौरतलब है कि छात्रवृत्ति में देरी के आरोप में इन दिनों विधानसभा में हंगामा हो रहा है। जमशेदपुर में भी छात्रों के एक समूह ने रैली निकाल कर डीसी ऑफिस पर प्रदर्शन किया है। ऐसे में द फोटोन न्यूज ने अपने जिले में छात्रवृत्ति की स्थिति खंगाली तो पता चला कि प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के हालात तो ठीक हैं। मगर, पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति को लेकर फंड की दिक्कत आ रही है।

जिला कल्याण विभाग प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के नाम पर कक्षा एक से कक्षा १० तक के छात्रों को छात्रवृत्ति देता है। कक्षा एक से कक्षा आठ तक के विद्यार्थियों को २२५० रुपये जबकि, कक्षा नौ और १० के स्टूडेंट्स को ४५०० रुपये छात्रवृत्ति दी जाती है। प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति (२०२५-२६) के लिए अब तक एक लाख ३३ हजार ९३१ आवेदन आ चुके हैं। पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए भी आवेदन सबमिट करने का सिलसिला चल रहा है। पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख ३१ दिसंबर है।

पिछले साल वंचित रह गए थे 6373 स्टूडेंट्स

प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति (२०२४-२५) के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों में से एक लाख ४३ हजार ३४८ स्टूडेंट्स को वजीफा दिया गया था। ६३७३ छात्र छात्रवृत्ति से वंचित रह गए थे। इन्हें इस साल के फंड से छात्रवृत्ति देने की कवायद चल रही है। इसके लिए कागजी कार्रवाई की जा रही है।

पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए जिला कल्याण विभाग फंड का इंतजार कर रहा है। बताया जा रहा है कि केंद्र सरकार इस मद के लिए फंड देती है। मगर, केंद्र से अब तक राज्य को पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के मद में फंड नहीं मिल पाने की वजह से देर हो रही है। पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन जमा किए जा रहे हैं।

पिछले वित्तीय साल से पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति वितरण में दिक्कत शुरू हुई है। पिछले वित्तीय साल में २२ हजार ७२५ स्टूडेंट्स को वजीफा दिया गया। मगर, फंड की कमी की वजह से १२ हजार १४१ स्टूडेंट्स छात्रवृत्ति से वंचित रह गए।

यह छात्र अब भी वजीफे के लिए जिला कल्याण विभाग का चक्कर काट रहे हैं। इसी तरह, वित्तीय साल २०२३-२४ में २३ हजार ६४ छात्रों को पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति दी गई है। इस वित्तीय साल के भी ४६४ छात्र छात्रवृत्ति के लिए भाग-दौड़ कर रहे हैं।

सरजामदा में पति की मौत के बाद महिला को ससुराल से निकाला, कार्रवाई के लिए भटक रही पीड़िता

जमशेदपुर (एजेंसी): विधवा बिमला कुमारी ने वरिष पुलिस अधीक्षक को बुधवार को २ बजे लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया है कि पति की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद सरजामदा में ससुराल वालों ने उनके साथ मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। बिमला ने बताया कि २० अप्रैल २०१४ को उनकी शादी जवाहर लाल कुशवाहा से हुई थी, जिसमें पिता ने अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च किया था।

१५ फरवरी २०२५ को गोलमुरी थाना क्षेत्र के हावड़ा ब्रिज के पास उनके पति की मृत्यु हो गई।

इसके बाद कुछ दिन ससुराल वालों का व्यवहार ठीक रहा, लेकिन बाद में उन्होंने उत्पीड़न शुरू कर दिया। पीड़िता ने साकची और परसुडीह थाना में शिकायतें दीं, पर कार्रवाई न होने के कारण वह भटकने को मजबूर है।

महिला ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की मांग की है। जुगसलाई में डिकोस्टा रोड स्थित बैकुंठ अपार्टमेंट के रहने वाले प्रवीण अग्रवाल के घर दिनदहाड़े चोरी हुई थी। यहां से चोर लगभग २० लाख रुपए के जेवरात पार कर ले गए थे। बुधवार को २:०० बजे व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल साकची में एसएसपी ऑफिस पहुंचा और एसएसपी से मामले की शिकायत कर घटना का जल्द खुलासा करने की मांग की।

गोलमुरी में ब्राउन शुगर की तस्करी का भंडाफोड़

जमशेदपुर (एजेंसी): गोलमुरी थाना पुलिस ने मंगलवार की रात नामदा बस्ती से ब्राउन शुगर बेचने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक के पास से २१ पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद की गई है। लिखा पढ़ी करने के बाद बुधवार को आरोपी युवक को जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने गुप्त सूचना पर नामदा बस्ती स्थित मकान नंबर ४५ में छापेमारी की थी। पुलिस को पता चला था कि शुभम सिंह नामक युवक ब्राउन शुगर की तस्करी में लिप्त है।

अमेजन करेगा भारत में 3.14 लाख करोड़ का निवेश

2030 तक 10 लाख नौकरियां पैदा करने का दावा

नई दिल्ली (ईएमएस): ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन भारत में अपने सभी बिजनेस सेगमेंट में २०३० तक ३५ अरब डॉलर यानी लगभग ३.१४ लाख करोड़ के भारी निवेश की योजना बना रही है। यह घोषणा कंपनी के अमेजन संभव शिखर सम्मेलन के दौरान की गई। अमेजन के उभरते बाजारों के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने बताया कि कंपनी भारत में एआई आधारित डिजिटलीकरण, निर्यात में तेजी और रोजगार सृजन पर विशेष फोकस करेगी।

अग्रवाल के अनुसार, अमेजन का लक्ष्य है कि भारत से अपने प्लेटफॉर्म के माध्यम से होने वाले निर्यात को वर्तमान २० अरब डॉलर से बढ़ाकर ८० अरब डॉलर तक पहुंचाया जाए। इसके साथ ही कंपनी २०३० तक १० लाख अतिरिक्त नौकरियां बनाने का लक्ष्य भी रखती है, जिसमें प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, मौसमी और प्रेरित रोजगार शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि अमेजन ने २०१० से अब तक भारत में ४० अरब डॉलर का निवेश किया है। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों से संकलित कीस्टोन की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह भारत में सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है।

ठंडी हवाओं ने बढ़ाई परेशानी, तापमान में गिरावट जारी, अगले 2 दिनों तक बढ़ेगी ठिठुरन

रांची (एजेंसी): झारखंड में सर्दी एक बार फिर अपने तीखे तेवर दिखाने को तैयार है। उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाओं और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के बीच, राज्य अगले ४८ घंटों में तापमान में तेज गिरावट का सामना करेगा। सुबह का कोहरा, घटती दृश्यता और रात में कड़ाके की ठंड लोगों की मुश्किलें बढ़ाएगी। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में ठिठुरन और बढ़ेगी, जबकि शुष्क मौसम और साफ आसमान राज्य भर में सर्दी का असर और गहरा कर देंगे। कुल मिलाकर, झारखंड में इस हफ्ते मौसम का मिज़ाज पूरी तरह सर्द रहने वाला है और राहत की उम्मीद अभी दूर है।

सुबह कोहरा, दिन में मौसम साफ

मौसम केंद्र रांची के नवीनतम पूर्वानुमान के अनुसार, बुधवार की सुबह राज्य के कई जिलों में कोहरा और धुंध की स्थिति बनी रहेगी। सुबह के समय दृश्यता में कमी देखी जा सकती है। जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा, आसमान साफ होता जाएगा और दोपहर तक मौसम शुष्क बना रहेगा। ठंडी उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण लोगों को सुबह और रात के समय अधिक सर्दी का सामना करना पड़ेगा। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ और ट्रफ लाइन के प्रभाव से हवाओं में लगातार ठंडक बनी हुई है, जिसका सीधा असर राज्य के तापमान पर दिखाई देगा।

मौसम विभाग ने बताया कि पिछले २४ घंटों के दौरान झारखंड में अधिकतम तापमान २८.४ डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान ५.३ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। डाल्टनगंज (मेदिनीनगर) में सबसे अधिक अधिकतम तापमान रिकॉर्ड किया गया, जबकि दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्र का गुमला जिला सबसे ठंडा रहा। राज्य का मौसम इस अवधि में पूरी तरह शुष्क बना रहा और किसी भी जिले में वर्षा की गतिविधि नहीं देखने को मिली। पिछले २४ घंटों के दौरान राज्य के न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा परिवर्तन रिकॉर्ड नहीं किया गया। मौसम मानकों के अनुसार, तापमान में २ डिग्री या उससे अधिक की बढ़ोतरी या गिरावट को महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जाता है। हालांकि कई जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से ३.१ डिग्री से ५ डिग्री सेल्सियस तक कम रहा, जिससे रात और सुबह का तापमान सामान्य से अधिक ठंडा महसूस किया गया।

अगले 4 दिनों का अनुमान : पहले गिरेगा, फिर बढ़ेगा तापमान

मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो दिनों में तापमान में गिरावट जारी रहेगी, जिसके बाद २-३ डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। इसके बावजूद, शुष्क हवाओं और साफ आसमान के कारण ठंड का असर बना रहेगा। झारखंड के मौसम में इस सप्ताह तेज ठंड, कोहरे और तापमान में उतार-चढ़ाव का दौर जारी रहने की संभावना है। राज्य के लोगों को सुबह और रात के समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

पृष्ठ एक का शेषांश

दीपावली त्यौहार यूनेस्को---

कमेटी फॉर इंटैन्जिबल हेरिटेज की २०वीं बैठक की मेजबानी कर रही है। यह ८ से १३ दिसंबर तक चलेगी। इस मौके को देखकर केंद्र सरकार ने १० दिसंबर को विशेष दीपावली समारोह रखने का फैसला किया है, ताकि दुनिया के सामने भारत की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत तरह से पेश किया जा सके।

यूनेस्को की सूची दुनिया की ऐसी सांस्कृतिक और पारंपरिक चीजों को शामिल करती है, जिन्हें छू नहीं सकते लेकिन अनुभव किया जा सकता है। इन्हें अमूर्त विश्व धरोहर कहते हैं। इसका मकसद है कि ये सांस्कृतिक धरोहरें सुरक्षित रहें और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचें। फिलहाल, भारत की १५ धरोहरें पहले से अमूर्त विश्व धरोहर की सूची में जगह बना चुकी हैं। इसमें दुर्गा पूजा, कुंभ मेला, वैदिक मंत्रोच्चार, रामलीला, छऊ नृत्य भी शामिल हैं।

झारखंड लोकभवन का ---

राजनिवास को 'लोकनिवास' करने का निर्देश जारी किया था। इसके बाद राज्यपाल के सचिवालय ने तुरंत अधिसूचना जारी कर रांची के राजभवन को 'लोकभवन' घोषित कर दिया था। इस कदम से सत्ताधारी गठबंधन में नाराजगी पैदा हो गई थी। रांची का ऐतिहासिक राजभवन करीब ५२ एकड़ में फैला है और इसका निर्माण १९३० में शुरू होकर मार्च १९३१ में मात्र ७ लाख रुपये की लागत से पूरा हुआ था। वहीं दुमका स्थित राजभवन उपराजधानी का प्रतीक है। सदन में प्रस्ताव रखते ही सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाकर समर्थन जताया। विपक्ष ने भी इस प्रस्ताव का मौन समर्थन किया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि प्रस्ताव को शीघ्र कैबिनेट की मंजूरी दिलाई जाएगी और इसके बाद अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। राज्य सरकार का यह कदम केंद्र और राज्य के बीच प्रोटोकॉल व अधिकार क्षेत्र की नई बहस को जन्म दे सकता है। सूत्रों का कहना है कि प्रस्ताव पारित होने के बाद राज्यपाल सचिवालय को नई अधिसूचना जारी करने को कहा जाएगा।

सरेंडर नक्सलियों का केस ---

मुख्यालय अपनी सिफारिशों के साथ प्रस्ताव आगे बढ़ाएगा। कानून विभाग की राय लेने के बाद, सरकार मामलों को कैबिनेट उप-समिति के सामने पेश करेगी। उप-समिति के सुझाए गए मामलों को अंतिम मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। केंद्रीय कानूनों या केंद्र सरकार से संबंधित मामलों के लिए भारत सरकार से जरूरी अनुमति ली जाएगी। अन्य मामलों को अदालत में सरकारी वकील के जरिए केस वापस लेने की कार्रवाई के लिए जिला मजिस्ट्रेट को भेजा जाएगा।

गढ़चिरौली में पुलिस बल---

सफलता को डीजीपी रश्मि शुक्ला ने नक्सलवाद के अंत की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि यह गढ़चिरौली में नक्सलवाद के अंत की शुरुआत है। शुक्ला ने इस बात पर भी जोर दिया कि केंद्र सरकार ने ३१ मार्च २०२६ तक नक्सलवाद समाप्त करने का लक्ष्य रखा है और राज्य की पुलिस इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सिर्फ इस साल ही १०० से ज्यादा माओवादी गढ़चिरौली में आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

हिंदू समाज को बांटने---

नियम हैं, उनपर फिर से विचार होना चाहिए। उन्होंने कहा, अल्पसंख्यकों को सिर्फ आबादी के आधार पर तय नहीं हो सकता है। बीएचपी अध्यक्ष कुमार ने फ्रीडम ऑफ रिलीजन एक्ट लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि हिंदू मंदिरों को सरकार के नियंत्रण से आजाद करे और हिंदू समुदाय को तत्काल सौंप दिया जाए। उन्होंने ड्रग्स के खिलाफ भी अभियान तेज करने की अपील की है। बात दें कि भारतीय रजिस्ट्रार जनरल (आरजीआई) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आगामी जनगणना के लिए जनगणना अधिकारियों की नियुक्ति १५ जनवरी २०२६ तक पूरी करने का निर्देश दिया है। परिपत्र के अनुसार, इस डेटा संग्रह कवायद के लिए प्रगणक और पर्यवेक्षक मुख्य जनगणना अधिकारी होगा। आदेश में कहा गया कि लगभग ७००-८०० की आबादी के लिए एक प्रगणक को नियुक्त किया जाएगा और प्रत्येक छह प्रगणकों पर एक पर्यवेक्षक होगा। आपात स्थितियों के लिए १० प्रतिशत आरक्षित प्रगणक और पर्यवेक्षक भी रखे जाएंगे। आगामी जनगणना २०२७ में देश भर में जनगणना के कार्य को समय पर पूरा करने के लिए लगभग ३० लाख फील्ड अधिकारी तैनात किए जाएंगे। जनगणना २०२७ दो चरणों में होगी। इसमें पहला चरण, मकान सूचीकरण और आवास गणना अप्रैल से सितंबर २०२६ के बीच होगा और दूसरा चरण जनसंख्या गणना फरवरी २०२७ में होगा। यह कवायद डिजिटल होगी और इसमें ३० अप्रैल को राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति के निर्णय के अनुसार, जाति गणना को भी शामिल किया जाएगा।

पीएम मोदी ईवीएम---

उन्होंने कहा कि यह उस महिला का अपमान है और वे इसके लिए उससे माफी मांगती हैं। भाजपा सांसद ने विपक्ष पर सदन की कार्यवाही बाधित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष रोज हंगामा खड़ा कर समय बर्बाद कर रहा है, जिससे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा प्रभावित हो रही है। कंगना ने कहा कि विपक्ष की इस रणनीति के कारण संसद का वातावरण लगातार तनावपूर्ण बना हुआ है और जनहित के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं।

जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल में बनेगा कैदी वार्ड, टाटा नगर रेलवे स्टेशन पर कोर्ट हाजत

जमशेदपुर (एजेंसी): जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल में एक कैदी वार्ड बनाया जाएगा। इसके लिए जल्द ही वार्ड चिन्हित किया जाएगा। जमशेदपुर रेलवे स्टेशन पर भी कोर्ट हाजत बनेगी। ताकि बाहर से कैदियों को लाने ले जाने में सुविधा हो सके। इस बात के निर्देश डीसी कर्ण सत्यार्थी ने बुधवार को कारागार सुरक्षा से संबंधित मीटिंग में दिए।

मीटिंग में डीसी ने घाघीडीह सेंट्रल जेल, साकची जेल और घाटशिला उप कारागार में सुरक्षा व्यवस्था, बुनियादी सुविधाएं, संसाधन की उपलब्धता और जेल संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। जेल परिसरों में कैदियों के सेल, अस्पताल, वॉच टावर पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती, जलापूर्ति, साफ सफाई, प्रकाश आदि व्यवस्था की भी समीक्षा की।

डीसी ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। वरना, अधिकारी भी कार्रवाई के दायरे में आएंगे। उपायुक्त ने कहा कि जेल की सुरक्षा बेहद संवेदनशील विषय है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने मातहत अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रतिदिन जेल सुरक्षा की ऑडिट कराई जाए। अधिकारियों से कहा कि वह कारागार, उप कारागार, बाल सुधार गृह, अस्पतालों के कैदी वार्ड और कोर्ट हाजत का नियमित निरीक्षण करें।

अगर कहीं कोई कमी पाई जाती है तो फौरन डीसी को इसकी जानकारी दें। उन्होंने जेल की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने व वाच टावर पर पर्याप्त सुरक्षा बलों की तैनाती, पुलिस पेट्रोलिंग में बढ़ोतरी आदि से संबंधित निर्देश दिए। इस मीटिंग में सिटी एसपी कुमार शिवाशीष, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर भागीरथ प्रसाद, एसडीएम धालभूम चंद्रजीत सिंह, सीडीपीओ घाटशिला अजीत कुजूर आदि मौजूद रहे।

कलात्मकता है तो
पेंटिंग के क्षेत्र में भी हैं अवसर

अगर आप पेंटिंग का शौक रखते हैं और आप को रंगों से खेलना अच्छा लगता है तो आप एक पेंटिंग को अपना पेशा बना सकते हैं। अगर आप में कलात्मकता है तो आप इस क्षेत्र में बेहतरीन कॅरियर बना सकते हैं। आज एक पेंटर आर्ट गैलरीज से लेकर अखबर , मैगजीन, पोस्टर, फिल्म व टीवी इंडस्टी में काम कर सकता है। इसके अलावा अगर आप चाहें तो फ्रीलांस वर्क भी कर सकते हैं या फिर किसी फाइन आर्ट इंस्टीटयूट व कॉलेज में बच्चों को पढ़ा भी सकते हैं। अगर चाहें तो खुद का ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट भी खोल सकते हैं।

बचपन में हम सभी ने अपने हाथों में ब्रश उठाकर पेंटिंग की है। पेंटिंग करना यकीनन हर किसी के मन को सुकून देता है, लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते चले जाते हैं, वह शौक कहीं पीछे छूटने लगता है। काम की आपाधापी में ब्रश हाथों से कब दूर चला जाता है, पता ही नहीं चलता। लेकिन अगर आपको पेंटिंग करना बेहद पसंद है तो क्यों न अपने इसी शौक को आप अपना कॅरियर बना लें। तो चलिए जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में-

क्या होता है काम

एक पेंटर कई तरह के काम करता है। उसका काम घर से लेकर बाहर तक हो सकता है। वह सिर्फ छोटे स्केल पर कागज पर पेंटिंग नहीं करता और न की उसका काम सिर्फ कैनवास तक सीमित है, बल्कि वह घर को नया रुप देने के साथ ही किसी या अन्य बड़े प्रोजेक्ट्स पर भी अपना कलात्मकता दिखा समा है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में सफलता के लिए सबसे जरूरी है आपका कल्पनाशील होना। इसके अलावा आपको पेंट कलर्स, टोन्स, हाइलाइट व आर्ट के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। आपको कलर्स के शेड्स व उनकी मिक्सिंग की जानकारी भी होनी चाहिए। कई बार एक पेंटर को कई बड़े प्रोजेक्ट करने होते हैं, इसलिए उसे टीम के साथ भी काम करना होता है। साथ ही आपको कई घंटों तक काम करना पड़ सकता है, इसके लिए आप फिजिकली व मेंटली तैयार रहें। एक पेंटर सिर्फ पेंटिंग ही नहीं करता, बल्कि अपने काम को लोगों के सामने पेश भी करता है, इसलिए आपके कम्युनिकेशन व लैंग्वेज स्किल भी अच्छी होनी जरूरी है।

एक पेंटर बनने के लिए अलग से किसी स्पेशल क्वालिफिकेशन की जरूरत नहीं होती। लेकिन पेंटिंग की बारीकियों को समझने और अपना हाथ साफ करने के लिए आप इस क्षेत्र में डिप्लोमा या डिग्री कोर्स जैसे बीए इन पेंटिंग, बीए पेंटिंग, स्कल्पचर, अप्लाइड आर्टस, बीएफए पेंटिंग, कोर्स आदि कर सकते हैं। इसके अलावा ग्रेजुएशन के बाद इस क्षेत्र में पोस्ट ग्रेजुएशन भी किया जा सकता है।

संभावनाएं

पेंटिंग एक बेहतरीन कॅरियर है और एक पेंटर आर्ट गैलरीज से लेकर न्यूजपेपर, मैगजीन, पोस्टर, फिल्म व टीवी इंडस्टी में आर्टवर्क की तलाश कर सकता है। इसके अलावा अगर आप चाहें तो फ्रीलांस वर्क भी कर सकते हैं या फिर किसी फाइन आर्ट इंस्टीटयूट व कॉलेज में बच्चों को पढ़ा भी सकते हैं। अगर चाहें तो खुद का कोचिंग इंस्टीट्यूट खोलें।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी इस बात पर निर्भर करती है कि आपका काम लोगों को कितना पसंद आता है, लेकिन फिर भी शुरूआती दौर में आप बीस से पच्चीस हजार आसानी से कमा सकते हैं। वहीं कुछ सालों के अनुभव व आपके काम की लोकप्रियता के आधार पर आपकी आमदनी कई गुना बढ़ भी सकती है।

तेजी से बदलते फैशन के इस दौर में फैशन कम्युनिकेशन के क्षेत्र में भी अच्छी संभावनाएं हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट का काम अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है।

ब्रांड के प्रति जागरूकता फैलाते हैं फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट

जब भी फैशन इंडस्टी की बात होती है तो लोग फैशन डिजाइनर या मॉडल बनने की ही चाहत रखते हैं।

लेकिन यह एक ऐसी इंडस्टी है, जिसमें पिछले काफी सालों में बदलाव आया है और इसी कारण अब इस क्षेत्र में करियर की नई संभावनाओं ने जन्म दिया है। फैशन इंडस्टी में एक ऐसा ही करियर है फैशन कम्युनिकेशन है। यह तेजी से उभरता क्षेत्र है और अब युवाओं का आकर्षण इस ओर बढ़ने लगा है।

संभावनाएं

फैशन कम्युनिकेशन का कोर्स करने के बाद आप फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, फैशन पत्रकार, प्रोफेसर, डिजाइन सहायक, फैशन सहायक, फैशन मार्केटिंग मैनेजर, फैशन एडिटर, फैशन फोटोग्राफर, कला निर्देश आदि भूमिकाएं अदा कर सकते हैं। इस कोर्स को करने के बाद कई इंडियन व इंटरनेशनल ब्रांड के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

योग्यता

इसके लिए डिप्लोमा या बैचलर डिग्री की जरुरत रहती है। इसके बाद आप फैशन कम्युनिकेशन में ही मास्टर और डॉक्टरेट भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके काम पर निर्भर करती है और अनुभव के साथ आमदनी भी बढ़ती है। वैसे शुरूआती दौर में आप सालाना 2 से 3 लाख रूपए आसानी से कमा सकते हैं।

क्या होता है काम

एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट को कई काम करने होते हैं। वह अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है। अपने क्लाइंट व बिजनेस हाउस की तरफ से मीडिया के साथ कम्युनिकेट व डील करते हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट डिजाइन लेआउट, वेब पेज और मल्टीमीडिया डिजाइन डेवलप करता है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में आपकी मार्केटिंग स्टेटजी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही आपमें कम्युनिकेशन व नेटवर्किंग स्किल्स भी बेहतरीन होने चाहिए, इसके बिना आपको अपने क्षेत्र में कठिन संघर्ष करना पड़ सकता है। वहीं इस क्षेत्र में डेडलाइन पर काम करना होता है, इसलिए आपको कई-कई घंटे लगातार काम करना पड़ता है। इसलिए अगर आपमें धैर्य व कठिन परिश्रम करने की क्षमता नहीं है तो आप इस क्षेत्र में नहीं टिक पाएंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मौखिक व लिखित दोनों ही रूपों में अलग-अलग भाषा पर पकड़ अच्छी होनी चाहिए।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, विभिन्न केन्द्र
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, गुजरात
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे
- इंस्टीट्यूट ऑफ अपैरल मैनेजमेंट, गुरूग्राम
- जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली

पैरेंट्स टीचर मीटिंग में जा रहे तो बच्चे की प्रोग्रेस जानने के लिए पूछें 3 सवाल

बच्चों के पैरेंट्स टीचर मीटिंग में जाते हैं तो बच्चे के प्रोग्रेस से जुड़े सवाल सही करने चाहिए। जिससे कि बच्चे की पढ़ाई के साथ ही पर्सनल प्रोग्रेस के बारे में भी पता चल सके। एजुकेशनिस्ट ने बताए ये 3 सवाल...

बच्चों की पढ़ाई में ग्रोथ बताने के लिए स्कूल में पैरेंट्स टीचर मीटिंग होती है। जिसमे आमतौर पर टीचर पैरेंट्स को बच्चों के मार्क्स बताते हैं। वहीं पैरेंट्स अक्सर बच्चों के ग्रोथ को जानना तो चाहते हैं लेकिन सही सवाल नहीं पूछ पाते। जिसकी वजह से उन्हें वहीं पुराने जवाब मिलते हैं कि बच्चा पढ़ाई में अच्छा कर रहा लेकिन बच्चे के बिहेवियर और पर्सनल ग्रोथ को लेकर सही जानकारी नहीं मिल पाती। जिसकी वजह से पैरेंट्स को बच्चे की सही ग्रोथ और डेवलपमेंट के बारे में पता नहीं चलता। पीटीएम में अगर आपको बच्चे की सही ग्रोथ और डेवलपमेंट के बारे में जानकारी चाहिए तो एजुकेशनिस्ट सुशील मंगेकर ने इन 3 सवाल को पूछने की हिदायत दी है। जिससे बच्चे के बारे में टीचर से आपको सही जानकारी मिल सके और आप उसके पर्सनल ग्रोथ पर वर्क कर सकें।

टीचर से पूछें कि मेरा बच्चा स्कूल में क्या

अवॉएड करता है। इस सवाल के जवाब से पैरेंट्स को बच्चे के डर के बारे में जानकारी मिल सकती है। जैसे कि बच्चा क्लास में बिल्कुल शांत रहता है। तो इसका कारण बच्चा केवल शर्मीला या इंट्रोवर्ट है। ऐसा नही हैं कई बार बच्चे किसी दूसरी चीजों के डर से भी क्लासरूम में शांत बैठते हैं या कम बोलते हैं। जब बच्चे के बारे में आपको इस तरह के सवाल के जवाब मिलेंगे तभी आप बच्चे की पर्सनल ग्रोथ पर वर्क कर पाएंगी। और बच्चा आगे बढ़ पाएगा।

क्लासरूम में बच्चे का फोकस किस चीज पर ज्यादा होता है

इस सवाल के जवाब से आपको बच्चे के फ्यूचर पोटेंशियल का पता चलेगा। कई बार बच्चों की हॉबी का पता भी चल जाता है। जैसे बच्चा कम्यूनिकेट करता है या लिखने, पढ़ने, पेंटिंग या फिर किसी प्रोजेक्ट को बनाने में फोकस करता है। इससे बच्चे के फ्यूचर के बारे में पता चलता है।

बच्चे के दस मिनट

पीटीएम में टीचर से बच्चे के बारे में पूछना है तो एजुकेशनिस्ट ने बताया कि टीचर से पूछें कि वो बच्चे के साथ 10 मिनट एक्सट्रा बिताएंगे तो कौन सी इंप्रूवमेंट करना चाहेंगे। इससे आपको बच्चे की कमी के बारे में पता चलेगा और उसे दूर करने का प्रयास आप पैरेंट्स के तौर पर कर पाएंगे।

ग्राफिक डिजाइनर की बढ़ी मांग

बता दें कि वर्तमान समय में ग्राफिक डिजाइनर्स की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। ग्राफिक डिजाइनिंग में स्किल्ड और पेशेवर अभ्यर्थियों को अच्छा सैलरी पैकेज दिया जाता है। इस नौकरी के लिए भी आपको डिग्री या फिर डिप्लोमा की जरूरत नहीं होती है। ब्रांड इडेंटिटि, डिजाइनर, लोगो, फोटोग्राफी, वीडियो एडिटिंग जैसी कई अन्य जरूरतों के लिए ग्राफिक डिजाइनर्स की जरूरत होती है। ऐसे में अभ्यर्थी इंटर्नशिप करने जॉब पा सकते हैं।

इंटीरियर डिजाइनर

इंटीरियर डिजाइनिंग के फील्ड में जाने के लिए युवाओं को डिग्री की जरूरत नहीं है। इस फील्ड में कॅरियर बनाने के लिए अभ्यर्थी साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास करने के बाद सीधे इंटीरियर डिजाइनिंग का कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में इंटर्नशिप करने के बाद आप इस फील्ड में अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

नई पीढ़ी के लिए एक उभरता हुआ करियर है ऑडियो इंजीनियरिंग

एक समय ऐसा था, जब आवाज को उसके मूल रूप में ही रिकॉर्ड किया जाता था, परन्तु आज उसमें काफी हद तक बदलाव लाया जा सकता है। यह सब संभव हो पाया है 'ऑडियो इंजीनियरिंग' से। ऑडियो इंजीनियरिंग, ऑडियो साइंस की ही एक शाखा है। इसमें साउंड कैप्चर करने, रिकॉर्डिंग करने, कॉपी करने, एडिटिंग एवं मिक्सिंग करने, इलेक्ट्रॉनिक एवं मैकेनिकल उपकरणों द्वारा आवाज में उतार-चढ़ाव लाने संबंधी कार्य किए जाते हैं। यह पूरा कार्य पोस्ट प्रोडक्शन के अंतर्गत आता है। ऑडियो इंजीनियरिंग नई पीढ़ी के लिए एक उभरता हुआ करियर है, जो भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकास्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है।

क्वालिफिकेशन

एक सफल ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए ऑडियोग्राफी, साउंड रिकॉर्डिंग एवं ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा अथवा डिग्री कोर्स का होना आवश्यक है। वैसे तो इस फील्ड में किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की दरकार नहीं होती, परन्तु ऑडियो इंजीनियरिंग में बैचलर अथवा पीजी डिग्री को वरीयता दी जाती है। जहां तक डिमांड की बात है तो ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए फिजिक्स अथवा मैथ्स की आधारभूत जानकारी सहायक साबित होती है, जिसके दम पर वे रिकॉर्डिंग रूम में कई तरह की प्रतिध्वनि का आकलन कर सकते हैं। इसमें अधिक प्रैक्टिकल ज्ञान के आधार पर एक अच्छा ऑडियो इंजीनियर बना जा सकता है। जिन छात्रों के पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं फाइन आर्ट की पृष्ठभूमि रही है, वे भी इस कोर्स के लिए उपयुक्त साबित हो सकते हैं। साथ ही उन्हें रिकॉर्डिंग उपकरणों जैसे मिक्सिंग कंसोल्ड एवं माइक्रोफोन की जानकारी भी होनी चाहिए। इस कार्य में उन्हें डिजिटल ऑडियो स्टेशन, स्पीकर, एंप्लीफायर सहित कई अन्य म्यूजिक उपकरणों का प्रयोग करना पड़ता है।

पर्सनल स्किल्स

एक ऑडियो इंजीनियर को टेक्निकल नॉलेज, इलेक्ट्रिकल एप्टीट्यूड, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल सिस्टम एवं इक्विपमेंट की जानकारी होनी आवश्यक है। म्यूजिक प्रोडक्शन में टीम वर्क, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को गति दे सकते हैं। एकाग्रता, धैर्य, अच्छी समझ, अच्छी लय की जरूरत, अच्छी रिद्म जैसे गुण ऑडियो इंजीनियर के लिए आवश्यक हैं। साथ ही उसे रिकॉर्डिंग माध्यमों जैसे एनालॉग टेप, डिजिटल मल्टीट्रैक रिकॉर्डर एवं कम्प्यूटर नॉलेज की जानकारी भी सहायता दिला सकती है।

वित्तीय जोखिम का आकलन करते हैं अंडरराइटर

अंडरराइटर अपने अनुभव के आधार पर यह निर्णय लेता है कि अनुबंध जोखिम भरा होगा या यह लेने लायक होगा या नहीं। उदाहरण के लिए एक हामीदार जो स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ काम करता है, आवेदकों के स्वास्थ्य जोखिमों का विश्लेषण करता है।

वित्तीय उद्योग विभिन्न पेशेवरों से भरा हुआ है जो कई अलग-अलग क्षमताओं में सेवा करते हैं। बैंक टेलर, बीमा एजेंट, वित्तीय सलाहकार, पोर्टफोलियो मैनेजर कुछ ऐसे पद हैं जो इस उद्योग को बनाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कौन से पेशेवर क्रेडिट और उधार देने के फैसले के पीछे जोखिम का आकलन करते हैं? इन व्यक्तियों को हामीदार या अंडरराइटर कहा जाता है।

अंडरराइटर्स मूल्यांकन करते हैं और मूल्यांकन करते हैं कि वित्तीय जोखिम लेने लायक है या नहीं। आप वित्तीय उद्योग के विभिन्न हिस्सों में अंडरराइटर्स पा सकते हैं, जिसमें उधार, बीमा, इक्विटी बाजार और यहां तक कि सुरक्षा व्यापार भी शामिल है। जब भी आप व्यक्तिगत ऋण, स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी, या बंधक के लिए आवेदन करते हैं तो कुछ कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश लॉन्च करती हैं, जबकि अन्य आपके आवेदन की समीक्षा करती हैं। यदि आपको यह एक रोमांचक करियर पथ की तरह लगता है, तो आप शैक्षिक आवश्यकताओं और पेशेवर योग्यताओं के बारे में सोच सकते हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी।

अंडरराइटर बनने के लिए आवश्यकताएँ

यदि आप एक हामीदार बनना चाहते हैं तो कुछ चीजें हैं जिन्हें आपको ध्यान में रखना होगा। आवश्यकताएं अक्सर उप-क्षेत्र और उस क्षेत्राधिकार के आधार पर भिन्न होती हैं जिसमें आप काम करते हैं। अंडरराइटर बनने के लिए आपको स्नातक की डिग्री की आवश्यकता हो सकती है जिसमें अर्थशास्त्र, व्यवसाय, लेखा, वित्त, या गणित में शोध शामिल होता है। अंडरराइटिंग के लिए विश्लेषणात्मक, कंप्यूटर, संचार और गणित कौशल सहित विशेष कौशल की एक श्रृंखला की आवश्यकता होती है।

नए कर्मचारियों को वरिष्ठ हामीदारों से ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण मिलता है और उन्हें अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए प्रमुख प्रमाणन कार्यक्रमों को पूरा करना होगा। आप एंट्री-लेवल की नौकरी से लेकर वरिष्ठ पद तक, उच्च वेतन के साथ पाँच से 10 वर्षों के भीतर अपना काम कर सकते हैं।

शिक्षा

एक हामीदार बनने के लिए आपको आमतौर पर स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। गणित, बिज़नेस, अर्थशास्त्र और वित्त के पाठ्यक्रम इस क्षेत्र में फायदेमंद होते हैं क्योंकि वे निश्चित रूप से आपके द्वारा किए जा रहे किसी भी काम में उपयोगी हो सकते हैं। एक अच्छा हामीदार भी विस्तार-उन्मुख होता है और उसके पास गणित, संचार, समस्या-समाधान और निर्णय लेने में उत्कृष्ट कौशल होता है। एक बार काम पर रखने के बाद आप आमतौर पर वरिष्ठ हामीदारों की देखरेख में काम पर प्रशिक्षण लेते हैं। एक प्रशिक्षु के रूप में आप सामान्य जोखिम कारकों और हामीदारी में उपयोग किए जाने वाले बुनियादी अनुप्रयोगों के बारे में सीखते हैं। जैसे-जैसे आप अधिक अनुभवी होते जाते हैं आप स्वतंत्र रूप से काम करना शुरू कर सकते हैं और अधिक जिम्मेदारी ले सकते हैं।

कौशल

शिक्षा ही एकमात्र ऐसी चीज नहीं है जो आपको इस क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद कर सकती है। विशेष कौशल का एक सेट भी है जो आपको अपना करियर बनाने में और आगे बढ़ने में आपकी मदद कर सकता है। यहां कुछ प्रमुख कौशल दिए गए हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी -

- विश्लेषणात्मक कौशल
- संचार कौशल
- कंप्यूटर कौशल
- गणित कौशल

अंडरराइटिंग में कॅरियर शुरू करने का सबसे आसान तरीका अच्छी शिक्षा प्राप्त करना है। गणित, लेखा, अर्थशास्त्र और किसी भी अन्य संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री मदद करती है। सुनिश्चित करें कि आपके पास विश्लेषणात्मक और संचार कौशल सहित सही कौशल हैं और प्रमाणित हों। एक बार जब आपके पास वह सब कुछ हो जाए तो प्रवेश स्तर की नौकरियों की तलाश करें जो आपको वह प्रशिक्षण प्रदान कर सकें जो आपको अपने कॅरियर में आगे बढ़ने के लिए चाहिए।

अंडरराइटर की भूमिका क्या होती है?

अंडरराइटर अपने अनुभव के आधार पर यह निर्णय लेता है कि अनुबंध जोखिम भरा होगा या यह लेने लायक होगा या नहीं। उदाहरण के लिए एक हामीदार जो स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ काम करता है, आवेदकों के स्वास्थ्य जोखिमों का विश्लेषण करता है। एक अंडरराइटर के काम में उम्र, वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति और चिकित्सा और पारिवारिक इतिहास सहित आवेदक के विवरण की जांच करना शामिल होता है। इस जानकारी का उपयोग करते हुए और अन्य औपचारिकताओं के बाद वह अंडरराइटिंग सॉफ्टवेयर में जानकारी दर्ज करता है। सॉफ्टवेयर प्रीमियम की राशि और बीमा प्रदाता कंपनी को पॉलिसी पर लागू होने वाली शर्तों का निर्धारण करता है। एक स्वास्थ्य बीमा कंपनी का हामीदार चिकित्सा जानकारी की समीक्षा करता है, जबकि एक ऋण हामीदार ग्राहक के क्रेडिट इतिहास जैसे कारकों का आकलन करता है। अंडरराइटर का काम जटिल होता है। बीमा हामीदार व्यक्तियों को जोखिम के स्वीकार्य स्तर को निर्धारित करने में सक्षम होना चाहिए । जटिल परिस्थितियों की जांच करते समय एक हामीदार को शोध करने और बहुत सारी जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता हो सकती है। एक हामीदार ऋण और इक्विटी बाजार, गिरवी और बीमा जैसे क्षेत्रों में किसी अन्य पार्टी के जोखिम का आकलन करता है।

होटल इंडस्ट्री में बनें फ्रंट ऑफिस मैनेजर

होटल इंडस्ट्री में बतौर प्रशिक्षु से लेकर प्रबंधक तक न जाने कितने अवसर हैं जहां से अपने करियर की राहें आसानी से तय कर सकते हैं। यू तो होटल इंडस्ट्री में प्रबंधक, फ्रंट ऑफिस/रिसेप्शनिस्ट, फूड एंड बेवरेज, हाउसकीपिंग/बुक कीपिंग, काउंटर सर्विस, मार्केटिंग विभाग इत्यादि कई तरह के विभाग हैं लेकिन इनमें फ्रंट ऑफिस मैनेजर एक अहम विभाग होता है।

फ्रंट ऑफिस

फ्रंट ऑफिस व्यवसाय से जुड़ा शब्द है जो किसी कंपनी के उस विभाग को इंगित करता है जो ग्राहकों के सीधे संपर्क में आता है। इसमें मार्केटिंग, सेल्स और सर्विस से जुड़े लोग भी शामिल होते हैं। जहां तक होटल इंडस्ट्री का सवाल है तो इसमें फ्रंट ऑफिस होटल में आने वाले अतिथियों का स्वागत करता है, उनसे मिलता है, उनका उचित अभिवादन करता है, उनका रिजर्वेशन करता है, उनके चेक इन और चेक आउट की व्यवस्था देखता है, सुरक्षा विभाग व अन्य को चाबियां सौंपता है व वापस लेता है, अतिथियों को संदेश देता है और रुपये पैसे का हिसाब किताब करता है।

कार्य प्रकृति

फ्रंट ऑफिस हर उस काम को करने में तत्पर होता है जिससे ग्राहकों यानी अतिथियों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, उन्हें हर तरह से संतुष्ट किया जा सके। होटल के मानकों का पालन करते हुए अपनी सेवा से संतुष्टर करने में फ्रंट ऑफिस अपनी उपयोगिता साबित करता है। इस विभाग के लिए एक प्रबंधक नियुक्त होता है जो फ्रंट ऑफिस ऑपरेशन को देखता है और पूरे बिजनेस प्लान के अनुसार हर काम व्यवस्थित रखता है। वह सुनिश्चित करता है कि होटल में आने वालों को यथासंभव सबसे अच्छी सर्विस दी जा सके। वह फ्रंट ऑफिस का अगुआ होने के नाते वहां से दी जाने वाली सेवाओं में किसी कोताही की गुंजाइश को खत्म करता है, साफ सफाई का ध्यान रखता है, मुस्कुराते हुए अतिथियों का स्वागत करता है और उन्हें यह अहसास कराने की कोशिश करता है कि वे सही होटल में हैं जहां उनका सबसे अच्छा ख्याल रखा जाएगा।

कोर्स

फ्रंट ऑफिस होटल मैनेजमेंट का एक अहम विभाग है। होटल मैनेजमेंट 12वीं के बाद कर सकते हैं। स्नातक करने के बाद और भी रास्ते खुल जाते हैं। यानी डिग्री, डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा सभी मौजूद हैं। बेकरी एडं कंफेक्षनरी या होटल रिसेप्शन एंड बुक कीपिंग या रेस्तरां व काउंटर सर्विस में एक साल का डिप्लोमा, डिप्लोमा इन होटल मैनेजमेंट, बीएससी इन होटल मैनेजमेंट, एमएससी इन हॉस्पिटेलिटी एडमिनिस्ट्रेशन, इसके अलावा पीजी डिप्लोमा इन होटल मैनेजमेंट, फ्रंट ऑफिस एंड टूरिज्म मैनेजमेंट, एकोमोडेशन ऑपरेशन जैसे कोर्स प्रचलन में हैं।

कहां कहां है अवसर

होटल मैनेजमेंट पाठयक्रम करने वालों के लिए कई विकल्प मौजूद हैं जिनमें वे करियर बना सकते हैं। रिसॉर्ट से लेकर फाईव स्टार होटलों तक हर राज्य के पर्यटन विभाग से लेकर एविएशन तक अनगिनत जॉब हैं, फास्ट फूड चेन (मेकडोनाल्ड, केएफसी, निरूलाज), रेलवे या बैंक या बड़े संस्थानों में केटरिंग या कैंटीन, एयरलाइंस, हॉस्पिटल, मॉल, मल्टीप्लेक्स, हेल्थ क्लब जैसी जगहों पर रोजगार पा सकते हैं विदेशों में भी होटल मैनेजमेंट में डिग्री/डिप्लोमा कर चुके छात्रों की खूब डिमांड है। और सबसे अहम यह कि आप यह कोर्स कर स्वरोजगार भी शुरू कर सकते हैं।

पुस्तक प्रकाशन में अपार संभावनाएं

भारतीय बुक पब्लिशिंग इंडस्ट्री (पुस्तक प्रकाशन) आज न सिर्फ देश तक समिति रही है बल्कि उसने अंतर्राष्टीय वाचकों तक भी पुस्तकें पहुचांने का काम बहुत तेजी से किया है। आधुनिक तंत्रज्ञान के कारण आज प्रिटिंग के क्षेत्र में भी एक नई क्रांति ला दी है। जिस प्रकार इस डिजिटल युग में आज नई प्रिटिंग टेक्नालॉजी आ गई है, ठीक उसी प्राकर डिजाइनिंग और वांइडिग के क्षेत्र में भी नए-नए आयाम उपलब्ध हैं। अब किसी भी व्यवसाय को बढ़ाने के लिए मार्केट के ट्रेंड को समझना बहुत आवश्यक होता है। इसके लिए अच्छा बिजनेस का होना भी बहुत आवश्यक है।

ऐसा माना जाता है कि दुनिया में इंसान का सबसे अच्छा मित्र पुस्तकें होती हैं। उसे पढक़र वह ज्ञान तो प्राप्त करता ही है लेकिन अपने समय का सदुपयोग भी कर लेता है। इन पुस्तकों को वाचको तक पहुंचाने के लिए आजकल महानगर और शहरों में शापिंग मॉल्स में स्पेश बुक चेन खोल रखा है। इकॉनामी के नॉलेज का बढ़ता क्षेत्र को देखते हुए उन्हें इस व्यवसाय में भी अपार संभावनाएं है। इस व्यवसाय में एक लंबा चैनल कार्यरत है। लेखक पुस्तक तो लिख देता है लेकिन पाठकों तक पहुंचाने में एक लंबी प्रक्रिया काम करती है।

इस व्यवसाय में मुख्य रूप से बुक पब्लिशर, बुक डिजाइनर विक्रेता संम्पादक, पीआर वितरक और वाचक इन सबका समावेश रहता है। एक अच्छा जानकारी बहुत आवश्यक है। भारतीय बुक पब्लिशिंग इंडस्ट्री आज न सिर्फ देश तक समिति रही है बल्कि उसने अंतर्राष्टीय वाचकों तक भी पुस्तकें पहुंचाने का काम बहुत तेजी से किया है। आधुनिक तंत्रज्ञान के कारण आज प्रिटिंग के क्षेत्र में भी एक नई क्रांति ला दी है। जिस प्रकार इस डिजिटल युग में आज नई प्रिटिंग टेक्नालॉजी आ गई है, ठीक उसी प्राकर डिजायनिंग और वांइडिग के क्षेत्र में भी नए-नए आयाम उपलब्ध हैं। अब किसी भी व्यवसाय को बढ़ाने के लिए मार्केट के ट्रेंड को समझना बहुत आवश्यक होता है। इसके लिए अच्छा बिजनेस स्कील का होना भी बहुत आवश्यक है।

इस व्यवसाय में उतरने के लिए यदि आज का युवा आतुर है तो इसके लिए अभ्यासक्रम भी उपलब्ध है। भारत में कुछ संस्थाएं बुक पब्लिशिंग के लिए डिप्लोमा, डिग्री करना पड़ता है इस व्यवसाय की विशालता को देखते हुए शार्ट टर्म कोर्स भी आयोजित किया जाता है। इस क्षेत्र में युवा चाहें तो स्वंय का प्रकाशन व्यवसाय शुरू कर सकते हैं, या फिर किसी प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्थान में नौकरी भी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में हर माह आप सेलेरी के रूप में पन्द्रह हजार से लेकर एक लाख तक कमा सकते हैं। माल्स में भी बुक चेन में अनेक नौकरियां उपलब्ध हो सकती है। आज के इस डिजिटल युग में इस व्यवसाय की काफी डिमांड है। युवाओं को खासकर ऐसे युवा जो साहित्य में रुचि रखते हैं। जिन्हें पठन-पाठन का शौक है। अवश्य ही इस क्षेत्र को अपनी आजीविका का साधन बनाना चाहिए। मान-सम्मान पैसा सब कुछ हासिल हो सकता है।

किस-किस तरह के कोर्स

इंडस्ट्री में प्रोफेशनल्स और प्रशिक्षित लोगों की जरूरतों को देखते हुए देश के जाने-माने शिक्षण-संस्थानों में इससे संबंधित कोर्स चलाए जा रहे हैं। नेशनल बुक ट्रस्ट देश के कई हिस्सों में बुक पब्लिशिंग के रेगुलर कोर्स करवा रहा है। इग्नू ने एफआईपी के साथ मिल कर बुक पब्लिशिंग में पीजी डिप्लोमा का कोर्स शुरू किया है। कलकत्ता विश्वविद्यालय पब्लिशर्स एंड बुकसेलर्स गिल्ड ऑफ कोलकाता के साथ मिल कर पीजी डिप्लोमा इन बुक पब्लिशिंग स्टडीज कोर्स का संचालन कर रहा है।

योग्यता

पब्लिशिंग से जुड़े ज्यादातर कोर्सेज पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर कराए जाते हैं। अगर आप एडमिशन लेना चाहते हैं तो इसके लिए आपका ग्रेजुएट होना आवश्यक है। जिस तरह से विज्ञापन और क्रिएटिव इंडस्ट्री अपने पांव पसार रही है, उस लिहाज से आने वाले समय में इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इन्टरनेट एवं प्लास्टिक केन्द्रित उत्पादों के आ जाने से इस क्षेत्र में प्रतियोगिता नए रूप में आरम्भ हो गई है। प्रकाशक की प्रकाशन के लिए प्राप्त सामग्री को ठीक से परखने की जिम्मेदारी है। उसमें यह विश्लेषण क्षमता होनी चाहिए कि जो सामग्री प्रकाशित की जा रही है, वह वर्तमान जरूरतों और भविष्य की संभावनाओं से दो-चार हो सकती है या नहीं।

संक्षिप्त समाचार

जज साहब के चैंबर से दो सेब और हैंडवॉश चोरी, पाकिस्तान में गजब हो गया!

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां, लाहौर के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नूर मुहम्मद बसमल के चैंबर से 2 सेब और हैंडवाश की एक बोतल चोरी हो गई। चोरी हुई वस्तुओं की कीमत करीब 1,000 रुपये थी। फिलहाल, पुलिस मामला दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी है। दरअसल, चोरी की ये घटना लाहौर के एडिशनल सेशन जज नूर मुहम्मद बसमल के चैंबर में हुई। जहां दो सेब और एक हैंड वाश बोतल चोरी होने का मामला दर्ज हुआ है। लाहौर पुलिस ने पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 380 के तहत मामला दर्ज किया है। यह धारा चोरी से संबंधित है। इसके तहत, दोषी पाए गए अपराधी को सात साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। जज के ऑफिस में एक सीनियर अधिकारी ने लाहौर के इस्लामपुरा पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। जज के रीडर ने जज के निर्देश पर शिकायत दर्ज कराई है। एफआईआर के अनुसार, 5 दिसंबर को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नूर मुहम्मद बसमल के कक्ष से दो सेब और एक हैंडवाश की बोतल चोरी हो गई। एफआईआर में कहा गया है कि चोरी हुई वस्तुओं की कुल कीमत 1,000 पाकिस्तानी रुपये बताई है। पाकिस्तान में सेब चोरी के इस शर्मसार कर देने वाली अजीबोगरीब मामले में पाकिस्तानी खुद तंज कस रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक मानवाधिकार कार्यकर्ता ने तंज कसते हुए इसे पाकिस्तान के इतिहास का सबसे बड़ा चोरी का मामला करार दे दिया है।

पाकिस्तान-इंडोनेशिया ने किए सात नए समझौतों पर हस्ताक्षर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियान्तो ने एक वार्ता के दौरान सात महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। ये एमओयूएस उच्च शिक्षा, इंडोनेशियाई छात्रवृत्ति कार्यक्रम, छोटे और मध्यम उद्यमों के विकास, राष्ट्रीय अभिलेखागार, नशीली दवाओं की रोकथाम, हलाल व्यापार और स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग से जुड़े हैं। सुबियान्तो का यह पाकिस्तान का पहला आधिकारिक दौरा है।

एयरपोर्ट घोटाले में पूर्व मंत्रियों समेत 55 पर केस

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की भ्रष्टाचार जांच आयोग ने पोखरा के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के निर्माण में भारी गड़बड़ी के आरोप में पूर्व मंत्रियों समेत 55 लोगों और एक चीनी निर्माण कंपनी पर मामला दर्ज किया है। आयोग के अनुसार, 2012 में तय बोली 169.6 मिलियन डॉलर (करीब 15 अरब 24 करोड़ भारतीय रुपया) थी, लेकिन अधिकारियों ने चीनी कंपनी की मिलीभगत से इसे बढ़ाकर करीब 21 अरब 92 करोड़ रुपया कर दिया, यानी 7.4 करोड़ डॉलर से ज्यादा की अनियमितता। यह मामला काठमांडो की विशेष अदालत में दाखिल किया गया।

अमेरिका में अप्रवासी बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अप्रवासी बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल उठे हैं। अमेरिकी इमीग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) ने कोर्ट में दायर एक दस्तावेज में माना है कि इस साल अगस्त-सितंबर के दौरान करीब 400 बच्चों को 20 दिन की कानूनी सीमा से अधिक समय तक हिरासत में रखा गया। यह खुलासा उन वकीलों ने किया जो 1985 से चल रहे मामले की निगरानी कर रहे हैं। इसी मुकदमे से 1990 के दशक में फ्लोरेस सेटलमेंट एग्रीमेंट बना, जो बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सीमित अवधि की हिरासत अनिवार्य करता है। वकीलों ने अदालत को बताया कि कई केंद्रों में अस्वच्छ हालात, चिकित्सा सेवा में देरी और होटल कमरों में तय सीमा से अधिक समय तक बच्चों को रखने की शिकायतें मिलीं। एक बच्चा आंख की चोट के बाद दो दिन तक डॉक्टर को नहीं दिखाया गया। एक और बच्चे का पैर स्टाफ की लापरवाही से टूट गया। भोजन में कीड़े मिलने तक की शिकायत दर्ज की गई। सरकार का कहना है कि रिलीज में देरी की वजह परिवहन, मेडिकल जरूरतें और कानूनी प्रक्रिया हैं, लेकिन वकीलों के मुताबिक ये कारण पर्याप्त नहीं। अदालत अगले हफ्ते सुनवाई करेगी और जरूरत पड़ने पर हस्तक्षेप कर सकती है।

लिथुआनिया ने बेलारूस से आए गुब्बारों पर राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया

विनियस, एजेंसी। लिथुआनिया की सरकार ने मंगलवार को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया। वजह हैं हाल के हफ्तों में बेलारूस से उड़कर आए मौसम संबंधी गुब्बारे, जिन्हें लिथुआनिया अपनी हवाई सीमा का उल्लंघन और सुरक्षा खतरा मान रहा है। इन गुब्बारों की वजह से लिथुआनिया को बार-बार अपना मुख्य हवाई अड्डा बंद करना पड़ा, जिससे हजारों यात्री फंस गए। यूरोप पहले ही यूक्रेन युद्ध के दौरान नाटो देशों की हवाई सीमा में हुई घुसपैठ को लेकर अलर्ट पर है प्रधानमंत्री इंगा रुगीनीएने ने कहा बेलारूस की इस हाइब्रिड हमले की रणनीति से निपटने के लिए हमें सख्त कदम उठाने होंगे। आपातकाल के तहत सेना अब सीमा क्षेत्रों में पुलिस जैसी अन्य एजेंसियों के साथ गश्त कर सकेगी और संसद से अतिरिक्त अधिकार लेकर तलाशी या हिरासत जैसी कार्रवाई भी कर पाएगी। सरकार ने कहा कि आम नागरिकों पर इसका प्रभाव कम से कम होगा।

चीन की चाल : नेपाल को खोखला कर रहा ड्रैगन?

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कारण है कि नेपाल के भ्रष्टाचार जांच आयोग ने पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट निर्माण में 55 नेपाली अधिकारियों और चीनी कंपनी सीएएमसी पर 74 मिलियन डॉलर की गड़बड़ी का आरोप लगाया है। इसके साथ ही इन 55 अधिकारियों और चीनी कंपनी सीएएमसी पर मामला भी दर्ज किया है। माना जा रहा है कि यह नेपाल में अब तक का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार का मामला है। आयोग के अनुसार, सरकार और चीनी कंपनी ने निर्माण खर्चों में गड़बड़ी करके 74 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की रकम बढ़ा दी। इसके तहत 2012 में जो बिडिंग तय हुई थी, वह 169.6 मिलियन डॉलर थी, लेकिन इसे बढ़ाकर 244 मिलियन डॉलर कर दिया गया।

पोखरा एयरपोर्ट और चीन का संबंध, समझिए : नेपाल के पोखरा एयरपोर्ट में चीन की भूमिका को ऐसे समझा जा सकता है कि पोखरा एयरपोर्ट चीन के एक्जिम बैंक के लोन पर बनाया गया था। यह शहर नेपाल के प्रमुख पर्यटन स्थलों और ट्रेकिंग रूट्स की शुरुआत का केंद्र है, लेकिन 2023 में संचालन शुरू होने के बावजूद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को आकर्षित नहीं कर सका। ऐसे में नेपाल में चीन की यह भूमिका नेपाल में बढ़ते आर्थिक और राजनीतिक दबाव की चिंता बढ़ा रही है। नेपाल में भ्रष्टाचार व्यापक है और सितंबर में युवाओं के नेतृत्व में बड़े विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिसमें दर्जनों लोगों की मौत हुई और सरकार को इस्तीफा देना पड़ा।

काठमांडू कोर्ट में होगी मामले की सुनवाई : हालांकि अब मामले की सुनवाई विशेष अदालत काठमांडू में होगी, लेकिन नेपाल में कोर्ट केस अक्सर महीनों या वर्षों तक चल सकते हैं। गौरतलब है कि ये पूरा मामला तब सामने आया है जब नेपाल में मार्च 2025 में आम चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में यह मामला राजनीतिक हलचलों को भी प्रभावित कर सकता है।

जेलेंस्की से मुलाकात के बाद ईसाई धर्मगुरु के निशाने पर आए ट्रंप!

रोम, एजेंसी। ईसाई धर्मगुरु पोप लियो 14वें ने मंगलवार को अमेरिका के ट्रंप प्रशासन की ओर से लंबे समय से चले आ रहे अमेरिका-यूरोपीय गठबंधन को तोड़ने की कोशिश की आलोचना की। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी के सर्वोच्च धर्मगुरु की ओर से इस तरह की खुली आलोचना अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के लिए बड़ा झटका माना जा सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय नेताओं को कमजोर होने के साथ यूक्रेन को मिलने वाले अमेरिकी समर्थन को कम करने का भी संकेत दिया था। इस मुद्दे पर पोप लियो 14वें ने अप्रत्यक्ष रूप से जोर देकर कहा कि यूक्रेन शांति समझौते में यूरोप की भूमिका होनी चाहिए।

पोप लियो का कीव दौरा यूरोपीय समर्थन जुटाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात के बाद पत्रकारों से युद्धविराम की जरूरत और रूसी अधिकारियों की ओर से पकड़े गए यूक्रेनी बच्चों की वापसी में मदद के लिए वेटिकन की कोशिशों पर चर्चा की।

ईसाई धर्मगुरु से अमेरिकी शांति प्रस्ताव और इस प्रक्रिया में यूरोपीय शक्तियों को दरकिनार किए जाने के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी समझौते में यूरोप की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'यूरोप को वार्ता में शामिल किए बिना शांति समझौते की कोशिश करना अवास्तविक है, क्योंकि युद्ध यूरोप में चल रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'आज और भविष्य में सुरक्षा की गारंटी भी मांगी जा रही है। यूरोप को इसका हिस्सा होना चाहिए, और दुर्भाग्य से हर कोई इसे नहीं समझता, लेकिन मुझे लगता है कि यूरोपीय नेताओं के लिए एकजुट होकर हल तलाशने का यह एक बेहतरीन मौका है।'

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका और यूरोपीय साझेदारों के साथ शांति समझौते के तीन दस्तावेजों पर चर्चा की जा रही है, 20 बिंदुओं का एक रूपरेखा दस्तावेज, सुरक्षा गारंटी वाला दूसरा दस्तावेज और यूक्रेन को फिर से उठ खड़ा करने के बारे में तीसरा दस्तावेज।

बीते हफ्ते में ट्रंप प्रशासन ने अपनी अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी की थी, जिसमें अमेरिका-यूरोपीय गठबंधन पर सवाल उठाए गए हैं और अमेरिका-रूस संबंधों को बेहतर बनाने की इच्छा पर जोर दिया गया है। लियो ने कहा कि उन्होंने जो पढ़ा है, वह 'यूरोप और अमेरिका के बीच कई वर्षों से चले आ रहे एक सच्चे गठबंधन में एक बड़ा बदलाव लाएगा।' इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कुछ टिप्पणियों से ऐसा लगता है कि 'आज और भविष्य में जिस गठबंधन की जरूरत है, उसे तोड़ने की कोशिश की जा रही है।'

उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में कुछ लोग इस कोशिश से सहमत हो सकते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि कई अन्य लोग चीजों को अलग तरीके से देखेंगे। पोप लियो अब तक जेलेंस्की से तीन बार मिल चुके हैं और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कम से कम एक बार टेलीफोन पर बात कर चुके हैं।

इमरान खान की बहनों ने अडियाला जेल के बाहर डाला डेरा, उधर बड़ी साजिश रच रही है शरीफ सरकार

इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल से रिहाई को लेकर उनकी बहनों ने एक बार फिर अडियाला जेल के बाहर डेरा डाल दिया। पूर्व प्रधानमंत्री की बहनों ने मंगलवार को सैकड़ों समर्थकों के साथ जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया है। इस दौरान उन्होंने हिरासत में इमरान खान की सेहत और सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई है। दूसरी तरह शहबाज शरीफ की सरकार इमरान खान की रिहाई को और मुश्किल बनाने की तैयारी में है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान में इमरान खान के खिलाफ देशद्रोह का मामला चलाया जा सकता है।

इससे पहले मंगलवार को इमरान की दोनों बहनें, उज्मा खान और अलीमा खान जेल के गेट के पास प्रदर्शन किया। इस दौरान समर्थकों ने 'सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है', 'आजादी आजादी' जैसे नारे भी लगाए। इस मौके पर जेल के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। बता दें कि इमरान खान की सेहत को लेकर चिंताओं और उनकी मौत के बाद पिछले सप्ताह उनकी बहन उजमा को पूर्व प्रधानमंत्री से मिलने की इजाजत मिली थी।

खान की बहन डॉ. उज्मा खान ने जेल में अपने भाई से मुलाकात करने के बाद कहा कि उनका स्वास्थ्य पूरी तरह से ठीक है लेकिन उन्हें मानसिक यातना दी जा रही है। वहीं उज्मा की मुलाकात के बाद पीटीआई ने एक बयान में कहा था कि इमरान खान को खान को दिन के अधिकतर समय जेल की कोठरी में ही रखा जाता है और केवल थोड़ी देर के लिए बाहर जाने की अनुमति दी जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि इमरान खान को किसी से बात करने की अनुमति भी नहीं है। इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं।

क्या साजिश रच रही शहबाज सरकार

इससे बीच न्यूज 18 ने अपनी एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया है कि पाकिस्तान का राजनीतिक तबका पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ देशद्रोह का मामला चलाने और उनकी पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (क्क्षह्ल) पर प्रतिबंध लगाने पर की तैयारी में है।

सूत्रों का दावा है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की आसिम मुनीर के इशारों पर सरकार कई तरह के और प्रतिबंध लगाने पर भी विचार कर रही है। सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने कहा है कि इमरान खान का राजनीतिक विरोध और देश के संस्थानों के साथ टकराव पाकिस्तान को एक खतरनाक स्थिति में डाल सकता है।

खूबसूरत चेहरा, मशीन गन जैसे होंठ, ट्रंप ने अपनी प्रेस सेक्रेटरी लेविट को लेकर कही ये बात?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक भाषण के दौरान अपनी व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट के खूबसूरत चेहरे और होंठों की जमकर तारीफ की। यह भाषण उनके आर्थिक एजेंडे को बढ़ावा देने के लिए था।

79 साल के ट्रंप पेंसिल्वेनिया की एक रैली में अपने प्रशासन की आर्थिक सफलताओं पर भाषण दे रहे थे, तभी वह अपने भाषण से भटक गए और अपनी 28 साल की प्रेस सेक्रेटरी की तारीफ करने लगे कि वह कितनी महान हैं।

उन्होंने तालियां बजा रही भीड़ से पूछा, आज हम अपनी सुपरस्टार कैरोलिन को भी लाए हैं। क्या वह शानदार नहीं है? क्या कैरोलिन शानदार है? इसके बाद उन्होंने लेविट की शरीरिक बनावट और आत्मविश्वास की तारीफ की।

इस दौरान ट्रंप ने अजीब सी आवाज निकालते हुए कहा, आप जानते हैं, जब वह टीवी पर जाती हैं, फॉक्स पर तो वह हावी हो जाती हैं। जब वह उस खूबसूरत चेहरे और उन होठों के साथ जाती हैं, जो रुकते नहीं, एक छोटी मशीन गन की तरह।

महिलाओं के खेल में पुरुषों की कोई जगह नहीं : उन्होंने आगे कहा, उसे कोई डर नहीं है क्योंकि हमारी पॉलिसी सही है। हमारे यहां महिलाओं के खेलों में पुरुष नहीं हैं... हमें हर किसी को ट्रांसजेंडर बेचने की जरूरत नहीं है और हमें खुली सीमाओं को भी बढ़ावा नहीं देना है जहां पूरी दुनिया को जेलों और दूसरी जगहों से हमारे देश में आने की इजाजत हो, इसलिए उसका काम थोड़ा आसान है। मैं दूसरी तरफ का प्रेस सेक्रेटरी नहीं बनना चाहूंगा।

ऐसा पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने लेविट के बारे में इस तरह की टिप्पणी की हो। इससे पहले भी उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था, वह चेहरा है। वह दिमाग है। वे होंठ हैं, जिस तरह से वे हिलते हैं। वे ऐसे हिलते हैं जैसे वह एक मशीन गन हो। उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि कैरोलिन से बेहतर प्रेस सेक्रेटरी किसी के पास कभी होगी।

गाज़ा विवाद के बाद बड़ा फैसला : बोलीविया फिर जोड़ेगा इज़राइल संग संबंध, वॉशिंगटन में मुलाक़ात तय

यरूसलम, एजेंसी। बोलीविया की नयी दक्षिणपंथी सरकार ने अपने देश में जारी नाटकीय भू-राजनीतिक पुनर्गठन का ताजा संकेत देते हुए मंगलवार को कहा कि वह इजराइल के साथ राजनयिक संबंध बहाल करेगी। बोलीविया फलस्तीनियों के प्रति इजराइली नीतियों के कभी सबसे मुखर आलोचकों में से एक था। बोलीवियाई विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसके शीर्ष राजनयिक मंगलवार को वाशिंगटन में अपने इजराइली समकक्ष से मुलाकात करेंगे ताकि द्विपक्षीय संबंधों की बहाली पर चर्चा की जा सके।

इस संबंधों को बोलीविया की पूर्व वामपंथी सरकार ने गाजा में हमास के खिलाफ इजराइल के आक्रमण के कारण दो साल पहले समाप्त कर दिया था। बोलीविया ने कहा कि यह कदम राष्ट्रपति रोड्रिगो पाज के नेतृत्व में नयी विदेश नीति की रणनीति के तहत उठाया गया है जिसका उद्देश्य ''बोलीविया की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा का पुनर्निर्माण करना, नए आर्थिक अवसर खोलना और ऐसे गठबंधनों को मजबूत करना है जो देश एवं विदेशों में हमारे नागरिकों को सीधे तौर पर लाभान्वित करें।

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता की शर्मनाक करतूत, इमरान खान पर किया सवाल तो महिला रिपोर्टर को मारी आंख

इस्लामाबाद, एजेंसी। । पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के डायरेक्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी की शर्मनाक करतूत सामने आई है। महिला पत्रकार अबसा कोमन ने जब जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बारे में सवाल किया था तो जनरल अहमद ने उन्हें आंख मारी। इसके बाद उन्हें भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

प्रेस ब्रीफिंग के वीडियो में पत्रकार खान पर लगे आरोपों के बारे में उनसे सवाल पूछती दिख रही हैं। उन्होंने कहा, यह पहले से कैसे अलग है, या क्या हमें भविष्य में किसी डेवलपमेंट की उम्मीद करनी चाहिए?

महिला पत्रकार को मारी आंख: चौधरी ने जवाब देते हुए कहा, और एक चौथा पॉइंट और जोड़ लीजिए- वह एक जेहनी मरीज (मानसिक रोगी) भी है। फिर वह मुस्कुराए और पत्रकार को आंख मारी। एक्स पर एक यूजर ने लिखा, यह सब कैमरे के सामने खुलेआम हो रहा है। पाकिस्तान में लोकतंत्र खत्म हो गया है। पीएम एक कठपुतली हैं। जबकि दूसरे ने लिखा, एक देश का मीम।

शुक्रवार को चौधरी ने खान को नार्सिसिस्ट कहा, जिनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं इतनी ज्यादा बढ़ गई हैं कि उन्हें लगता है, अगर मैं सत्ता में नहीं हूं तो और कुछ भी नहीं होना चाहिए। हालांकि उन्होंने उनका नाम नहीं लिया। चौधरी ने कहा कि जो लोग जेल में खान से मिल रहे हैं, उनका इस्तेमाल सेना के खिलाफ जहर फैलाने के लिए किया जा रहा है।

चौधरी ने खान पर सेना के प्रति दुश्मनी भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हम किसी को भी पाकिस्तान की सेना और उसके लोगों के बीच दरार पैदा नहीं करने देंगे। उन्होंने सेना के उस पुराने आरोप को भी दोहराया जिसमें खान को 9 मई, 2023 को मिलिट्री ठिकानों, जिसमें रावलपिंडी हेडक्वार्टर भी शामिल है, पर हुए हमलों से जोड़ा गया था। उन्होंने कहा, क्या यह वही व्यक्ति नहीं था जिसने उन हमलों की साजिश रची थी?

एप्पल एक फोन कवर से जितना कमाएगा, उतना दुनिया की कोई एयरलाइंस एक यात्री से नहीं; आईएटीए चीफ का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। आईएटीए चीफ के अनुसार, दुनिया की सभी एयरलाइंस मिलकर भी एक यात्री से उतना मुनाफा नहीं कमा सकती, जितना एप्पल अकेले अपना एक आईफोन केस बेचकर कमाई कर लेता है।

दरअसल, आईएटीए के महानिदेशक विली वाल्श ने मंगलवार को 2026 के वैश्विक एविएशन आउटलुक के दौरान कहा कि दुनिया की सभी एयरलाइंस मिलकर भी एक यात्री से सिर्फ 7.90 अमेरिकी डॉलर (लगभग 670 रुपये) का शुद्ध मुनाफा कमा पाएंगी, जबकि एप्पल अकेले अपने आईफोन केस बेचकर उससे कहीं ज्यादा कमाई कर लेगा।

अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ) दुनिया भर में लगभग 360 वाहकों का प्रतिनिधित्व करता है। आईएटीए ने मंगलवार को 2026 के लिए उद्योग के वित्तीय दृष्टिकोण की घोषणा की। आईएटीए ने अनुमान जताया है कि 2026 में पूरी एयरलाइन इंडस्ट्री का कुल शुद्ध लाभ सिर्फ 41 अरब डॉलर रहेगा, यानी प्रति यात्री मुनाफा महज 7.90 डॉलर ही कमा पाएगा।

आईएटीए के प्रमुख विली वाल्श ने मंगलवार को कहा कि ऐप्पल अगले साल प्रति यात्री एयरलाइंस द्वारा अर्जित किए जाने वाले 7.90 अमेरिकी डॉलर के मुनाफे से कहीं अधिक आईफोन कवर बेचकर कमाई करेगा। उन्होंने कहा कि उद्योग-स्तरीय मार्जिन अभी भी बहुत कम है, यह देखते हुए कि एयरलाइन्स लोगों और अर्थव्यवस्थाओं को जोड़कर जो मूल्य सृजित करती हैं। वे उस मूल्य श्रृंखला के मूल में हैं, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 4 प्रतिशत का आधार है और 87 मिलियन नौकरियों का समर्थन करती है। गौरतलब है कि वैश्विक एयरलाइन उद्योग विभिन्न चुनौतियों से जूझ रहा है, जिनमें आपूर्ति श्रृंखला संबंधी समस्याएं, विमान वितरण में देरी और भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं शामिल हैं। आईएटीए के अनुसार, ईंधन दक्षता में वृद्धि केवल 1 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, क्योंकि आपूर्ति श्रृंखला संबंधी समस्याएं बेड़े के नवीनीकरण में बाधा डाल रही हैं।

एच-1बी वीजा आवेदन के लिए अमेरिका ने दिया नया अपडेट, भारतीयों पर होगा असर?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन द्वारा इमिग्रेशन नियमों को सख्त करने के बाद अब तक 85,000 वीजा रद किए गए हैं। स स्टेट डिपार्टमेंट ने ङ्ग पर पोस्ट कर बताया कि जनवरी से अब तक 85,000 वीजा कैंसिल किए गए हैं, जो इमिग्रेशन एनफोर्समेंट और बॉर्डर सिक्योरिटी पर ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन के बढ़ते सख्ती को दिखाता है। दरअसल, स स्टेट डिपार्टमेंट ने एक पोस्ट पर लिखा कि जनवरी से अब तक 85,000 वीजा रद किए गए हैं। जिनमें 8,000 से ज्यादा छात्र शामिल हैं, जो पिछले साल की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा है। इस मैसेज ने सख्त इमिग्रेशन निगरानी के लिए एडमिनिस्ट्रेशन के लगातार कमिटमेंट को दिखाया। इससे यह संकेत मिलता है कि प्रेसिडेंट ट्रंप और सेक्रेटरी रुबियो इस नियमों को लेकर रुकने वाले नहीं हैं। स स्टेट डिपार्टमेंट द्वारा की गई इस पोस्ट के साथ राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की एक तस्वीर भी थी जिस पर लिखा था मेक अमेरिका सेफ अगेन, यह एडमिनिस्ट्रेशन के इस तर्क को और मजबूत करता है कि सख्त वीजा रेगुलेशन नेशनल सिक्योरिटी की कोशिशों के लिए जरूरी है।एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि रद किए गए वीजा में से 8 हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स के थे। नशे में गाड़ी चलाना, चोरी और हमला जैसे अपराध रद्दीकरण के प्रमुख कारण बताए गए, जो पिछले साल के लगभग आधे कैंसलेशन का हिस्सा थे।इसके अलावा कुछ वीजा वीजा-एक्सपायरी, आतंकवाद के समर्थन से जुड़ी जांच और अन्य गंभीर कारणों से भी रद किए गए।

पीसीबी ने हैदर अली पर लगा प्रतिबंध हटाया, लगे थे बलात्कार के आरोप

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बल्लेबाज हैदर अली पर लगा अस्थायी निलंबन हटा लिया है, जिन्होंने सितंबर में मैनचेस्टर में बलात्कार के आरोपों से बरी होने के बाद से किसी

भी तरह का प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। पीसीबी ने बुधवार को पुष्टि की कि अली उन नौ पाकिस्तानी खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दिया गया है। बोर्ड के एक सूत्र ने बताया, 'खिलाड़ियों को 23 जनवरी तक इस प्रतियोगिता में खेलने की अनुमति दे दी गई है। पाकिस्तान के लिए 35 टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैच खेलने वाले अली तब पाकिस्तान शाहीन टीम (पाकिस्तान ए) के साथ इंग्लैंड दौरे पर थे जब ब्रिटेन में जन्मी एक पाकिस्तानी महिला ने मैनचेस्टर शहर की पुलिस में उनके खिलाफ बलात्कार का आरोप लगाया। पीसीबी ने जांच के नतीजे आने तक अली को निलंबित कर दिया था।

इंडिया-दक्षिण अफ्रीका टी-20

अभिषेक शर्मा-शुभमन गिल ओपनर, संजू सैमसन बाहर

- दूसरे टी20 के लिए भारत की संभावित प्लेइंग 11

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला अब 11 दिसंबर गुरुवार को न्यू चंडीगढ़ स्थित मुल्लांपुर में खेला जाएगा। पहले मैच में भारतीय टीम ने शुरू में लड़खड़ाने के बाद 101 रन से शानदार जीत दर्ज कर ली। सीरीज में टीम इंडिया 1-0 की बढ़त बना चुकी है। ऐसे में दूसरे मुकाबले में प्लेइंग 11 में कुछ खास बदलाव नजर नहीं आ रहे हैं। पहले टी20 में भारतीय टीम की पारी शुरु में बिखरती दिख रही थी। 11.4 ओवर में 78 रन पर चार विकेट थे। स्कोर भी धीमा था और विकेट भी ज्यादा थे। उसके बाद हार्दिक पंड्या की 28 गेंद पर 59 रन की पारी ने मैच की तस्वीर बदल दी। भारत ने 176 रन का अफ्रीका को लक्ष्य दिया और मेहमान टीम 74 रन पर ही ढेर हो गई।

संजू सैमसन रहेंगे बाहर?

हालांकि जीत के बावजूद पहले टी20 मैच में शुभमन गिल एक बार फिर से फ्लाप रहे थे और सवाल यही उठ रहा था कि बार-बार उनके कारण संजू सैमसन को क्यों बलि का बकरा बनाया जा रहा है। क्योंकि, संजू सैमसन का बतौर ओपनर टी20 इंटरनेशनल में बेहतरीन रिकॉर्ड रहा है। अब जितेश शर्मा के बेहतर फिनिशर के तौर पर उभरने के बाद बतौर विकेटकीपर भी सैमसन की जगह प्लेइंग 11 में नहीं बन पा रही है। दूसरे टी20 में भी कप्तान सूर्यकुमार यादव अपने विनिंग कॉम्बिनेशन को शायद छेड़ना नहीं चाहेंगे। यानी इस मैच में भी संजू सैमसन का खेलना मुश्किल लग रहा है। वहीं ओपनिंग एक बार फिर से अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल करते हुए नजर आएंगे। बाकी नंबर 3, 4, 5,6 में खास बदलाव संभव नहीं लग रहे हैं। ऐसे में टीम इंडिया न्यू चंडीगढ़ में बिना किसी बदलाव के उतर सकती है।

राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप

31 दिसंबर से हो रहा आगाज, पुरुष और महिला मुक्केबाज ठोकेंगे ताल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में पहली बार शीर्ष पुरुष और महिला मुक्केबाजों के लिए राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप का आयोजन एक साथ होने जा रहा है। दोनों वर्गों के लिए 'राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप' का आयोजन ग्रेटर नोएडा की गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में 31 दिसंबर, 2025 से 6 जनवरी, 2026 तक होगा। सर्विसेज डिफेंडिंग की एंट्री पुरुष राष्ट्रीय चैंपियन के तौर पर कर रही है, जबकि रेलवे का लक्ष्य महिला टीम चैंपियनशिप का टाइटल बनाए रखना है। आधिकारिक ड्रा 30 दिसंबर को होगा। इसके बाद भारत के अगले हाई-परफॉर्मेंस साइकिल की शुरुआत होगी। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने एक रिलीज में कहा, 'देश भर की इकाइयां पुरुषों और महिलाओं के लिए दस-दस वेट वर्ग में मुकाबला करेंगी, जो विश्व मुक्केबाजी तकनीक और प्रतियोगिता के नियमों का पूरी तरह से पालन करेंगी। हर इकाई को हर वर्ग में एक मुक्केबाज उतारने की इजाजत है। कोई रिजर्व नहीं रखा जा सकता। सभी मैच अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट के हिसाब से होंगे, जिसमें तीन-तीन मिनट के तीन राउंड होंगे। एक मिनट का रेस्ट पीरियड और 10-अंक का जरूरी स्कोरिंग सिस्टम होगा। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने इस मौके पर कहा, 'मजबूत सिस्टम लंबे समय की सफलता की रीढ़ होते हैं, और नेशनल चैंपियनशिप वह जगह है जहां यह सिस्टम असल में शुरू होता है। यह स्टेज मौके बनाता है, प्रतिभा को सामने लाता है, और हर मुक्केबाज को राष्ट्रीय कैंप में जाने का सही रास्ता देता है। उन्होंने कहा कि विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स में हमें हाल में मिली सफलता ने साबित कर दिया कि यह कितना पावरफुल हो सकता है। जैसे-जैसे हम आगे की चुनौतियों की तैयारी कर रहे हैं, ये चैंपियनशिप उन एथलीट्स को पहचानने और तैयार करने में बहुत जरूरी होंगी। इससे हमारी पदक की उम्मीदें बढ़ेंगी।

जूनियर महिला वर्ल्ड कपः

आखिरी सेकंड में बराबरी, फिर शूटआउट में भारत ने उरुग्वे को हराया

सैंटियागो (चिली), एजेंसी। भारत ने आखिरी सेकंड में बराबरी करने के बाद उरुग्वे को खट्ट॥ हॉकी जूनियर महिला वर्ल्ड कप 2025 के 9/12 क्लासिफिकेशन मैच में 1-1 से ड्रॉ के बाद शूटआउट में 3-1 से हराया। भारत के लिए मनीषा ने (19वें) ने भारत के लिए गोल किया जिसके बाद जस्टिना अरेंगुई ने (60वें) मिनट सिर्फ दो सेकंड बाकी रहते पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला, जिससे सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड, एस्टाडियो नैशनल में मैच शूटआउट में चला गया। भारत ने मैच की शुरुआत से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, जल्दी दबाव बनाया और कई बार सकर्ल में एंट्री की। हालांकि, उरुग्वे को पांचवें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वे उसे भुना नहीं पाये। भारत ने 18वें मिनट में एक अच्छे पेनल्टी-कॉर्नर वेरिएशन के साथ जवाब दिया, लेकिन साक्षी राणा का शॉट ब्लॉक हो गया। अगले ही मिनट में मनीषा ने दूर से एक जोरदार गोल करके भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ में भारतीयों ने 11 सकर्ल पेनिट्रेशन किए, जबकि उरुग्वे

ने डिफेंसिव शेल में गहरी पकड़ बना ली थी। ब्रेक के बाद भी यही पैटर्न जारी रहा भारत ने हाई लाइन बनाए रखी और उरुग्वे को पीछे धकेल दिया, लेकिन तीसरे क्वार्टर के बीच में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिलने के बावजूद वे बढ़त नहीं बना पाए। आखिरी क्वार्टर के 49वें मिनट में उरुग्वे ने आगे बढ़ने का प्रयास किया लेकिन गोलकीपर निधि ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार बचाव करके भारत की बढ़त बनाए रखी। उरुग्वे ने आखिरी मिनटों में अपने गोलकीपर को हटाकर एक एक्स्ट्रा आउटफील्ड प्लेयर को शामिल किया, और यह कदम बहुत फायदेमंद रहा। दो सेकंड बाकी रहते, उन्हें एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे अरेंगुई ने शांति से गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। शूटआउट में भारत ने हिम्मत नहीं हारी। पूर्णिमा यादव, इशिका और कनिका सिवाच ने गोल किए, जबकि गोलकीपर निधि ने उरुग्वे को तीन बार गोल करने से रोका, जिससे 3-1 से जीत पक्की हो गई और भारत 9वें/10वें स्थान के प्लेऑफ में पहुंच गया। भारत का अगला मुकाबला गुरुवार को अपने आखिरी क्लासिफिकेशन मैच में स्पेन से होगा।

आईसीसी वनडे रैंकिंगः

रोहित शर्मा शीर्ष पर कायम, विराट कोहली नंबर 2 पर पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने वनडे फॉर्मेट की नई रैंकिंग जारी कर दी है। बुधवार को जारी की गई रैंकिंग में रोहित शर्मा शीर्ष पर कायम हैं, तो विराट कोहली दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के दौरान आईसीसी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया था। वह नंबर वन की कुर्सी पर मजबूती से जमे हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में 57, 14, और 75 की पारी ने रोहित का नंबर वन रैंक पर कब्जा बरकरार रखा है। विराट कोहली ने ताजा रैंकिंग में 2 स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरी रैंक हासिल की है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में 135, 102, और 65 रन की पारी खेली। इन तीन पारियों की मदद से वे न सिर्फ सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने बल्कि आईसीसी की वनडे रैंकिंग में भी लंबे समय बाद दूसरे स्थान पर पहुंचे।

बता दें कि रोहित और विराट सिर्फ वनडे फॉर्मेट ही खेलते हैं। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल और अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। दोनों क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर काबिज हैं। भारतीय टीम के वनडे फॉर्मेट के कप्तान शुभमन गिल पांचवें स्थान पर हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम छठे, आयरलैंड के हैरी टैक्टर सातवें, वेस्टइंडीज के शाई होप आठवें, श्रीलंका के चरिथ असलांका नौवें और भारत के श्रेयस अय्यर दसवें स्थान पर हैं। श्रेयस अय्यर को एक स्थान का नुकसान हुआ है। इंजरी की वजह से श्रेयस और गिल दक्षिण अफ्रीका वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं थे। केएल राहुल ने भी दक्षिण अफ्रीका सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी की थी। उन्हें दो स्थान का फायदा हुआ है। वह 12वें स्थान पर हैं। क्विंटन डी कॉक 3 स्थान ऊपर की छलांग लगाते हुए 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

मेसी को लगातार दूसरी बार एमएलएस का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया; सालाह के बिना जीता लिवरपूल

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल के लिए यह जीत महत्वपूर्ण थी क्योंकि वह सभी प्रतियोगिताओं में पिछले छह मैचों में केवल एक मैच में ही जीत हासिल कर पाया था। इस जीत से टीम आठवें स्थान पर पहुंच गई है और राउंड ऑफ 16 में सीधे प्रवेश करने की दौड़ में शामिल हो गई है। इंटर मिलान पांचवें स्थान पर खिसक गया है। इंटर मियामी के स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में लगातार दूसरी बार साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अर्जेंटीना के इस 38 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन से उनकी टीम इंटर मियामी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार हासिल करने में सफल रही। एमएलएस कप चैंपियन टीम के कप्तान मेसी एमएलएस के इतिहास में लगातार दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (एमवीपी) का खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। मंगलवार को उन्हें लीग के इस साल के सर्वोच्च व्यक्तिगत सम्मान का विजेता घोषित किया गया। मेसी ने अपने साथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके बिना यह पुरस्कार जीतना संभव नहीं था। वह लीग के इतिहास में दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनसे पहले प्रेकी ने 1997 और 2003 में यह पुरस्कार जीता था।

लिवरपूल ने इंटर मिलान को हराया, बार्सिलोना और बायर्न म्यूनिख भी जीते

स्टार स्ट्राइकर मोहम्मद सालाह को टीम से बाहर किए जाने के बावजूद लिवरपूल ने पेनल्टी पर किए गए गोल के दम पर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में इंटर मिलान को 1-0 से हराकर आत्मविश्वास बढ़ाने वाली जीत हासिल की। बार्सिलोना और बायर्न म्यूनिख ने भी शानदार वापसी करते हुए जीत का जश्न मनाया, जबकि चेल्सी को हार का सामना करना पड़ा। लिवरपूल की तरफ से नियमित पेनल्टी लेने वाले सालाह के टीम से बाहर होने के कारण डोमिनिक स्जोबोस्जलाई को यह भूमिका निभानी पड़ी। उन्होंने हालांकि टीम को निराश नही किया और 88वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके प्रतियोगिता में अब तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीमों में शामिल इंटर मिलान के विजय अभियान पर रोक लगाई। लिवरपूल के लिए यह जीत महत्वपूर्ण थी क्योंकि वह सभी प्रतियोगिताओं में पिछले छह मैचों में केवल एक मैच में ही जीत हासिल कर पाया था। इस जीत से टीम आठवें स्थान पर पहुंच गई है और राउंड ऑफ 16 में सीधे प्रवेश करने की दौड़ में शामिल हो गई है। इंटर मिलान पांचवें स्थान पर खिसक गया है। बायर्न म्यूनिख के 17 वर्षीय मिडफील्डर लेनार्ट कार्ल ने चैंपियंस लीग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिससे उनकी टीम ने स्पोर्टिंग लिस्बन पर 3-1 से जीत हासिल की। इससे बायर्न आर्सेनल के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।

चैंपियंस लीगः

बार्सिलोना और एटलेटिको मैड्रिड ने अपने मैच जीते

बार्सिलोना, एजेंसी। बार्सिलोना ने जूल्स कोंडे के हेडर से लगाए दो गोल की मदद से आइंट्राप्ट फ्रैंकफर्ट को 2-1 से हराकर चैंपियंस लीग में अहम जीत हासिल की। जीत के साथ बार्सिलोना 36 टीमों के लीग फेज में 13वें नंबर पर आ गया है। शीर्ष 8 में जगह बनाने के लिए बार्सिलोना को दो और मैचों में जीत हासिल करनी होगी। एटलेटिको मैड्रिड ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए पीएसवी के खिलाफ 3-2 से जीत हासिल की। गुस टिल ने 10वें मिनट में मैच का पहला गोल किया। अलेक्जेंडर सोरलोथ ने 37वें मिनट में जूलियन अल्वारेज को बराबरी का गोल करने का मौका दिया। इससे पहले डेविड हैंको ने 52वें मिनट में मातेज कोवर के नाहुएल मोलिना के लॉन्ग-रेंज शॉट को बाहर धकेलने के बाद रिबाउंड पर गोल किया, और सोरलोथ ने चार मिनट बाद तीसरा गोल किया। रिकार्डो पेपी ने 85वें मिनट में दूर के पोस्ट पर गोल किया और आखिरी मिनटों में अरमांडो ओबिस्पो ने पास से एक सुनहरा मौका गंवा दिया, जिससे एटलेटिको ने 3-2 से अहम जीत हासिल की। इंटर मिलान के खिलाफ लिवरपूल के लिए इब्राहिमा कोनाटे के पहले हाफ के हेडर को हैंडबॉल के लिए खारिज करने के लिए चार मिनट के वीएआर रिव्यू की जरूरत थी। अधिकारियों ने प्रीमियर लीग

चैंपियन का पक्ष लिया और पांच मिनट बाकी रहते पेनल्टी दी। डोमिनिक सोबोस्जलाई ने स्पॉट से गोल करके लिवरपूल की टीम को 1-0 से जीत दिलाई, जो मोहम्मद सलाह के बिना खेली थी। टॉटनहैम ने स्लाविया प्राग पर 3-0 से आसान जीत हासिल की, जिसमें डेविड जिमा ने 26वें मिनट के बाद गेंद को अपने ही नेट में डाल दिया और मोहम्मद कुदुस ने 50वें मिनट में पेड्रो पोरो पर फाउल के बाद पेनल्टी स्पॉट से बढ़त दोगुनी कर दी। मैच खत्म होने से 10 मिनट पहले जेवी सिमंस ने एक और पेनल्टी को गोल में बदलकर मैच अपने नाम कर लिया। मेसन ग्रीनवुड ने शानदार खेल दिखाया जिससे मार्सिले ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए यूनियन सेंट-गिलोइस को 3-2 से हराया। अनन खलैली ने मेजबान टीम को आगे कर दिया, लेकिन इगोर पैक्साओ ने 15 मिनट बाद बराबरी कर ली और ग्रीनवुड ने 41वें और 58वें मिनट में गोल करके मैच का रुख बदल दिया। खलैली ने गोल करके यूनियन को मुकाबले में बनाए रखा। बायर्न म्यूनिख ने जोशुआ किमिच के अपने गोल से वापसी करते हुए स्पोर्टिंग सीपी को अपने घर में 3-1 से हराया।

ज्योतिर्मयी सिकदरः भारतीय एथलेटिक्स की 'नई गोल्डन गर्ल', एशियन गेम्स में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय एथलेटिक्स में पी.टी. उषा को 'उड़न परी' के नाम से जाना जाता है। उन्हें यह उपनाम उनकी बिजली की गति से दौड़ने वाली क्षमता की वजह से मिला था। पी.टी. उषा के बाद जिस महिला धावक ने अपनी दौड़ने की क्षमता से पूरे देश को प्रभावित किया और एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड जीता, वो थीं ज्योतिर्मयी सिकदर। सिकदर को 'नई गोल्डन गर्ल' के नाम से जाना गया। ज्योतिर्मयी सिकदर का जन्म 11 दिसंबर, 1969 को पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के एक छोटे से गांव देबग्राम में हुआ था। ज्योतिर्मयी को एथलेटिक्स विरासत में मिली थी। उनके पिता, गुरुदास सिकदर, पोल वॉल्टर थे। ज्योतिर्मयी की दौड़ने की क्षमता को उनके पिता ने ही पहचाना था। उन्हें अपने पिता से कड़ा प्रशिक्षण मिला। इसके बाद मेंटर सत्यराम रॉय ने ज्योतिर्मयी की क्षमता को पहचाना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। 1992 में ऑल इंडिया ओपन मीट में उनका नेशनल डेब्यू शानदार था। 800मी में शानदार समय निकालते हुए, उन्होंने रजत पदक जीता। 1994 तक, ज्योतिर्मयी ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। 1500 मीटर में एक नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया और नेशनल एथलेटिक्स मीट में स्वर्ण पदक जीता। 1994 के अंतरराष्ट्रीय आईटीसी एथलेटिक्स मीट में 800मी में कांस्य पदक जीता। जकार्ता में 1995 की एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में, उन्होंने 800मी में स्वर्ण पदक जीता। 1997 में, फुकुओका

एशियन ट्रैक एंड फील्ड मीट में, उन्होंने 800मी और 1500मी श्रेणी में कांस्य पदक जीता। साथ ही 4×400मी रिले में रजत पदक जीता।

1998 ज्योतिर्मयी का सबसे अच्छा साल था, एक ऐसा साल जिसने उनका नाम सुनहरे अक्षरों में लिख दिया। बैंकॉक एशियन गेम्स में, उन्होंने अपने करियर की सबसे अच्छी टाइमिंग दिखाई, 800 मी में 2:01.00 और 1500 मी में 4:12.82, जिससे उन्हें 4म400 मी रिले में दो स्वर्ण और एक रजत पदक मिला। इन सफलताओं के बाद ही उन्हें भारतीय खेलों की 'नई गोल्डन गर्ल' कहा जाने लगा। 1996 में अटलांटा में आयोजित ओलंपिक में उन्होंने 4×400 मी रिले में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और सातवें नंबर पर रही थीं।

ज्योतिर्मयी सिकदर को दौड़ के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए भारत सरकार ने 1995 में अर्जुन पुरस्कार, 1998 में राजीव गांधी खेल रत्न और 2003 में पद्मश्री से सम्मानित किया था। एथलेटिक्स में बड़ी सफलता और सम्मान हासिल करने के बाद ज्योतिर्मयी ने राजनीति में एंट्री की और 2004 से 2009 तक वह पश्चिम बंगाल की लोकसभा सीट कृष्णानगर से लोकसभा सांसद थीं। नादिया जिले के एक छोटे से गांव में धान के खेत पर दौड़ने से लेकर अंतरराष्ट्रीय ट्रैक पर भारत का तिरंगा झंडा फहराने तक की ज्योतिर्मयी सिकदर की कहानी प्रेरणादायी है।